हस्तलिखित सूचिपत्र

श्रुतभवन हस्तलिखित शास्त्रसंग्रह

पुणे (महाराष्ट्र)

श्रुतभवन हस्तलिखित शास्त्रसंग्रह

पुणे (महाराष्ट्र)

हस्तलिखित सूचिपत्र

श्रुतभवन संशोधन केंद्र

पुणे

हस्तलिखित ग्रंथ सूचिपत्र श्रेणि-१

‣ **नाम-** श्रुतभवन हस्तलिखित शास्त्रसंग्रह, पुणे (महाराष्ट्र) हस्तलिखित सूचिपत्र
‣ **संपादक-** श्रुतरत्न गणिवर श्री वैराग्यरतिविजयजी म.सा.
‣ **पत्र-**९५, ‣ **वर्ष-वि.सं.** २०७७, आषाढ (ई.स. २०२१, जुलाई)
‣ **प्रकाशक-** श्रुतदीप रिसर्च फाउंडेशन संचालित, श्रुतभवन संशोधन केंद्र, पुणे
‣ **मूल्य** – २५०.००/-
‣ **स्वामित्व** - श्रमणसंस्थाधीन श्रुतदीप रिसर्च फाउंडेशन।
‣ JSBN – VJRKC0001
‣ ISBN –

◈ भंडार माहिती ◈

‣ **नाम-** श्रुतभवन हस्तलिखित शास्त्रसंग्रह
‣ **पता-** ४७/४८ अचल फार्म, आगममंदिर से आगे,
सच्चाई माता मंदिर के आगे, कात्रज, पुणे
पिन कोड-४११ ०४६. **मो.नं.-**७७४४००५७२८,
Email-shrutbhavan@gmail.com
www.shrutbhavan.org

प्राप्तिस्थल -

पुणे - **श्रुतभवन संशोधन केंद्र**
४७/४८ अचल फार्म, सच्चाई माता मंदिर के पास, कात्रज, पुणे - ४११०४६
मो. ७७४४००५७२८

अहमदाबाद - **श्री उमंगभाई शाह**
बी-४२४, तीर्थराज कॉम्प्लेक्स, वी.एस.हॉस्पिटल के सामने, मादलपुर, अहमदाबाद - ३८०००६
मो. ९८२५१२८४८६

मुंबई - **श्री सुधीरभाई कापडिया**
पंचशील, फ्लेट नं. ५०४, सी रोड, चर्चगेट, मुंबई - ४०००२०
मो. ९८६७६००८८१

सुरत - **श्री सेवंतीलाल महेता**
ओंकारसूरि ज्ञानमंदिर, सुभाष चौक, गोपीपुरा, सुरत - ३९५००१
मो. ९८२४१५२७२७

मुद्रण - पूनम प्रिंटिंग प्रेस, पुणे

◈ संपादक मंडल ◈

श्रुतभवन संशोधन केंद्र वर्धमान जिनरत्न कोश विभाग

◈ प्रेरणा एवं मार्गदर्शन ◈

परम पूज्य आचार्यदेव श्रीमद् विजय **रामचंद्रसूरीश्वरजी** म.सा. के शिष्य
परम पूज्य श्रुतरत्न गणिवर श्री **वैराग्यरतिविजयजी** म.सा.

◈ सहायक संपादक ◈

मदनदेव डोंगरे, चिंतामणि सूर्यवंशी

◈ सूचि निर्माण एवं प्राथमिक संशोधन ◈

प्रदीप रुपनर, प्रकाश पाटील, अनुरु मिश्रा, किसन वाक

सहायक- विशाल सूर्यवंशी, निखिल पाटील, चेतन योगी, विशाल चौरसिया, ज्ञानेश वाघ, संविधान सोनवने, श्रीराम मांदळे, सूरज पाटील, राहुल चौगुले व संशोधन विभाग

वर्धमान जिनरत्न कोश प्रकल्प लाभार्थी
मांगरोळ निवासी मातुश्री चंद्रकलाबेन सुंदरलाल शेठ परिवार

श्रुतप्रेमी

जिनशासन के परम तेजस्वी अधिनायक
परम पूज्य आचार्यदेव श्रीमद् **विजयरामचंद्रसूरीश्वरजी**
महाराजा के शिष्यरत्न श्रुतरत्न
परम पूज्य गणिवर श्री **वैराग्यरतिविजयजी** म.सा.
एवं
परम पूज्य साध्वीजी श्री **हर्षरेखाश्रीजी** म.सा.
की शिष्या पूज्य साध्वीजी श्री **जिनरत्नाश्रीजी** म.सा.
की प्रेरणा से
हाइड पार्क में
वि.सं. २०७७ (ई.स.२०२१) के चातुर्मास की स्मृति में

हाइड पार्क टेम्पल ट्रस्ट
(हाइड पार्क परिवार)
मार्केट यार्ड, पुणे-४११०३७

प्रकाशकीय

शास्त्रों की रचना

परमात्मा श्रीमहावीरदेव ने केवलज्ञान प्राप्त करके श्रुतज्ञान की शक्ति एवं अधिकार गणधर भगवंतों को दिया। गणधर भगवंतों ने आगमों की रचना की।

प्राचीन काल में साधु भगवंत आगम को मुखपाठ करके याद रखते थे। उस समय में आगम, मुखपरंपरा से सूत्र और सूत्रार्थ सहित सिखाये जाते थे। परमात्मा श्रीमहावीरदेव के निर्वाण पश्चात लगभग ८००से अधिक वर्ष पर्यंत यह परपंरा चालू रही। कालांतर में, स्मरणशक्ति कमजोर होने के कारण, आगमों का विस्मरण होने लगा। उस समय गीतार्थ सूरिभगवंतों ने विस्तृत रूप से आगमों की लेखन परपंरा का प्रारंभ किया। उस समय उपलब्ध ताड नामक वृक्ष के पत्र पर आगम एवं अन्य शास्त्र लिखे गये। ज्ञानी गुरुभगवंतों ने मूल शास्त्रों के रहस्य तक पहुंचने हेतु आगम पर विवरण/विवेचन लिखे जो टीका या व्याख्या के नाम से जाने जाते है।

बहुसंख्य शास्त्रों का प्रादेशिक भाषाओं (जैसे गुजराती, हिंदी) आदि में अनुवाद भी हुआ। श्रमणों द्वारा लिखने की परपंरा का प्रारंभ हुआ। पीढ़ी-दर-पीढ़ी शास्त्र लेखन की परपंरा आगे बढ़ी। उस काल में गुरुभगवंत शिष्यों को पढ़ाते थे एवं नूतन शास्त्रों की रचना करके, अपने ज्ञान का विनियोग करने की प्रेरणा देते थे। उपरांत पुराने एवं नूतन शास्त्र लिखने की प्रेरणा भी देते थे। इस प्रकार १५०० वर्षों में ४५ आगमों के आधार पर हजारों शास्त्रों की रचना हुई। एवं उनकी लाखों नकलें भी तैयार हुई (हाथ से लिखे मूल शास्त्र की नकल को हस्तप्रत कहते है)

सूचिपत्रों का निर्माण-

इस प्रकार हस्तलिखित शास्त्रों को सुरक्षित रखने की सुनियोजित परंपरा का प्रारंभ हुआ। हमारे शास्त्र, संघ, स्थानक के अथवा मंदिर के अधिकार में रहे हुए ज्ञानभंडारों में संरक्षित किये जाते थे। प्रत्येक ज्ञानभंडार में कौन-कौन से शास्त्र हैं उनकी सूचि (लिस्ट) बनती थी, जिसे उस जमाने में टिप्पणी अथवा टीप कही जाती थी। यह टीप हाथ से लिखी जाती थी तथा प्रायः उस टीप को हस्तप्रत अथवा पोथी के रूप में सुरक्षित रखा जाता था। शास्त्रों की सबसे पुरानी सूचि होने का बहुमान 'बृहत् टिप्पणिका' को जाता है। आज से लगभग ६०० वर्ष पहले वि. सं. १३८३ में किसी अज्ञात मुनि भगवंत

द्वारा उस समय में उपलब्ध सभी शास्त्रों यह सूचि बनी है। उसमें शास्त्र का नाम, कर्ता का नाम, गाथा संख्या एवं उसकी नकल अन्यत्र कहां पर है? यह जानकारियाँ दी गई है। इतिहास में यह सबसे पहली सूचि (Catalogue) मानी जाती है।

वर्तमान यंत्रयुग में बहुत नये साधनों का अविष्कार हुआ है, मगर उस काल में हाथ से लिखे हुए सूचिपत्र से नये कागज पर सूचिपत्र लिखा जाता था। और उन्हें सैंकडों ज्ञानभंडारों में बांटा जाता था। उन ज्ञानभंडारों के सूचिपत्रों (सरकारी, अर्धसरकारी संस्थाओं द्वारा छापे गये) का संशोधन करने वाले मुनिभगवंत एवं विद्वान अवश्यकतानुसार उपयोग करते रहे। हाथ से लिखे गये सूचिपत्रों की Photocopy की जाती थी। अतः उनका भी उपयोग हुआ। (विदेशों में स्थित कुछ ग्रंथालयों की सूचि इंटरनेट पर उपलब्ध है) सभी ज्ञानभंडारों के पास अपनी-अपनी सूचियाँ बनाई। इस प्रकार सेंकड़ों सूचिपत्र बने।

सूचिपत्र का उपयोग-

सूचिपत्र का सबसे ज्यादा उपयोग आचार्य, मुनिभगवंत तथा संशोधक विद्वान करते हैं। ये विद्वान संस्कृत, प्राकृत, पाली, अर्धमागधी, अपभ्रंश जैसी प्राचीन भाषाओं के जानकार होते हैं। तथा ब्राह्मी, शारदा, ग्रंथ, नागरी जैसी प्राचीन लिपियों में भी निष्णात होते हैं। अपने स्वाध्याय हेतु वे शास्त्रों का संशोधन, अनुवाद करते हैं। उसके आधार पर प्रबंध भी लिखते हैं। श्रावक-श्राविका भी अपनी धार्मिक ज्ञानवृद्धि करने हेतु एवं सहायक पुस्तक प्राप्ति के लिए सूचिपत्र का उपयोग करते हैं।

उपरांत गणित, अवकाशविज्ञान, भाषाशास्त्र जैसे विषयों के विद्वान अपने विषयों का अभ्यास तथा संशोधन करने में सहायक हस्तप्रतों को प्राप्त करने हेतु सूचिपत्र का उपयोग करते हैं।

सूचिपत्र की उपयोगिता-

पूज्य गुरुभगवंत अथवा अन्य विद्वान शास्त्रों का संशोधन करते समय शास्त्रों की अनेक हस्तप्रतियों का एकत्रीकरण करते हैं, ताकि पता चल सकें कि उनमें से प्राचीन और प्रामाणिक हस्तप्रत कौन सी है। स्वहस्तलिखित हस्तप्रत बहुत महत्त्वपूर्ण मानी जाती है। उसे मूलादर्श भी कहते है। इन सभी प्रतों का संशोधन हेतु उपयोग होता है। पूर्वाचार्य स्वरचित मूल शास्त्रों में नये प्रकरणों का समावेश करते थे तथा उपयुक्त स्थानों पर सुधार भी करते थे। एक ही शास्त्र पर अनेक आचार्य भगवंत टीका रचते थे। एक ही विषय पर अनेक आचार्य भगवंत शास्त्र की रचना भी करते थे। उसी प्रकार श्रावक या गृहस्थ विद्वान भी शास्त्रों की रचना करते थे। अनेक गृहस्थों ने शास्त्र लिखे तथा लिखवाये। एक शास्त्र के संशोधन हेतु स्वाभाविक रूप से उसकी अनेक हस्तप्रतों की आवश्यकता होती है। तब हस्तलिखित भंडारों के सूचिपत्र सहायक बनते है।

श्रुतभवन संशोधन केंद्र ने इन हस्तप्रतों की वैज्ञानिक एवं प्रामाणिक सूचि को संशोधन का एक महत्त्वपूर्ण अंग मानकर, उनकी सूचि को विकसित करने का प्रयत्न किया है। हस्तप्रतों की प्रामणिक सूचि सामान्य जन से अधिक उच्च शिक्षणक्षेत्र में संशोधन करने वाले संशोधकों के लिए बहु उपयोगी है। ग्रंथसूचि तथा लेखसूचि संशोधन हेतु महत्त्वपूर्ण संदर्भ-साधन है। इन साधनों से संशोधक को आवश्यक साहित्य ढूंढने में समय व्यय नहीं करना पडता है और संशोधन में गति भी आती है।

इस लक्ष के साथ, महत्त्वपूर्ण संदर्भ-सेवा के अंग रूप हस्तप्रतों की यह सूचि, श्रुतभवन संशोधन केंद्र के **वर्धमान जिनरत्न कोश विभाग** द्वारा तैयार की गई है। संशोधनक्षेत्र एवं हस्तप्रतों के अभ्यास में यह सूचिपत्र मार्गदर्शक सिद्ध होगा ऐसा विश्वास है। हस्तप्रतों की प्रामाणिक सूचि के प्रकाशन हेतु बौद्धिक एवं आर्थिक साहायता प्रदान करने वाले सभी पुण्यात्माओं की सबहुमान अनुमोदना करते हैं। सूचिपत्र निर्माण में प्रधानतः श्रीमनोजभाई जैन तथा शैलषभाई महेता का महत्त्वपूर्ण मार्गदर्शन प्राप्त हुआ।

वर्धमान जिनरत्न कोश प्रकल्प के मुख्य लाभार्थी **मांगरोळ निवासी मातुश्री चंद्रकलाबेन सुंदरलाल शेठ परिवार** के प्रति विशेष कृतज्ञता अभिव्यक्त करते हैं। और सूचिपत्र श्रेणि के मुख्य लाभार्थी **मांगरोळ निवासी श्रीवसंतप्रभाबेन कांतिलाल शाह** परिवार के प्रति भी विशेष कृतज्ञता अभिव्यक्त करते हैं।

विशेष

महाराष्ट्र में विदर्भ के आकोला शहर के पास **बालापुर** नाम का पुराना गांव है। लोकांगच्छ के यति परंपरा की पुरानी गादी यहां होने से इसका ऐतिहासिक महत्त्व है। यहां पर **श्री गोडीजी पार्श्वनाथ जैन तपागच्छ संघ** में पुरानी हस्तलिपियों का बडा संग्रह था। वह कहीं स्थलांतरित हो गया। शेष थोडी हस्तप्रतियां बची अस्तव्यस्त अवस्था में थी। बालापुर के साध्वीजी **श्री हर्षरत्नाश्रीजी** म. एवं साध्वीजी **श्री दर्शरत्नाश्रीजी** म.सा. ने उनको व्यवस्थित किया। सुरक्षा हेतु एक-दो पत्र की पांडुलिपियों को कागज का आवरण लगा के तांबे की पीन लगायी। उस पर प्रत का नाम इत्यादि था। यहां पर उसे बहुत संभाल के, पत्र फट न जाए इसका खयाल रखकर निकाला गया। और अच्छी तरह से पोथी में सुरक्षित रखा गया। वि.सं.२०६८ में पू.आ.श्री **देवचंद्रसागरसूरिजी** म.सा. एवं सा.श्री **हर्षरत्नाश्री**जी आदि श्रुतभवन पधारे और उनको सहसा यह संग्रह याद आया और संघ को प्रेरणा देकर यह संग्रह यहां

सुपुर्त किया। श्रुतभवन पू.आ. श्री **देवचंद्रसागरसूरिजी** तथा साध्वीजी के प्रति एवं संघ के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करता है।

इस से अतिरिक्त पूज्य अनेक म.सा. ने भेट की हुई हस्तप्रतों का संग्रह श्रुतभवन हस्तप्रत संग्रह में है। इस संग्रह में अतिप्राचीन और बडी हस्तप्रत नहीं है। अधिकतर छोटी-छोटी प्रतों में स्तवन प्रकरण आदि कृतियाँ मिलती है। इस संग्रह में केवल **५११** हस्तप्रतों का संग्रह है। इसलिए यह बहुत ही छोटा संग्रह है। फिर भी इसमें कुछ विशिष्ट प्रतियाँ है जैसे मराठी भाषा में पुराण की प्रतियां है। गुजराती-मोडी भाषा में लिखित हस्तप्रतियाँ है। अप्रकट स्तवनादि कृतिओं का संग्रह होने की संभावना है।

सूचिपत्र प्रकाशित करने से हस्तप्रतों का दस्तावेजीकरण हो जाता है। यह भविष्य के लिए अति उपयोगी संदर्भ सामग्री बन जाती है।

इस सूचिपत्र के प्रकाशन का मुख्य हेतु यह है की हर एक संघ में, संस्था में अथवा व्यक्तिगत संग्रह-भले वह छोटा क्यूं न हो-में हस्तप्रत हो तो उसे प्रकाशित करने की प्रेरणा मिले।

१) सूचिपत्र प्रकाशित करने से संशोधक महात्मा एवं विद्वानों को हस्तप्रत की माहिती उपलब्ध होती है। संशोधक को हस्तप्रत उपलब्ध कराने से ज्ञानका बहुत ही विशेष लाभ मिलता है।

२) आज तक अप्रगट शास्त्र पहली बार प्रगट होते है।

३) प्रगट आवृत्ति में अशुद्धियां रह गई हो तो दूर होती है।

४) अनेक प्राचीन संदर्भ उजागर होते हैं।

५) पूज्य महात्माओं को ज्ञान दान में सहाय करना बडी पुण्य की बात है।

६) उससे विपुल प्रमाण में ज्ञानावरण कर्म की निर्जरा होती है।

सूचिपत्र प्रगट करने से यह छह महान लाभ मिलते है।

भारत भर के किसी भी संघ या संस्था को अपना हस्तलिखित संग्रह का संगणकीकरण (Scanning) या सूचिपत्र निर्माण करना हो तो कृपया हमें श्रुतभवन को लाभ अवश्य दें।

वर्धमान जिनरत्न कोश प्रकल्प के मुख्य लाभार्थी **मांगरोळ निवासी मातुश्री चंद्रकलाबेन सुंदरलाल शेठ परिवार** के प्रति हम कृतज्ञता अभिव्यक्त करते हैं।

डॉ. जितेंद्र बी. शाह
(मानद विश्वस्त)

संपादकीय

श्रुतभवन हस्तलिखित शास्त्रसंग्रह, पुणे में स्थित हस्तलिखित ग्रंथों का सूचिपत्र (केटलोग) प्रस्तुत करते हुए हमे आनंद की अनुभूति हो रही है। प्रस्तुत संक्षिप्त सूचिपत्र हस्तलिखित भंडार में संग्रहीत हस्तप्रतों की प्राथमिक माहिती देता है।

प्रस्तुत हस्तलिखित भंडार में कुल **५११** हस्तप्रतियाँ है। उनमें कितनी कृतियों का समावेश हुआ है, वह इस समय बता पाना असंभव है, क्योंकि समय एवं संसाधन की मर्यादा के कारण यहाँ दो से अधिक पेटाकृतिवाली हस्तप्रतों की सूचि नहीं बनाई है। इसके अतिरिक्त पेटाकृतियों के साथ **५५५** कृतिओं का समावेश किया है। इनमें विक्रम की १७वीं सदी से २१वीं सदी तक लिखी हुई हस्तप्रतों का समावेश है।

यह सूचि तैयार करने हेतु प्रायः अखिल भारतीय स्तर पर सम्मत, अनुक्रम, हस्तप्रत क्रमांक, ग्रंथनाम, मूल कर्ता, टीका कर्ता, भाषा, पत्र संख्या, उपलब्ध पत्र क्रमांक, पूर्णता, लेखन समय, विशेष टिप्पणी (रिमार्क), विषय आदि १२ शीर्षक के अंतर्गत हस्तप्रतों का विवरण दिया गया है। इन १२ स्तंभो (कॉलम) का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत है। जिससे वाचक को सूचि का उपयोग करने में सुविधा हो।

स्तंभ-१ अनुक्रम

यह सूचिपत्र की प्रविष्टियों का अनुक्रम है। प्रस्तुत हस्तलिखित केटलॉग में पेटाकृतियों सहित कुल कृतियों की संख्या एवं प्रस्तुत प्रति कौन से क्रमांक पर है, यह जानने के लिए इसका उपयोग है।

स्तंभ-२ हस्तप्रत क्रमांक

इसमें हस्तप्रत का क्रमांक दिया है। प्रस्तुत हस्तलिखित भंडार की स्वीकृत व्यवस्था अनुसार पोथी क्रमांक, डाबडा क्रमांक, बंडल क्रमांक, हस्तप्रत क्रमांक, पेटा क्रमांक आदि माहिती का निर्देश यहाँ किया है। यह सूचि, हस्तप्रतों की कॉपी के आधार पर तैयार करने के कारण, मूल हस्तप्रत क्रमांक से भिन्न हो सकती है।

एक ही हस्तप्रत में एक से अधिक कृति लिखी गई हो, तो वे सभी पेटा कृतियां मानी जाती हैं। पे.१ का अर्थ है,- पहली पेटा कृति इत्यादि। प्रतों का समूह डाबडा या पोथी में हो उन्हें तो डा.- और पो. ऐसे संक्षिप्ताक्षर में लिखा गया है।

जहाँ एक हस्तप्रत में एक से अधिक कृतियों का समावेश है, उस स्थान पर ५३५/पे.७ इस प्रकार क्रमांक दिया है। इससे यह सूचित होता है कि, प्रस्तुत कृति प्रत क्रमांक ५३५ में ७वें क्रम पर है। एवं एक ही नंबर पर दो हस्तप्रतें हो तो इन प्रतों को **६२३.१, ६२३.२** इस तरह दिया है।

स्तंभ-३ ग्रंथनाम

इस स्तंभ में ग्रंथों का नामनिर्देश किया है।

जिस प्रति में मूल, टीका आदि एक से अधिक कृतियों का परिवार मिलता हो, वहाँ पर सह युक्त कृति नाम लिखा गया है, जैसे– कल्पसूत्र सह दीपिकावृत्ति, उपासकदशांगसूत्र सह वृत्ति, इस प्रकार निर्देश किया है। यदि कोई कृति उसकी पितृ कृति रहित मिलती है तो उसे 'सह' शब्दरहित केवल उस कृति का ही उल्लेख किया है। जैसे- कल्पसूत्र कल्पद्रुमकलिकावृत्ति।

स्तवन, सज्झाय, चैत्यवंदन, स्तुति आदि कृतियों में तीर्थंकरों के नाम के साथ भगवान, स्वामी, प्रभु, दादा इत्यादि शब्दों के स्थान पर समरूपता हेतु **जिन** शब्द का प्रयोग किया है।

प्रत में उपलब्ध नाम को ही प्रतनाम (हस्तप्रतनाम) में लिखा है, एवं उसके प्रचलित, प्रसिद्ध, मुख्य, अन्य नामों को 'अपरनाम' लिखा है, जैसे- वसुधाराधारिणी स्तोत्र (अपरनाम-वसुधारा स्तोत्र), सीमंधरजिन स्तवन (अपरनाम-सवासो गाथा स्तवन), आदिनाथ स्तवन (अपरनाम-भक्तामर स्तोत्र), बारसासूत्र (अपरनाम-कल्पसूत्र), दुरियरयसमीर स्तोत्र (महावीरजिन स्तोत्र) इत्यादि।

स्तवन, स्तुति, स्तोत्र, पद आदि कृतियों के नाम में तीर्थ, मंडन, गर्भित, लघु, बृहत् आदि विशेष माहिती युक्त मिलते हैं, ऐसे स्थानों पर तीर्थंकर आदि नाम को प्रथम लिखकर स्तवन आदि स्वरूपसूचक शब्द के पश्चात् '( )' (कोष्ठक) में तीर्थ, मंडन आदि विशेषणों को लिखा है। जैसे- पार्श्वजिन स्तवन (अंतरिक्ष), महावीरजिन स्तवन (सुरतमंडन), आदिजिन स्तवन (शत्रुंजय), महावीरजिन स्तवन (पंचकल्याणक), महावीरजिन स्तवन (जीवविचार गर्भित)। नाम में इस प्रकार लिखकर 'अपरनाम-' इस प्रकार लिखकर विशेषणपूर्वक नाम लिखा है। जैसे- सुरतमंडन महावीरजिन स्तवन, शत्रुंजय आदिजिन स्तवन, अंतरीक्ष पार्श्वजिन स्तवन, महावीरजिन पंचकल्याणक स्तवन, जीवविचार गर्भित महावीरजिन स्तवन इस प्रकार लिखा है।

प्रतिलेखक ने यदि कृति संपूर्ण न लिखकर उसका कोई अध्याय विशेष ही लिखा हो तो ग्रंथ का नाम लिखकर उस अध्याय विशेष का उल्लेख नाम के अंत में - (डॅश) चिह्नपूर्वक किया गया है। जैसे- आचारांगसूत्र- द्वितीय श्रुतस्कंध, भगवतीसूत्र- शतक ४ से ८, सूत्रकृतांगसूत्र- २रा अध्ययन

यदि कृतिगत कोई अंशविशेष को ध्यान में रखकर प्रत लिखी गई हो, तो उस अंश का उल्लेख करने के बाद, अंत में जिस कृति को ध्यान में रखकर यह बात लिखी गई है, उसका उल्लेख किया गया है। जैसे- माघमासमाहात्म्य उत्तरखंडे।

प्रतों के डेटा में प्रत लिथो या मुद्रित प्रतीत होने पर '(मुद्रित)' इस प्रकार लिखकर उस ग्रंथ का नाम दिया गया है।

एक से ज्यादा कृतिपरिवार प्राप्त होने पर प्राप्त प्रथम अथवा मुख्य कृति को उल्लिखित कर अंत में 'आदि' लिखा गया है। जैसे- आचारांगसूत्र आदि। पद, स्तुति, स्तवन, स्तोत्र, प्रकरण आदि एकसमान कृतियों का संग्रह होने पर उसे दर्शाने हेतु अंत में 'संग्रह' भी दिया गया है।

संस्कृत, प्राकृत, अपभ्रंश भाषाबद्ध कृतियों का नाम संस्कृत में लिखा गया है। मारुगुर्जर, राजस्थानी आदि देशीभाषाबद्ध पद्य कृति होने पर उसका देशीभाषा वाला नाम ही लिखा है, परंतु देशीभाषाबद्ध गद्य कृति हेतु हिंदी में नाम लिखा गया है।

किसी प्रत में कृति पूर्ण होने पर ग्रंथनाम ही नहीं लिखा है, वहाँ पर ग्रंथ के विषय इत्यादि को देखते हुए यथोचित ग्रंथनाम दिया है।

ग्रंथ अपूर्ण होने पर अथवा उसका सही नाम पता न लगने पर विषय को ध्यान में रखते हुए उस विषय को ही ग्रंथनाम में निर्दिष्ट किया है। जैसे- अज्ञात ज्योतिष ग्रंथ इत्यादि।

स्तंभ-४ मूल कर्ता

इसमें मूल ग्रंथ के कर्ता का नाम दिया है। यह नाम हस्तप्रत में हो ऐसा आवश्यक नहीं है। ढूंढने में सरलता हो इसलिए नाम का उल्लेख मूलनाम (हेमचंद्र) →पदवी (सूरि) इस प्रकार दिया है। जरुरत पडने पर विशेष माहिती दर्शाते हुये विशेषण जैसे- क. स.= कलिकाल सर्वज्ञ, मल.= मलधारी इत्यादि। गच्छ आदि जानकारी '( )' कोष्ठक में लिखी है।

विद्वान नामों में पदवी के पर्यायवाची नाम न देकर प्रचलित नाम दिये हैं। जैसे- पाठक, वाचक, महोपाध्याय इत्यादि के स्थल पर उपाध्याय लिखा है।

जिन हस्तप्रतों में पितृ कृति (पेरंट) रहित मात्र अपत्य (चाईल्ड) कृति ही है वहाँ पर पेरंट कृति के कर्ता का नाम '( )' (कोष्ठक) में लिखा है। जैसे कल्पसूत्र वृत्ति नाम की प्रत मिलने पर उसमें कल्पसूत्रकार का नाम कर्ता स्तंभ में '(भद्रबाहुस्वामी)' इस प्रकार लिखा है।

कर्ता अथवा टीका कर्ता स्तंभ में जहाँ 'अज्ञात' लिखा है, वहाँ उस प्रत में कर्ता का नाम नहीं मिला है, अथवा प्रत अपूर्ण होने से कर्ता का नाम नहीं है, ऐसा समझना चाहिए। जिस कृति में कर्ता का नामोल्लेख हो, लेकिन हमें पता नहीं चला, वहां पर भी अज्ञात लिखा है।

स्तंभ-५ टीका कर्ता

मूलग्रंथ के वृत्तिकार, स्तबककार तथा बालावबोध आदि के कर्ताओं का नाम दिया गया है। यह नाम हस्तप्रत में हो, ऐसा आवश्यक नहीं है। एकाधिक कृतियों के कर्ता प्राप्त होने पर टबा., टी. इत्यादि स्वरूपसूचक संकेताक्षर सहित लिखी गई है। अन्य मूलग्रंथ कर्ता समान जानें।

स्तंभ-६ भाषा

कृति की संस्कृत, प्राकृत, मारुगुर्जर, राजस्थानी इत्यादि भाषाएँ इस स्तंभ में प्रदर्शित की हैं। एक ही कृति की एक से ज्यादा भाषा होने पर '+' पूर्वक एवं एक से ज्यादा कृतियों हेतु ',' (अल्पविराम) पूर्वक लिखा गया है। कई बार एक ही परिवार की एक से ज्यादा कृतियों की भाषा एकसमान होने पर भी, उसकी भिन्नता दर्शाने हेतु एक ही भाषा को एकाधिक बार लिखा गया है। जैसे- प्राकृत, मारुगुर्जर, मारुगुर्जर यहाँ पर टबार्थ एवं कथा दोनों कृतियों की भाषा मारुगुर्जर है इस प्रकार समझना होगा।

स्तंभ-७ पत्र संख्या

हस्तप्रत के वर्तमान में उपलब्ध कुल पत्रों की संख्या दी है।

स्तंभ-८ उपलब्ध पत्र क्रमांक

हस्तप्रत के उपलब्ध पत्रों में से प्रथम व अंतिम पत्र की संख्या दी गई है।

स्तंभ-९ पूर्णता

हस्तप्रत पूर्ण है या अपूर्ण इसकी जानकारी यहां पर दी गई है।

स्तंभ-१० लेखन-समय

इस स्तंभ में प्रत जिस वर्ष में लिखी गई हो, उसका अंक लिखा है। प्रत में सामान्य से विक्रम, वीर, शक, ईस्वीसन् इस प्रकार के संवत् प्राप्त होते हैं। कभी-कभी प्रांतविशेष या समुदायविशेष द्वारा लिखे हुए अन्य वर्ष प्रकार भी प्राप्त होते हैं।

जिन हस्तप्रतों में निश्चित लेखन-संवत् मिलता है, उसका निर्देश १८९४ इस प्रकार किया है। मूल, टबार्थ, टीका, बालावबोध आदि एक ही परिवार की एकाधिक कृति हेतु, भिन्न-भिन्न वर्ष मिलने पर मू. १८४६ टबा. १८४७, मू. १५४५ वृ. १५४७ इस प्रकार लिखा है। एक ही ग्रंथ में भिन्न-भिन्न कृति या एक ही कृति के भिन्न-भिन्न अध्याय अलग-अलग वर्षों में लिखे हुए होने पर, प्रतलेखन का प्रथम वर्ष व अंतिमवर्ष '-' चिह्नपूर्वक लिखा गया है। जैसे- १८५०-१८५५। वर्ष का स्पष्ट निर्देश न हो, किंतु वह प्रत कौनसी सदी में लिखी गई है, यह अनुमान से 'वीं' पूर्वक लिखा है। जैसे- १८वीं, १५वीं इत्यादि।

स्तंभ-११ विशेष नोंध

उपरोक्त स्तंभ में जिस जानकारी का समावेश नहीं हुआ, ऐसी आवश्यक विशेष माहिती इस स्तंभ में लिखी गई है। जैसे- विशेष पूर्णता रिमार्क, प्रतिलेखक द्वारा हस्तप्रत अपूर्ण है, हस्तप्रत संशोधित है या नहीं, त्रिपाठ, पंचपाठ, चित्र आदि, कृतिनाम संबंधी विशेष जानकारियाँ लिखी गई है।

स्तंभ-१२ विषय

कृति के मुख्य विषय की जानकारी इसमें दी है। विषय का वर्गीकरण **जैन साहित्य का बृहद् इतिहास** (प्रकाशक-पार्श्वनाथ विद्यासभा शोध संस्थान-वाराणसी, द्वितीय संस्करण, सन् १९८९) के आधार पर किया है। आगम, तत्त्वज्ञान, कर्मग्रंथ, उपदेश, स्तोत्र, स्तवन, कथा, चरित्र, व्याकरण, कोश, छंद, साहित्य, अलंकार, काव्य, ज्योतिष, नाट्य, संगीत, गणित, रमल, शकुन, सामुद्रिक, स्वप्न, आयुर्वेद, अर्थशास्त्र, नीति, शिल्प, रत्न, धातुविज्ञान, प्राणिविज्ञान आदि विषयों को चयन किया है।

मुद्रित सूचिपत्र में अनुक्रम, हस्तप्रत क्रमांक, ग्रंथनाम, मूल कर्ता, टीका कर्ता नाम, भाषा, कुल पत्र, उपलब्ध पत्र क्रमांक, पूर्णता, लेखन वर्ष, विशेष नोंध (रिमार्क) व विषयों की १२ स्तंभ दिये हैं।

परिशिष्ट

मुद्रित सूचिपत्र में आठ परिशिष्ट दिये गये हैं। कृति का वर्णानुक्रम, कर्ता का वर्णानुक्रम, टीका कर्ता का वर्णानुक्रम, भाषा, लेखन वर्ष, विषय, कृतिनाम-अपरनाम, अपरनाम-कृतिनाम की वर्गीकृत सूचि दी है। विशेष जानकारी के लिए विविध आलेख भी प्रस्तुत किये है।

प्रत्येक परिशिष्ट में मात्र जिस-जिस प्रत में उस विषय की माहिती है, उसी को लिया है। अतः प्रत्येक परिशिष्ट में उस सूचिपत्र की संपूर्ण प्रतसंख्या न होकर, मात्र माहितीवाली प्रत ही मिलेगी। संपूर्ण प्रतसंख्या हेतु मात्र अनुक्रमांक अनुसार सूचि का ही उपयोग करना चाहिए। इन परिशिष्टों में अनुपलब्ध हस्तप्रत (हस्तप्रत नहीं है), एकाधिक ग्रंथ संग्रह (एक से ज्यादा ग्रंथों का संग्रह), परचूरण पत्र संग्रह इत्यादि ग्रंथनाम वाली प्रत, जिनकी स्वतंत्र सही-सही जानकारी न होने से उनको निकालकर ही परिशिष्ट बनाये गये हैं।

यह सूचि, संशोधकों के लिए संशोधन-संपादन कार्य में उपयुक्त रही तो, हमारा प्रयत्न सफल होगा।

श्रुतभवन संशोधन केंद्र
पुणे

अनुक्रम

(१) कृति की अनुक्रम अनुसार सूचि.....१
(२) कृति की वर्णानुसार सूचि.....३२
(३) कृति के मूल कर्ता अनुसार सूचि.....४१
(४) कृति के टीका कर्ता अनुसार सूचि.....५३
(५) कृति की भाषा अनुसार सूचि.....५६
(६) हस्तप्रत की लेखन संवत् अनुसार सूचि.....६८
(७) कृति की विषय अनुसार सूचि.....७१
(८) कृतिनाम-अपरनाम अनुसार सूचि.....८३
(९) अपरनाम-कृतिनाम अनुसार सूचि.....८३
(१०) आलेख.....८५

संकेत सूचि

अ.-अपूर्ण	**कर्म.**-कर्मवाद	**ता.**-ताडपत्र	**मा.गु.**-मारुगुर्जर
अ.नं.-अनुक्रम नंबर	**कु.पत्र**-कुल पत्र	**पु.हिं.**-पुरानी हिंदी	**ले.वर्ष**-लेखन वर्ष
आ.-आगम	**चूलि.**-चूलिका	**पू.**-पूर्ण	**व्या.**व्याकरण
आयु.-आयुर्वेद	**जैने.**-जैनेतर	**पे.**-पेटा	**सं.**-संस्कृत
आव.-आवश्यक	**ज्यो.**-ज्योतिष	**प्रकी.**-प्रकीर्णक	**सुभा.**-सुभाषित
उप.-उपदेश	**डा.**-डाबडा	**प्रा.**-प्राकृत	**हस्तप्रत.क्र.**-हस्तप्रत क्रमांक
उप.पत्र-उपलब्ध पत्र क्रमांक	**तत्त्व.**-तत्त्वज्ञान	**म.**-मराठी	

सूचिपत्र : आवश्यकता और उपयोगिता

श्रुतभवन हस्तलिखित शास्त्रसंग्रह में वर्तमान पांडुलिपियों के संग्रह में अधिकतर प्रतियाँ पूज्य आचार्य श्री **देवचंद्रसागरसूरिजी** म.सा.की प्रेरणा से साध्वीजी श्री **हर्षरत्नाश्रीजी** म.सा., साध्वीजी श्री **दर्शरत्नाश्रीजी** म.सा. की प्रेरणा से उपलब्ध हुई है।

महाराष्ट्र में अकोला के पास बालापुर गाव में अच्छा हस्तलिखित संग्रह था। सुरक्षा के कारण उसे बालापुर संघने अन्य संस्था को प्रदान किया। बालापुर के **अभय लालचंद शहा-** जो उपर कहे हुए साध्वीजी भगवंत के पिताजी है- के घर बहुत साल से आठ-दस बक्से में पुरानी किताबे और हस्तलिखिते पडी थी। उन्होंने इस अमूल्य संग्रह को श्रुतभवन को सौंपा। इस संग्रह में अतिप्राचीन और बडी हस्तप्रत नहीं है। अधिकतर छोटी-छोटी प्रतों में स्तवन, प्रकरण आदि कृतियाँ मिलती है। हस्तप्रतो के खुले पन्नो को तांबे की स्टेपलर पिन लगाई गई थी। यहां पर उसे बहुत संभाल के, पत्र फट न जाए इसका खयाल रखकर निकाला गया और अच्छी तरह से पोथी में सुरक्षित रखा गया।

इस संग्रह में केवल पांचसौ हस्तप्रत है। इसलिए यह बहुत ही छोटा संग्रह है। फिर भी इसमें कुछ विशिष्ट प्रतियाँ है जैसे मराठी भाषा में पुराण की प्रतियां है। गुजराती-मोडी भाषा में लिखित हस्तप्रतियाँ है। अप्रकट स्तवनादि कृतिओं का संग्रह होने की संभावना है।

हस्तलिखितों में निहित शाश्वतज्ञान योग्य विद्वानों को उपलब्ध हो यही इसके प्रकाशन का हेतु है। आज भारत वर्ष में जैन संघ के उत्तरदायित्व में चारसौ से अधिक हस्तलिखित शास्त्रसंग्रह है। बहुत सारे भंडार सुरक्षा के अभाव में या उपेक्षा के कारण नष्ट हो गए है। व्यवस्थापको ने अज्ञान वश बहुत भंडारों को विसर्जित किया। जो बचे है वह भी व्यवस्थित नहीं है। उनके सूचिपत्र उपलब्ध नहीं है, है तो अव्यवस्थित अपूर्ण और अधूरे है। सांप्रदायिक और संकुचित मनोदशा के कारण सूचिपत्र अथवा हस्तप्रतों की कॉपी भी मिलती नहीं है। इसलिए इतनी मेहनत से लिखा हुआ ज्ञान बिना वजह नष्ट हो जाता है। बहुत सारे विद्वान महात्मा हस्तलिखितों का संपादन और संशोधन करना चाहते हैं किंतु सूचिपत्र के अभाव में उन्हें सही माहिती उपलब्ध नहीं होती। इस समस्या का यही समाधान है कि हरेक संस्था अपने संग्रह का शुद्ध, संपूर्ण और उपयुक्त सूचिपत्र बनाकर प्रकाशित करें।

सूचिपत्र प्रकाशित करने से हस्तप्रतों का दस्तावेजीकरण हो जाता है। यह भविष्य के लिए अति उपयोगी संदर्भ सामग्री बन जाती है।

सूचिपत्र प्रगट करने से छह महान लाभ है।

१) सूचिपत्र प्रकाशित करने से संशोधक महात्मा एवं विद्वानों को हस्तप्रत की माहिती उपलब्ध होती है। संशोधक को हस्तप्रत उपलब्ध कराने से ज्ञानका बहुत ही विशेष लाभ मिलता है।

२) आज तक अप्रगट शास्त्र पहली बार प्रगट होते है।

३) प्रगट आवृत्ति में अशुद्धियां रह गई हो तो दूर होती है।

४) अनेक प्राचीन संदर्भ उजागर होते हैं।

५) पूज्य महात्माओं को ज्ञान दान में सहाय करना बडी पुण्य की बात है।

६) उससे विपुल प्रमाण में ज्ञानावरण कर्म की निर्जरा होती है।

आज बडी बडी सरकारी संस्थाओं में जैन हस्तप्रत है। उनके अच्छे विवरणात्मक सूचिपत्र उपलब्ध है। उसके कारण वहां से हस्तप्रतियां मिलनी आसान होती है। श्री जैसलमेर जैन ज्ञानभंडार (७३८४), श्री हेमचंद्राचार्य ज्ञानमंदिर, पाटण (२३६०१), लालभाई दलपतभाई संस्कृति विद्या मंदिर (१ लाख हस्तप्रत), आ.श्री कैलास सागरसूरि ज्ञानमंदिर, कोबा (२ लाख हस्तप्रत), श्री रंग-कनक-विमल ज्ञानमंदिर मालवाडा (११३१) जैसी जैन संस्थाओं के सूचिपत्र उपलब्ध है। परंतु श्री संघ हस्तक संस्थाओं के सूचिपत्र प्रकाशित नहीं है। अधिकांश संघ कें हस्तप्रतो का व्यवस्थित सूचिपत्र नहीं बना है। कुछ संस्थाओं ने तैयार किया है परंतु उस में सूचिकरण के नियमों का (Cataloguing) पालन नहीं किया गया है और उसकी एक ही प्रति उस संघ में किसी एक ट्रस्टी के पास रहती है। जो कभी समय पर उपलब्ध नहीं होती।

हमारी प्राचीन ज्ञानसंपदा

पिछले १०० वर्ष में हमारे जिनमंदिरों के जीर्णोद्धार संपन्न हुए है। परंतु हमारी ७०० से अधिक भंडार ८० लाख हस्तप्रतें नष्ट हो गई है। बची २० लाख हस्तप्रत संपदा और ज्ञानमंदिरों का जीर्णोद्धार करना अभी भी शेष है। सुरक्षा के अभाव में हमारी ज्ञानसंपदा नष्ट हो रही है। उसे बचाने के लिए हमे आज ठोस कदम उठाने होंगे। अन्यथा यह विरासत भी कालशेष हो जाएगी।

आप सोचिए दुकान में बहुत सारा माल पडा हुआ है। लेकिन उसका स्टोक रजिस्टर नहीं किया जाता। कौन-सा माल कहां है। कितना है? कैसा है? इन बातों का किसी को पता न हो तो क्या होगा? पहले तो कोइ ग्राहक आएगा तो मिलेगा नहीं। ग्राहक दूसरी दुकान पे चला जाएगा। धंधे का नुकसान। दो, वह माल वहां पडा पडा सड जाएगा। मुनाफे मिलकत का नुकसान। तीन, अगर वहां से चोरी हो गया तो पता नहीं चलेगा। इन सभी बांतो का परिणाम यह होगा कि धंधा घाटे में जाएगा। दुकान में स्टोक मेन्टेन न करने से जो नुकसान होते है वही नुकसान हस्तप्रतों के सूचिपत्र नहीं बनाने से होते है। सूचिपत्र भगवान नें दिए हुए रत्नों का स्टोक रजिस्टर है। दुकान में माल खराब हो जाए या खत्म हो जाए तो नया बन सकता है लेकिन एक हस्तप्रत भंडार खत्म हो जाएं तो वापस नहीं बनता। १३ फरवरी २०१३ के दिन आचार्य **श्रीहर्षसागरसूरिजी** महाराज ने संघार्पण समारोह में कहा था-

एक जिनालय या एक मूर्ति नष्ट हो जाएं तो वह नयी बन सकती है, किंतु एक शास्त्र नष्ट हो जाएं तो व नया नहीं बन सकता। उसे वापस बनाने वाला इस दुनिया में कोई नहीं है।

सूचिपत्र हस्तप्रतों की सुरक्षा के लिए अति आवश्यक है।

एक सोचने जैसी बात है। हमारे पूर्वाचार्यों ने लाखो की संख्या में प्रतें स्वयं लिखी और लिखवाई, क्योंकि आनेवाली पीढी उसे पढकर अपना ज्ञान निर्मल कर सकें। इन्हें तिजोरी में ताला लगाकर बंद रखने के लिए नहीं लिखा गया है। ये हीरे-जवाहरात नहीं, यह जीवंत ज्ञान है और ज्ञान तभी जीवंत रहता है जब वह पडा जाता है। बीज तिजोरी में नहीं धरती में जीवंत रहता है। श्रुतज्ञान भंडारो में नहीं महाराज साहब के मस्तिष्क में जीवंत रहता है। हमारा कर्तव्य है कि यह विरासत उस के सही अधिकारी गुरु भगवंत तक पहुंचे। अगर हम यह नहीं कर रहे है तो शायद हम तीर्थंकरो का, पूरी आचार्य परंपरा और श्रुत परंपरा का द्रोह कर रहे है। यह ज्ञान संपदा हर एक अधिकारी गुरु भगवंत तक पहुंचे इसलिए सूचिपत्रों का मुद्रण होना जरुरी है।

सार रूप में यह कहा जा सकता है कि श्रुत संपदा की रक्षा के लिए तीन प्राथमिक कार्य अति आवश्यक है।

१) श्रुतसंपदा (हस्तप्रत) की सुरक्षा का प्रबंध।

२) श्रुतसंपदा का सूचिकरण

३) श्रुतसंपदा की सूचि का प्रकाशन

श्रुतभवन पिछले दस वर्ष से इस क्षेत्र में कार्यरत है। श्रुतभवन के माध्यम से आज तक लगभग ५० हस्तप्रत भंडारों की ६०,००० डिजिटाज्ड हस्तप्रतों का सूचिपत्र बन चुका हैं। श्रुतभवन ने २०० मुद्रित और २०० अमुद्रित सूचिपत्रों का संग्रह किया है। इन सूचिपत्रों में करीबन ३ लाख हस्तप्रतों की माहिती उपलब्ध है। श्रुतभवन चाहता है कि यह माहिती सभी अधिकारी गुरुभगवंतो को आसानी से उपलब्ध हो। सूचिपत्र बनाने के लिए हस्तप्रतों की Scan Copy आवश्यक होती है। Scan करने का सब से बडा फायदा यह हो कि यदि किसी कारणवश मूल प्रति नष्ट भी हो जाएं तो उसमें लिखा हुआ ज्ञान जीवित रहता है। आदान-प्रदान में सुविधा होती है। हस्तप्रत को बिना नुकसान किये हुए कार्य कर सकते है। स्केन कोपी के आधार पर सूचिपत्र बनाना आसान होता है। श्रुतभवन द्वारा निर्मित सूचिपत्रों में निष्णात पंडितजी द्वारा एंट्री की जाती है। माहिती में युनिफोर्मलिटी होती है। माहिती सटीक होती है और अलग अलग सात प्रकार से Search करने की सुविधा होती है। इस प्रकार से मुद्रित सूचिपत्र अधिकारी गुरु भगवंत को अति सहायक साबित होते है।

श्रमण प्रधान सकल श्री संघ से हमारा विनम्र अनुरोध है कि-

१) यदि आप किसी भी हस्तलिखित ज्ञानभंडार के विषय में जानकारी रखते हो तो कृपया हमें अवगत कराएं।

२) श्री संघ को हस्तलिखित प्रतों की महत्ता समझाकर सुरक्षित करने का प्रबंध करने की प्रेरणा करें।

३) यदि हस्तप्रत संग्रह का सूचिपत्र नहीं है अथवा सुयोग्य एवं उपयोगी नही है तो उस का सूचिपत्र निर्माण करने का लाभ श्रुतभवन को अवश्य दें।

४) सभी संघ को सूचिपत्र बनाने की प्रेरणा करे।

(१)

कृति की अनुक्रम अनुसार सूचि

अ.नं.	हस्तप्रत क्र.	ग्रंथनाम	मूल कर्ता	टीका कर्ता	भाषा	कु.पत्र	उप.पत्र	पू./अ.	ले.वर्ष	रिमार्क	विषय
१	०००१	गति-आगति बोल आदि	अज्ञात		मा.गु.	९	१-९	पू.	१८८०		तत्त्व.
२	०००२	चोवीसजिन गर्भकालमान यंत्र	अज्ञात		मा.गु.	१	१	पू.		कोष्टक कृति।	तत्त्व.
३	०००३	चोवीसजिन मातापितादि नाम वर्णन	अज्ञात		मा.गु.	३	१-३	पू.		कोष्टक कृति।	तत्त्व.
४	०००४	चतुर्विंशतिजिन नमस्कार	अज्ञात		सं.	१	१	पू.			स्तोत्र
५	०००५	चोवीसजिन कल्याणक तिथि	अज्ञात		मा.गु.	१	१	पू.			तत्त्व.
६	०००६	चोवीसजिन आयुमान	अज्ञात		मा.गु.	१	१	पू.		कोष्टक कृति।	तत्त्व.
७	०००७	समकित विचार	अज्ञात		मा.गु.	१	१	पू.	१८८७		तत्त्व.
८	०००८	पाक्षिक अतिचार	अज्ञात		प्रा.+मा.गु.	८	१-८	पू.			आचार
९	०००९	श्राविका अतिचार	अज्ञात		प्रा.+मा.गु.	४	१-४	पू.			आचार
१०	००१०	पुण्य कुलक सह टबार्थ आदि	अज्ञात	अज्ञात	प्रा., मा.गु.	४	१-४	पू.			उप.
११	००१०/पे.१	पुण्य कुलक सह टबार्थ	अज्ञात	अज्ञात	प्रा., मा.गु.		१अ-२अ	पू.			उप.
१२	००१०/पे.२	गौतम कुलक सह टबार्थ	गौतम ऋषि	अज्ञात	प्रा., मा.गु.		२अ-४ब	पू.			उप.
१३	००११	संथारा विधि	अज्ञात		प्रा.	२	१-२	पू.			आ. आव.
१४	००१२	सिद्ध पंचदश भेद आदि	अज्ञात		मा.गु.	१	१	पू.			तत्त्व.
१५	००१३	धन्ना-शालिभद्र सज्झाय	सहजसुंदर		मा.गु.	१	१	पू.			उप.
१६	००१४	भरतराजेश्वर सज्झाय आदि	इंद्र ऋषि शिष्य		मा.गु.	१	१	पू.			उप.
१७	००१४/पे.१	भरतराजेश्वर सज्झाय	इंद्र ऋषि शिष्य		मा.गु.		१अ-१अ	पू.			उप.
१८	००१४/पे.२	अइमुत्ता सज्झाय	काह्न		मा.गु.		१अ-१ब	पू.			उप.
१९	००१५	सुदर्शनसेठ सज्झाय	प्रेम मुनि		मा.गु.	१	१	पू.			उप.
२०	००१६	सप्तबंधव सज्झाय	कवियण		मा.गु.	१	१	पू.			उप.
२१	००१७	सुभाषित	अज्ञात		सं.	१	१	पू.			सुभा.

अ.नं.	हस्तप्रत क्र.	ग्रंथनाम	मूल कर्ता	टीका कर्ता	भाषा	कु.पत्र	उप.पत्र	पू./अ.	ले.वर्ष	रिमार्क	विषय
२२	००१८	विक्रमसेन-लीलावती रास	परमसागर कवि		मा.गु.	२९	१-२९	पू.	१७६४		कथा
२३	००१९	सम्यक्त्व गाथा	गणधर		प्रा.	१	१	पू.			आ. आव.
२४	००२०	चतु:शरण प्रकीर्णक	वीरभद्र गणी		प्रा.	३	१-३	पू.		संशोधित, पदच्छेद चिह्न है।	आ. प्रकी.
२५	००२१	अढार नातरा गीत आदि	अज्ञात		मा.गु.	४	१-४	पू.			कथा
२६	००२१/पे.१	अढार नातरा गीत	अज्ञात		मा.गु.		१अ-४अ	पू.		जंबूस्वामी चरित्रे।	कथा
२७	००२१/पे.२	नववाड गीत	अजितदेवसूरि		मा.गु.		४अ-४ब	पू.			उप.
२८	००२२	कल्याणमंदिर स्तोत्र	सिद्धसेनदिवाकरसूरि		सं.	५	१-५	पू.			स्तोत्र
२९	००२३	सप्तव्यसन सज्झाय	गुणसागर		मा.गु.	१	१	पू.			उप.
३०	००२४	मिच्छा मि दुक्कडं सज्झाय	नयविजय उपा. शिष्य		मा.गु.	२	१-२	पू.			उप.
३१	००२५	संग्रहणीसूत्र (लघु) सह टबार्थ	हरिभद्रसूरि	अज्ञात	प्रा., मा.गु.	४	१-४	पू.	१७३७		तत्त्व.
३२	००२६	कल्याणमंदिर स्तोत्र आदि	सिद्धसेनदिवाकरसूरि		सं.	३	१-३	पू.	१८३८		स्तोत्र
३३	००२६/पे.१	कल्याणमंदिर स्तोत्र	सिद्धसेनदिवाकरसूरि		सं.		१अ-३अ	पू.			स्तोत्र
३४	००२६/पे.२	गौतमस्वामी सज्झाय	मेघराज मुनि		मा.गु.		३ब-३ब	पू.			उप.
३५	००२७	मौनएकादशी एक सौ पच्चास कल्याणक टिप	अज्ञात		मा.गु.	१	१	पू.			विधि
३६	००२८	दसश्रावकनामादि विवरण	अज्ञात		मा.गु.	१	१	पू.			तत्त्व.
३७	००२९	मौनएकादशी गणणुं	अज्ञात		मा.गु.	१	१	पू.			विधि
३८	००३०	वैराग्य आत्मा सज्झाय	श्रीसार		मा.गु.	५	१-५	पू.			उप.
३९	००३१	नवकार सज्झाय आदि	अज्ञात		मा.गु.	१	१	पू.		अंत में नेमिजन स्तवन है।	उप.
४०	००३१/पे.१	नवकार सज्झाय	अज्ञात		मा.गु.		१अ-१अ	पू.			उप.
४१	००३१/पे.२	गौतमस्वामी सज्झाय	लावण्यसमय		मा.गु.		१अ-१ब	पू.			उप.
४२	००३२	अष्टमी स्तुति आदि	नयविमल		मा.गु.	१	१	पू.			स्तवन

अ.नं.	हस्तप्रत क्र.	ग्रंथनाम	मूल कर्ता	टीका कर्ता	भाषा	कु.पत्र	उप.पत्र	पू./अ.	ले.वर्ष	रिमार्क	विषय
४३	००३२/पे.१	अष्टमी स्तुति	नयविमल		मा.गु.		१अ-१अ	पू.			स्तवन
४४	००३२/पे.२	पंचमी स्तुति	अज्ञात		सं.		१अ-१ब	पू.			स्तोत्र
४५	००३३	साधारणजिन चैत्यवंदन आदि	राम		मा.गु.	१	१	पू.			स्तवन
४६	००३३/पे.१	साधारणजिन चैत्यवंदन	राम		मा.गु.		१अ-१अ	पू.			स्तवन
४७	००३३/पे.२	पर्युषणा स्तुति	संतोषी		मा.गु.		१ब-१ब	पू.			स्तवन
४८	००३४	पार्श्वजिन स्तवन	अज्ञात		मा.गु.	१	१	पू.			स्तवन
४९	००३५	वीरजिन स्तुति	समयसुंदर उपा.		मा.गु.	१	१	पू.			स्तवन
५०	००३६	श्रीपाल रास	ज्ञानसागर		मा.गु.	१२	१-१२	पू.			कथा
५१	००३७	चोसठ बोल सीखामण सज्झाय	लक्ष्मीकल्लोल पं.		मा.गु.	१	१	पू.	१९३०		उप.
५२	००३८	श्रावक करणी सज्झाय	अज्ञात		मा.गु.	१	१	पू.			उप.
५३	००३९	श्रावक सज्झाय	काह्नजी गणी		मा.गु.	१	१	पू.			उप.
५४	००४०	गर्भवेली सज्झाय	अज्ञात		मा.गु.	१	१	पू.			उप.
५५	००४१	शियल सज्झाय	तेजसिंह		मा.गु.	१	१	पू.			उप.
५६	००४२	धर्म-अर्थ-काम अध्ययन सज्झाय आदि	कमलहर्ष उपा.		मा.गु.	२	१-२	पू.			उप.
५७	००४३	स्थुलिभद्र चरित्र	अज्ञात		मा.गु.	१	१	पू.			कथा
५८	००४४	इलापुत्र सज्झाय	अज्ञात		मा.गु.	१	१	पू.		अंत में अज्ञात कृति प्रतिलेखकद्वारा अपूर्ण।	उप.
५९	००४५	विजयसेठ-विजयासेठाणी सज्झाय	अज्ञात		मा.गु.	१	१	पू.			उप.
६०	००४६	दशार्णभद्र सज्झाय	धर्म मुनि		मा.गु.	२	१-२	पू.			उप.
६१	००४७	मेतार्य ऋषि सज्झाय	रामविजय		मा.गु.	१	१	पू.			उप.
६२	००४८	धन्ना मुनि सज्झाय	तेज मुनि		मा.गु.	२	१-२	पू.			उप.
६३	००४९	विजयसेठ सज्झाय आदि	हर्षकीर्तिसूरि		मा.गु.	२	१-२	पू.		शीलविषये।	उप.

अ.नं.	हस्तप्रत क्र.	ग्रंथनाम	मूल कर्ता	टीका कर्ता	भाषा	कु.पत्र	उप.पत्र	पू./अ.	ले.वर्ष	रिमार्क	विषय
६४	००५०	धन्ना सज्झाय आदि	अज्ञात		मा.गु.	१	१	पू.			उप.
६५	००५०/पे.१	धन्ना सज्झाय	अज्ञात		मा.गु.		१अ-१ब	पू.			उप.
६६	००५०/पे.२	धन्ना सज्झाय	संघो		मा.गु.		१ब-१ब	पू.			उप.
६७	००५१	शालिभद्र महामुनि सज्झाय आदि	समयसुंदर उपा.		मा.गु.	१	१	पू.	१७५७		उप.
६८	००५२	जंबूस्वामी सज्झाय आदि	शिवचंद		मा.गु.	१	१	पू.			उप.
६९	००५२/पे.१	जंबूस्वामी सज्झाय	शिवचंद		मा.गु.		१अ-१अ	पू.			उप.
७०	००५२/पे.२	सामायिक सज्झाय	लालचंद ऋषि		मा.गु.		१अ-१ब	पू.			उप.
७१	००५३	चित्रसंभूति सज्झाय	कवियण		मा.गु.	२	१-२	पू.			उप.
७२	००५४	ज्योतिष चक्र	अज्ञात		मा.गु.	१८	१-१८	पू.	१८८०		तत्त्व.
७३	००५५	परनिंदा सज्झाय	हेमविजय		मा.गु.	१	१	पू.			उप.
७४	००५६	उपदेशक सज्झाय आदि	सेवक		मा.गु.	१	१	पू.			उप.
७५	००५६/पे.१	उपदेशक सज्झाय	सेवक		मा.गु.		१अ-१अ	पू.			उप.
७६	००५६/पे.२	शांतिजिन भास	देव मुनि		मा.गु.		१ब-१ब	पू.			स्तवन
७७	००५७	अढार नातरा सज्झाय	अज्ञात		मा.गु.	१	१	पू.			उप.
७८	००५८	उपदेशक पद	भूधर		मा.गु.	१	१	पू.			उप.
७९	००५९	नारचंद्र ज्योतिष सह टिप्पण	नरचंद्रसूरि	अज्ञात	सं., मा.गु.	३३	१-३३	पू.			ज्यो.
८०	००६०	आवश्यक फल गाथा	अज्ञात		प्रा.+मा.गु.	२	१-२	पू.	१८०५		उप.
८१	००६१	विहरमानजिन स्तवन	यशोविजय उपा.		मा.गु.	९	१-९	पू.			स्तवन
८२	००६२	नमिराजा गीत	वीरविजय पं.		मा.गु.	३	१-३	पू.			कथा
८३	००६३	नमिराजा चोपाई	वीरविजय पं.		मा.गु.	५	१-५	पू.			कथा
८४	००६४	नव अंग पूजा दुहा	वीरविजय पं.		मा.गु.	१	१	पू.			स्तवन

अ.नं.	हस्तप्रत क्र.	ग्रंथनाम	मूल कर्ता	टीका कर्ता	भाषा	कु.पत्र	उप.पत्र	पू./अ.	ले.वर्ष	रिमार्क	विषय
८५	००६५	समकित शील रास	आनंदसूरि		मा.गु.	४	१-४	पू.			उप.
८६	००६६	पार्श्वजिन निशानी	जिनहर्ष		मा.गु.	४	१-४	पू.			स्तवन
८७	००६७	तमाकु परिहार सज्झाय	आनंद मुनि		मा.गु.	१	१	पू.			उप.
८८	००६८	उपशम सज्झाय	धन्यविजय		मा.गु.	१	१	पू.			उप.
८९	००६९	परमानंदबत्रीसी	अज्ञात		सं.	१	१	पू.			उप.
९०	००७०	कल्याणमंदिर स्तवन सह अवचूरि	सिद्धसेनदिवाकरसूरि	अज्ञात	सं., मा.गु.	८	१-८	पू.		पंचपाठ।	स्तोत्र
९१	००७१	सामायिक दोष गाथा सह टबार्थ	अज्ञात	अज्ञात	प्रा., मा.गु.	१	१	पू.			आचार
९२	००७२	मानतुंग-मानवती रास	मोहनविजय		मा.गु.	५६	१-५५	पू.	१९३३		कथा
९३	००७३	सूत्रकृतांगसूत्र सह दीपिकाटीका-श्रुतस्कंध द्वितीय	सुधर्मास्वामी	हर्षकुल पं.	प्रा., सं.	८३	१-८३	पू.		प्रशस्ति अपूर्ण।	आ. अंग
९४	००७४	हंसराज-वत्सराज चोपाई	जिनोदयसूरि		मा.गु.	३८	१-३९	पू.	१९११		कथा
९५	००७५	गहुंली	अज्ञात		मा.गु.	१	१	पू.			स्तवन
९६	००७६	होरी संग्रह	अज्ञात		मा.गु.	१	१	पू.			स्तवन
९७	००७७	मनुष्यभवदुर्लभता दृष्टांत सह टबार्थ	अज्ञात	अज्ञात	सं., मा.गु.	१	१	पू.			स्तोत्र
९८	००७८	पच्चक्खाण फल सज्झाय	अज्ञात		मा.गु.	१	१	पू.			उप.
९९	००७९	सर्वार्थसिद्ध सज्झाय	जिनहर्ष		मा.गु.	१	१	पू.			उप.
१००	००८०	सनत्कुमार चक्रवर्ती रास	पुण्यरत्नसूरि		मा.गु.	१९	१-१९	पू.			कथा
१०१	००८१	आठ कर्म एक सौ अट्ठावन प्रकृति विवरण	अज्ञात		मा.गु.	७	१-७	पू.			कर्म.
१०२	००८२	आर्यदेशनाम आलापक सह टबार्थ	गणधर	अज्ञात	प्रा., मा.गु.	१	१	पू.			आ.
१०३	००८३	पद संग्रह	अज्ञात		मा.गु.	१	१	पू.			उप.
१०४	००८४	गुणरत्नाकर छंद	सहजसुंदर		सं.	१६	१-१६	पू.	१७१६		कथा
१०५	००८५	कल्पसूत्र सह टबार्थ	भद्रबाहुस्वामी	अज्ञात	प्रा., मा.गु.	१३०	१-१३०	पू.	१९०५	टबा. पत्र क्र.६ब पर्यंत।	आ.

अ.नं.	हस्तप्रत क्र.	ग्रंथनाम	मूल कर्ता	टीका कर्ता	भाषा	कु.पत्र	उप.पत्र	पू./अ.	ले.वर्ष	रिमार्क	विषय
१०६	००८६	लुंपाक चोपाई	अज्ञात		मा.गु.	२	१-२	पू.			चर्चा
१०७	००८७	शियलवेल सज्झाय	वीरविजय		मा.गु.	१०	१-१०	पू.			उप.
१०८	००८८	चौदह नियम गाथा सह अर्थ	अज्ञात	अज्ञात	प्रा., मा.गु.	१	१	पू.			आचार
१०९	००८९	रत्नमणिचूड रास	अमरसागर		मा.गु.	१११	१-११०	पू.			कथा
११०	००९०	पद संग्रह	अज्ञात		मा.गु.	१	१	पू.			उप.
१११	००९१	साधु अतिचार	अज्ञात		प्रा.	३	१-३	पू.			आचार
११२	००९२	राज्यमानि सज्झाय	आनंदविजय		मा.गु.	१	१	पू.			उप.
११३	००९३	महावीरजिन स्तवन सह टबार्थ	अभयसूरि	अज्ञात	प्रा., मा.गु.	२	१-२	पू.			स्तोत्र
११४	००९४	कठियारा सज्झाय	गुणविजय		मा.गु.	१	१	पू.	१७५८		उप.
११५	००९५	मेघकुमार सज्झाय	देवसूरि		मा.गु.	१	१	पू.			उप.
११६	००९६	महावीरजिन विनति आदि	समयसुंदर उपा.		मा.गु.	२	१-२	पू.			स्तवन
११७	००९६/पे.१	महावीरजिन विनति	समयसुंदर उपा.		मा.गु.		१अ-२अ	पू.			स्तवन
११८	००९६/पे.२	अरणिक साधु सज्झाय	रूपविजय		मा.गु.		२अ-२ब	पू.			उप.
११९	००९७	हीरविजयसूरि सज्झाय आदि	आनंदहर्ष		मा.गु.	१	१	पू.			उप.
१२०	००९७/पे.१	हीरविजयसूरि सज्झाय	आनंदहर्ष		मा.गु.		१अ-१ब	पू.			उप.
१२१	००९७/पे.२	अजितजिन स्तुति	अज्ञात		मा.गु.		१ब-१ब	पू.			स्तवन
१२२	००९८	नेमि-राजुल सज्झाय	रूपचंद		मा.गु.	१	१	पू.			उप.
१२३	००९९	शक्र स्तव बालावबोध	अज्ञात		मा.गु.	४	१-४	पू.			आ. आव.
१२४	०१००	आराधना प्रकरण सह टबार्थ	सोमसूरि	अज्ञात	प्रा., मा.गु.	७	१-७	पू.			आ. प्रकी.
१२५	०१०१	हरिणी छंद काव्य	अज्ञात		सं.	२	१-२	पू.			काव्य
१२६	०१०२	पार्श्वजिन स्तवन (शंखेश्वर)	लब्धिरुचि		मा.गु.	२	१-२	पू.			स्तवन

अ.नं.	हस्तप्रत क्र.	ग्रंथनाम	मूल कर्ता	टीका कर्ता	भाषा	कु.पत्र	उप.पत्र	पू./अ.	ले.वर्ष	रिमार्क	विषय
१२७	०१०३	जिनराज विनति	सकलचंद		मा.गु.	१	१	पू.			स्तवन
१२८	०१०४	पार्श्वजिन स्तवन	प्रीतिविमल		मा.गु.	१	१	पू.			स्तवन
१२९	०१०५	पार्श्वजिन स्तवन (अंतरीक्ष)	देवसुंदर		मा.गु.	१	१	पू.			स्तवन
१३०	०१०६	वीर स्तुति	देववाचक		प्रा.	१	१	पू.		नंदीसूत्र की अंश कृति, गा.२२ पर्यंत।	आ. चूलि.
१३१	०१०७	शांतिकर स्तोत्र	मुनिसुंदरसूरि		प्रा.	१	१	पू.			स्तोत्र
१३२	०१०८	लघुशांति	मानदेवसूरि		सं.	१	१	पू.			स्तोत्र
१३३	०१०९	कल्पसूत्र वाचना विधि सह टबार्थ	अज्ञात	अज्ञात	प्रा.+सं., मा.गु.	१५	१-१५	पू.			आ.
१३४	०११०	केशवजी भास आदि	देव मुनि		मा.गु.	१	१	पू.			स्तवन
१३५	०११०/पे.१	केशवजी भास	देव मुनि		मा.गु.		१अ-१अ	पू.			स्तवन
१३६	०११०/पे.२	केशवजी भास	देव मुनि		मा.गु.		१अ-१ब	पू.			स्तवन
१३७	०१११	आवश्यकसूत्र सह बालावबोध	गणधर	अज्ञात	प्रा., मा.गु.	२०	१-२०	पू.		पंचपाठ।	आ. मूल
१३८	०११२	नव अंग पूजा दुहा	वीरविजय पं.		मा.गु.	१	१	पू.			स्तवन
१३९	०११३	रूपसिंह आचार्य रास	केशव कवि		मा.गु.	२	१-२	पू.	१६९३		कथा
१४०	०११४	होरी पद संग्रह	अज्ञात		मा.गु.	१	१	पू.			स्तवन
१४१	०११५	वेतालपच्चीसी कथा	अज्ञात		म.	१५०		पू.		उप.पत्र क्र.१-२६, १-३, १-८, १-७, १-४, १-४, १-४, १-६, १-६, १-८, १-४, १-४, १-६, १-४, १-४, १-४, १-६, १-६, १-३, १-४, १-४, १-५, १-५, १-३, १-४, १-८	कथा
१४२	०११६	चोतीस अतिशय विचार	अज्ञात		मा.गु.	६	१-६	पू.	१७५९		तत्त्व.
१४३	०११७	सुमतिजिन स्तवन (चोतीस अतिशय विचार गर्भित)	ज्ञानसागर मुनि		मा.गु.	१	१	पू.			स्तवन
१४४	०११८	गौतमस्वामी सज्झाय	विजयभद्र		मा.गु.	६	१-६	पू.			उप.

अ.नं.	हस्तप्रत क्र.	ग्रंथनाम	मूल कर्ता	टीका कर्ता	भाषा	कु.पत्र	उप.पत्र	पू./अ.	ले.वर्ष	रिमार्क	विषय
१४५	०११९	धर्म सज्झाय	उदयरुचि		मा.गु.	२	१-२	पू.	१७८४		उप.
१४६	०१२०	जिनपूजा फल सज्झाय	मान कवि		मा.गु.	१	१	पू.			उप.
१४७	०१२१	यौवनपच्चीसी	रायचंद ऋषि		मा.गु.	२	१-२	पू.			उप.
१४८	०१२२	एकादशी माहात्म्य सज्झाय	लक्ष्मीचंद मुनि		मा.गु.	१	१	पू.			उप.
१४९	०१२३	तृष्णा सज्झाय	अज्ञात		मा.गु.	१	१	पू.			उप.
१५०	०१२४	छह व्रत सज्झाय आदि	कांतिविजय		मा.गु.	३	१-३	पू.			उप.
१५१	०१२५	काया-जीव संवाद आदि	अज्ञात		मा.गु.	१	१	पू.			उप.
१५२	०१२५/पे.१	काया-जीव संवाद	अज्ञात		मा.गु.		१अ-१अ	पू.			उप.
१५३	०१२५/पे.२	काया-जीव संवाद सज्झाय	अज्ञात		मा.गु.		१अ-१ब	पू.			उप.
१५४	०१२६	सात व्यसन सज्झाय आदि	जयरंग		मा.गु.	२	१-२	पू.			उप.
१५५	०१२७	सूत्रकृतांगसूत्र-अध्ययन ६वां	सुधर्मास्वामी		प्रा.	२	१-२	पू.		अंत में स्तुति है।	आ. अंग
१५६	०१२८	सूत्रकृतांगसूत्र-अध्ययन ६वां आदि	सुधर्मास्वामी		प्रा.	२	१-२	पू.	१७९७		आ. अंग
१५७	०१२८/पे.१	सूत्रकृतांगसूत्र-अध्ययन ६वां	सुधर्मास्वामी		प्रा.		१अ-२अ	पू.			आ. अंग
१५८	०१२८/पे.२	गुरुगुण गहुंली	अज्ञात		मिश्र पंजाबी		२अ-२ब	पू.			उप.
१५९	०१२९	संगीत स्तुति आदि	अज्ञात		मा.गु.	१	१	पू.			स्तवन
१६०	०१२९/पे.१	संगीत स्तुति	अज्ञात		मा.गु.		१अ-१ब	पू.			स्तवन
१६१	०१२९/पे.२	गजसुकुमाल सज्झाय	नथमल		मा.गु.		१ब-१ब	पू.			उप.
१६२	०१३०	आशकुंवर सज्झाय आदि	जीवराज ऋषि		मा.गु.	१	१	पू.			उप.
१६३	०१३०/पे.१	आशकुंवर सज्झाय	जीवराज ऋषि		मा.गु.		१अ-१अ	पू.		पदच्छेद चिह्न है।	उप.
१६४	०१३०/पे.२	दीवाली सज्झाय	जीवराज ऋषि		मा.गु.		१अ-१ब	पू.		पदच्छेद चिह्न है।	उप.
१६५	०१३१	आठ कर्म एक सौ अट्ठावन प्रकृति विचार	अज्ञात		मा.गु.	७	१-७	पू.			कर्म.

अ.नं.	हस्तप्रत क्र.	ग्रंथनाम	मूल कर्ता	टीका कर्ता	भाषा	कु.पत्र	उप.पत्र	पू./अ.	ले.वर्ष	रिमार्क	विषय
१६६	०१३२	अभक्ष्य अनंतकाय सज्झाय	नंदसूरि		मा.गु.	१	१	पू.			उप.
१६७	०१३३	होरी गीत संग्रह	अज्ञात		मा.गु.	२	१-२	पू.			स्तवन
१६८	०१३४	अरिहंतराजा-मोहराजा लडाई सज्झाय	अज्ञात		मा.गु.	१	१	पू.			उप.
१६९	०१३५	उपदेशक सज्झाय	रूपविजय		मा.गु.	१	१	पू.	१७६४		उप.
१७०	०१३६	उपदेशक पद आदि	सेवक		मा.गु.	१	१	पू.			स्तवन
१७१	०१३७	मल्लिजिन स्तवन	अज्ञात		मा.गु.	१	१	पू.			स्तवन
१७२	०१३८	योगी सज्झाय आदि	विश्वभूषण		मा.गु.	१	१	पू.			उप.
१७३	०१३८/पे.१	योगी सज्झाय	विश्वभूषण		मा.गु.		१अ-१ब	पू.			उप.
१७४	०१३८/पे.२	उपदेशक सज्झाय	कमलकर मुनि		मा.गु.		१ब-१ब	पू.			उप.
१७५	०१३९	आर्या स्तुति	अज्ञात		सं.	४	१-४	पू.		महाभारते शतसहस्रसंहितायां हरिवंशे स्वप्नगर्भविधाने।	स्तोत्र
१७६	०१४०	पार्श्वजिन स्तवन सह टबार्थ	भद्रबाहुस्वामी	अज्ञात	प्रा., मा.गु.	१	१	पू.			स्तोत्र
१७७	०१४१	सिद्धचक्र स्तुति	भानविजय		मा.गु.	१	१	पू.			स्तवन
१७८	०१४२	पार्श्वजिन स्तवन (अंतरीक्ष)	आनंदवर्धन		मा.गु.	१	१	पू.			स्तवन
१७९	०१४३	पाणी यतना सज्झाय	अज्ञात		मा.गु.	१	१	पू.			उप.
१८०	०१४४	अढार नातरा सज्झाय आदि	देवविजय गणी		मा.गु.	५	१-५	पू.			उप.
१८१	०१४५	चोवीसजिन नाम आदि	अज्ञात		मा.गु.	१	१	पू.			तत्त्व.
१८२	०१४६	प्रसन्नचंद्र सज्झाय	ऋद्धहर्ष		मा.गु.	१	१	पू.			उप.
१८३	०१४७	नेमिजिन सज्झाय	अज्ञात		मा.गु.	१	१	पू.		गुजराती लिपि।	उप.
१८४	०१४८	स्थुलिभद्र सज्झाय आदि	उदयरत्न		मा.गु.	१	१	पू.	१७७१		उप.
१८५	०१४८/पे.१	स्थुलिभद्र सज्झाय	उदयरत्न		मा.गु.		१अ-१ब	पू.			उप.

अ.नं.	हस्तप्रत क्र.	ग्रंथनाम	मूल कर्ता	टीका कर्ता	भाषा	कु.पत्र	उप.पत्र	पू./अ.	ले.वर्ष	रिमार्क	विषय
१८६	०१४८/पे.२	सिद्धचक्र सज्झाय	नयकविराज		मा.गु.		१ब-१ब	पू.			उप.
१८७	०१४९	गांगेय भंग	अज्ञात		मा.गु.	२	१-२	पू. ?		कोष्टक कृति।	तत्त्व.
१८८	०१५०	आदिजिन स्तवन (शत्रुंजय मंडन)	सुंदरसागर		मा.गु.	१	१	पू.			स्तवन
१८९	०१५१	सीता सज्झाय	उदयरत्न		मा.गु.	१	१	पू.			उप.
१९०	०१५२	नेमिजिन स्तवन	रामदास ऋषि		मा.गु.	२	१-२	पू.			स्तवन
१९१	०१५३	इलापुत्र सज्झाय	ऋद्धिकीर्ति		मा.गु.	१	?	पू.			उप.
१९२	०१५४	अध्यात्म पद आदि	रूपचंद		मा.गु.	१	१	पू.			उप.
१९३	०१५५	उपदेशक पद	अज्ञात		मा.गु.	१	१	पू.			उप.
१९४	०१५६	भगवतीसूत्र बोल	अज्ञात		मा.गु.	३	१-३	पू.		श.१, उ.१ गत, अनुमानित पत्रांक।	तत्त्व.
१९५	०१५७	वीरजिन स्तवन	अज्ञात		मा.गु.	१	१	पू.			स्तवन
१९६	०१५८	धर्म सज्झाय	जयतसी		मा.गु.	१	१	पू.			उप.
१९७	०१५९	काया-जीव संवाद	रंग ?		मा.गु.	१	१	पू.			उप.
१९८	०१६०	सादडी तोफान चित्र	अज्ञात			१	१	पू.			चित्र
१९९	०१६१	पद संग्रह	जिनदास		मा.गु.	४	१-४	पू.			उप.
२००	०१६२	गंगा अष्टक	कालिदास		सं.	२	१-२	पू.			स्तोत्र
२०१	०१६३	साधारणजिन स्तवन आदि	ज्ञानविमल		मा.गु.	१	१	पू.			स्तवन
२०२	०१६३/पे.१	साधारणजिन स्तवन	ज्ञानविमल		मा.गु.		१अ-१अ	पू.			स्तवन
२०३	०१६३/पे.२	द्वितीया स्तुति	सिंहविमल		मा.गु.		१ब-१ब	पू.			स्तवन
२०४	०१६४	उपदेशक सज्झाय	भर्तृहरि		मा.गु.	१	१	पू.	१८७८		उप.
२०५	०१६५	होरी पद आदि	अज्ञात		मा.गु.	१	१	पू.			स्तवन
२०६	०१६६	निरंजन अष्टक	शंकराचार्य		सं.	१	१	पू.			स्तोत्र

अ.नं.	हस्तप्रत क्र.	ग्रंथनाम	मूल कर्ता	टीका कर्ता	भाषा	कु.पत्र	उप.पत्र	पू./अ.	ले.वर्ष	रिमार्क	विषय
२०७	०१६७	निरंजन अष्टक आदि	शंकराचार्य		सं.	१	?	पू.			स्तोत्र
२०८	०१६७/पे.१	निरंजन अष्टक	शंकराचार्य		सं.		?अ-?अ	पू.			स्तोत्र
२०९	०१६७/पे.२	परस्त्री परिहार सज्झाय	समरचंद मुनि शिष्य		मा.गु.		?अ-?ब	पू.			उप.
२१०	०१६८	चोवीसजिन स्तोत्र (चतुर्विंशति दंडक विचार गर्भित) सह टबार्थ	गजसार मुनि	अज्ञात	प्रा., मा.गु.	५	१-५	पू.			तत्त्व.
२११	०१६९	शांतिजिन स्तोत्र (कमलबद्ध)	अज्ञात		सं.	१	१	पू.		पदच्छेद चिह्न है।	स्तोत्र
२१२	०१७०	दान सज्झाय	लावण्यसमय मुनि		मा.गु.	२	१-२	पू.			उप.
२१३	०१७१	प्रतिक्रमण विधि	अज्ञात		मा.गु.	१	१	पू.			विधि
२१४	०१७२	भीमसेन सज्झाय	महानंद मुनि		मा.गु.	१	१	पू.			उप.
२१५	०१७३	भक्तामर स्तोत्र	मानतुंगसूरि		सं.	५	१-५	पू.			स्तोत्र
२१६	०१७४	बुद्ध रास	अज्ञात		मा.गु.	२	१-२	पू.			उप.
२१७	०१७५	मानतुंग-मानवती रास	मोहनविजय		मा.गु.	२	१-२	पू.	१८३०		कथा
२१८	०१७६	चतुःशरण प्रकीर्णक	वीरभद्र गणी		प्रा.	४	१-४	पू.		पदच्छेद चिह्न है।	आ. प्रकी.
२१९	०१७७	दशवैकालिकसूत्र-अध्ययन २रा	शय्यंभवसूरि		प्रा.	१	१	पू.			आ. मूल
२२०	०१७८	पार्श्वजिन स्तुति	मानविजय उपा.		मा.गु.	१	१	पू.			स्तवन
२२१	०१७९	दान-शील-तप-भावना सह अर्थ	अशोक मुनि	अज्ञात	प्रा., मा.गु.	५	१-५	पू.			उप.
२२२	०१८०	जसवंत भास	अज्ञात		मा.गु.	३	१-३	पू.			स्तवन
२२३	०१८१	पार्श्वजिन स्तोत्र (चिंतामणि)	अज्ञात		सं.	२	१-२	पू.			स्तोत्र
२२४	०१८२	सीमंधरजिन विनति	सहजसुंदर ?		मा.गु.	२	१-२	पू.			स्तवन
२२५	०१८३	हरि कथलो	अज्ञात		मा.गु.	१	१	पू.			कथा
२२६	०१८४	आदिजिन प्रभाती आदि	अज्ञात		मा.गु.	१	१	पू.			स्तवन
२२७	०१८४/पे.१	आदिजिन प्रभाती	अज्ञात		मा.गु.		१अ-१अ	पू.			स्तवन

अ.नं.	हस्तप्रत क्र.	ग्रंथनाम	मूल कर्ता	टीका कर्ता	भाषा	कु.पत्र	उप.पत्र	पू./अ.	ले.वर्ष	रिमार्क	विषय
२२८	०१८४/पे.२	सीखामण सज्झाय	अज्ञात		मा.गु.		१अ-१ब	पू.			उप.
२२९	०१८५	शक्रस्तव गद्य स्तोत्र आदि	सिद्धसेनदिवाकरसूरि		सं.	३	१-३	पू.	१७४७		स्तोत्र
२३०	०१८५/पे.१	शक्रस्तव गद्य स्तोत्र	सिद्धसेनदिवाकरसूरि		सं.		१अ-३ब	पू.			स्तोत्र
२३१	०१८५/पे.२	निरंजन अष्टक	शंकराचार्य		सं.		३ब-३ब	पू.			स्तोत्र
२३२	०१८६	नवग्रह स्तोत्र आदि	अज्ञात		सं.	१	१	पू.			स्तोत्र
२३३	०१८६/पे.१	नवग्रह स्तोत्र	अज्ञात		सं.		१अ-१अ	पू.			स्तोत्र
२३४	०१८६/पे.२	नेमजिन बारमास	देवविजय		मा.गु.		१अ-१ब	पू.			स्तवन
२३५	०१८७	मनक मुनि सज्झाय	लब्धि		मा.गु.	१	१	पू.			उप.
२३६	०१८८	ऋषभजिन हमची	वर्धमान पं.		मा.गु.	१	१	पू.			स्तवन
२३७	०१८९	पार्श्वजिन विनति (चिंतामणि)	गुणसागर		मा.गु.	३	१-३	पू.			स्तवन
२३८	०१९०	विमलजिन स्तवन	आनंदघन		मा.गु.	१	१	पू.			स्तवन
२३९	०१९१	मूर्खशतक सह टबार्थ	अज्ञात	अज्ञात	सं., मा.गु.	७	१-७	पू.	१७९०		उप.
२४०	०१९२	आदिजिन विनति आदि	वैरागी मुनि		मा.गु.	३	१-३	पू.			स्तवन
२४१	०१९२/पे.१	आदिजिन विनति	वैरागी मुनि		मा.गु.		१अ-३अ	पू.			स्तवन
२४२	०१९२/पे.२	पद्मिनी स्तवन	अज्ञात		मा.गु.		३ब-३ब	पू.			स्तवन
२४३	०१९३	वीसविहरमानजिन स्तवन	देवचंद्र उपा.		मा.गु.	८	१-८	पू.	१८८५		स्तवन
२४४	०१९४	रामरक्षा स्तोत्र	कौशिक		सं.	२	१-२	पू.			स्तोत्र
२४५	०१९५	चोवीसजिन चैत्यवंदन	लावण्यविजय		मा.गु.	४	१-४	पू.			स्तवन
२४६	०१९६	जन्म कुंडली	अज्ञात		सं.	१	१	पू.			ज्यो.
२४७	०१९७	गौतमस्वामी छंद	लावण्यसमय		मा.गु.	१	१	पू.			स्तवन
२४८	०१९८	आदिजिन भास आदि	लाभविजय		मा.गु.	५	१-५	पू.			स्तवन

अ.नं.	हस्तप्रत क्र.	ग्रंथनाम	मूल कर्ता	टीका कर्ता	भाषा	कु.पत्र	उप.पत्र	पू./अ.	ले.वर्ष	रिमार्क	विषय
२४९	०१९९	देव संबंधी यंत्र	अज्ञात		मा.गु.	२	१-२	पू.		अनुमानित पत्रांक।	तत्त्व.
२५०	०२००	इलाचीकुमार रास	ज्ञानसागर		मा.गु.	११	१-११	पू.	१८९९		कथा
२५१	०२०१	अट्ठानवे बोल	अज्ञात		मा.गु.	२	१-२	पू.			तत्त्व.
२५२	०२०२	स्थुलिभद्र सज्झाय	अज्ञात		मा.गु.	१	१	पू.	१७४६		उप.
२५३	०२०३	मन एकोनतीसी आदि	गोविंद मुनि		मा.गु.	९	१-९	पू.			उप.
२५४	०२०४	समयसार नाटक सिद्धांत	बनारसीदास		मा.गु.	११६	१-११६	पू.		अंत के अनुमानित पत्रांक।	उप.
२५५	०२०५	पार्श्वजिन लावणी (मक्षी)	अज्ञात		मा.गु.	१	१	पू.			उप.
२५६	०२०६	वीसविहरमानजिन स्तवन	अज्ञात		मा.गु.	१	१	पू.			स्तवन
२५७	०२०७	शांतिजिन स्तवन (हस्तिनापुर मंडन)	गुणसागर		मा.गु.	१	१	पू.			स्तवन
२५८	०२०८	शांतिजिन स्तवन	केशव		मा.गु.	१	१	पू.			स्तवन
२५९	०२०९	वासुपूज्य स्तवन आदि	यशोविजय उपा.		मा.गु.	१	१	पू.			स्तवन
२६०	०२०९/पे.१	वासुपूज्य स्तवन	यशोविजय उपा.		मा.गु.		१अ-१अ	पू.			स्तवन
२६१	०२०९/पे.२	धर्मजिन स्तवन	मोहनविजय		मा.गु.		१अ-१ब	पू.			स्तवन
२६२	०२१०	चौदह स्वप्न स्तवन	अज्ञात		मा.गु.	१	१	पू.			स्तवन
२६३	०२११	तीर्थराज स्तवन	अज्ञात		सं.	१	१	पू.	१८१७		स्तोत्र
२६४	०२१२	शीतलजिन विनति	जयकीर्ति शिष्य		मा.गु.	२	१-२	पू.	१६९९	द्वितीय कृति का प्रारंभ प्रतिलेखकद्वारा अपूर्ण।	स्तवन
२६५	०२१३	नवतत्त्व प्रकरण आदि	स्थविर		प्रा.	५	१-६	पू.			तत्त्व.
२६६	०२१४	बोल संग्रह	अज्ञात		मा.गु.	१	१	पू.			तत्त्व.
२६७	०२१५	रत्नपाल चरित्र	मोहनविजय		मा.गु.	६४	१-६४	पू.	१७६२		कथा
२६८	०२१६	प्रश्नोत्तर	अज्ञात		मा.गु.	१	१	पू.			चर्चा
२६९	०२१७	विद्वद्गोष्ठी	अज्ञात		सं.	१	१	पू.			सुभा.

अ.नं.	हस्तप्रत क्र.	ग्रंथनाम	मूल कर्ता	टीका कर्ता	भाषा	कु.पत्र	उप.पत्र	पू./अ.	ले.वर्ष	रिमार्क	विषय
२७०	०२१८	ब्रह्मचर्यव्रत आलापक	अज्ञात		प्रा.	१	१	पू.			आचार
२७१	०२१९	मुनिसुव्रतजिन स्तवन आदि	जीवराज ऋषि		मा.गु.	१	१	पू.			स्तवन
२७२	०२१९/पे.१	मुनिसुव्रतजिन स्तवन	जीवराज ऋषि		मा.गु.		१अ-१अ	पू.			स्तवन
२७३	०२१९/पे.२	शीतलजिन स्तवन	जीवराज ऋषि		मा.गु.		१अ-१ब	पू.			स्तवन
२७४	०२२०	प्रज्ञाप्रकाशषट्त्रिंशिका सह टबार्थ	यशस्वी गणी	अज्ञात	सं., मा.गु.	३	१-३	पू.			उप.
२७५	०२२१	सारस्वत व्याकरण सह वृत्ति सह टबार्थ-पंचसंधि	अनुभूतिस्वरूपाचार्य	अज्ञात, अज्ञात	सं., सं., मा.गु.	१८	१-१८	पू.			व्या.
२७६	०२२२	वीसविहरमानजिन स्तवन	विनयविजय उपा.		मा.गु.	७	१-७	पू.			स्तवन
२७७	०२२३	अंबा अष्टक	मोटा ऋषि		सं.	१	१	पू.	१८१५	पदच्छेद चिह्न है।	स्तोत्र
२७८	०२२४	सिद्धाचल स्तवन	पायचंद		मा.गु.	१	१	पू.			स्तवन
२७९	०२२५	उनतीस पापश्रुत प्रसंग आदि	अज्ञात		मा.गु.	१	१	पू.			उप.
२८०	०२२६	जीभलडी सज्झाय आदि	लब्धिविजय		मा.गु.	४	१-४	पू.			उप.
२८१	०२२७	नेमिजिन भ्रमरगीता	विनयविजय उपा.		मा.गु.	२	१-२	पू.	१७६६		स्तवन
२८२	०२२८	चोवीसजिन स्तुति आदि	यशोविजय उपा.		मा.गु.	२	१-२	पू.			स्तवन
२८३	०२२९	चोवीसजिन स्तवन	जिनराज		मा.गु.	१	१	पू.			स्तवन
२८४	०२३०	ऋषभजिन स्तवन आदि	उदयरत्न		मा.गु.	१	१	पू.			स्तवन
२८५	०२३०/पे.१	ऋषभजिन स्तवन	उदयरत्न		मा.गु.		१अ-१अ	पू.			स्तवन
२८६	०२३०/पे.२	पार्श्वजिन स्तवन	ऋषभ		मा.गु.		१अ-१ब	पू.			स्तवन
२८७	०२३१	पार्श्वजिन स्तवन	गुलाब		मा.गु.	१	१	पू.			स्तवन
२८८	०२३२	पद्मप्रभजिन स्तवन	भीखजी		मा.गु.	१	१	पू.			स्तवन
२८९	०२३३	पार्श्वजिन स्तवन	श्रीचंद		मा.गु.	१	१	पू.			स्तवन
२९०	०२३४	श्रेणिकनृप कथा	नारायण मुनि		मा.गु.	१५	१-१५	पू.			कथा

अ.नं.	हस्तप्रत क्र.	ग्रंथनाम	मूल कर्ता	टीका कर्ता	भाषा	कु.पत्र	उप.पत्र	पू./अ.	ले.वर्ष	रिमार्क	विषय
२९१	०२३५	जीवविचार प्रकरण सह टबार्थ	शांतिसूरि	अज्ञात	प्रा., मा.गु.	३	१-३	पू.	१८०१		तत्त्व.
२९२	०२३६	क्षमाछत्रीसी	समयसुंदर उपा.		मा.गु.	१	१	पू.			उप.
२९३	०२३७	स्तवन संग्रह	जिनदास		मा.गु.	१	१	पू.			स्तवन
२९४	०२३८	उद्देश ग्रंथ विचार	अज्ञात		सं.	१	१	पू.			न्याय
२९५	०२३९	बाराक्षरी	अज्ञात		सं.	१	१	पू.			व्या.
२९६	०२४०	चौदह जीव भेद आदि	अज्ञात		मा.गु.	१	१	पू.			तत्त्व.
२९७	०२४१	आचारांगसूत्र बोल	अज्ञात		मा.गु.	१	१	पू.			तत्त्व.
२९८	०२४२	बारह भावना	यशःसोम शिष्य		मा.गु.	२	१-२	पू.		अंत में अज्ञात ४ गाथा अपूर्ण।	उप.
२९९	०२४३	सूत्रकृतांगसूत्र सह दीपिकाटीका	सुधर्मास्वामी	हर्षकुल पं.	प्रा., सं.	१४०	१-१४०	पू.		संशोधित।	आ. अंग
३००	०२४४	आदिजिन स्तवन आदि	मोहनविजय		मा.गु.	१	१	पू.			स्तवन
३०१	०२४४/पे.१	आदिजिन स्तवन	मोहनविजय		मा.गु.		१अ-१अ	पू.			स्तवन
३०२	०२४४/पे.२	महावीरजिन स्तवन	लब्धि		मा.गु.		१ब-१ब	पू.			स्तवन
३०३	०२४५	नवकारपच्चीसी आदि	आनंदनिधान गणी		मा.गु.	१	१	पू.			उप.
३०४	०२४५/पे.१	नवकारपच्चीसी	आनंदनिधान गणी		मा.गु.		१अ-१ब	पू.			उप.
३०५	०२४५/पे.२	चार गोला दृष्टांत	अज्ञात		मा.गु.		१ब-१ब	पू.			उप.
३०६	०२४६	पार्श्वजिन स्तवन आदि	भीखू मुनि		मा.गु.	१	१	पू.			स्तवन
३०७	०२४७	कर्मग्रंथ-६ सह टबार्थ	देवेंद्रसूरि, चंद्र महत्तर	धनविजय	प्रा., मा.गु.	११४	१-११३	पू.			कर्म.
३०८	०२४८	दीवाली स्तवन	अज्ञात		मा.गु.	१	१	पू.			स्तवन
३०९	०२४९	महावीरजिन स्तवन	विनयविजय उपा.		मा.गु.	५	१-५	पू.			स्तवन
३१०	०२५०	अजितजिन स्तवन आदि	आनंदघन		मा.गु.	१	१	पू.			स्तवन
३११	०२५१	संवेगी सज्झाय आदि	अज्ञात		मा.गु.	२	१-२	पू.			उप.

अ.नं.	हस्तप्रत क्र.	ग्रंथनाम	मूल कर्ता	टीका कर्ता	भाषा	कु.पत्र	उप.पत्र	पू./अ.	ले.वर्ष	रिमार्क	विषय
३१२	०२५२	नवतत्त्व प्रकरण सह टबार्थ	स्थविर	अज्ञात	प्रा., मा.गु.	६	१-६	पू.			तत्त्व.
३१३	०२५३	नवतत्त्व प्रकरण	स्थविर		प्रा.	३	१-३	पू.	१७९९		तत्त्व.
३१४	०२५४	प्रत्याख्यानसूत्र	गणधर		प्रा.	२	१-२	पू.			आ. आव.
३१५	०२५५	पंचपरमेष्ठि आरति आदि	अज्ञात		मा.गु.	१	१	पू.			स्तवन
३१६	०२५५/पे.१	पंचपरमेष्ठि आरति	अज्ञात		मा.गु.		१अ-१अ	पू.			स्तवन
३१७	०२५५/पे.२	उपदेशक पद	रूपचंद		मा.गु.		१अ-१ब	पू.			उप.
३१८	०२५६	पार्श्वजिन निशानी	जिनहर्ष		मा.गु.	२	१-२	पू.			स्तवन
३१९	०२५७	धर्मजिन स्तवन आदि	आनंदघन		मा.गु.	१	१	पू.			स्तवन
३२०	०२५८	जिन स्तवन	कवियण		मा.गु.	१	१	पू.			स्तवन
३२१	०२५९	अजितजिन स्तवन आदि	लावण्यविजय शिष्य		मा.गु.	१	१	पू.			स्तवन
३२२	०२५९/पे.१	अजितजिन स्तवन	लावण्यविजय शिष्य		मा.गु.		१अ-१अ	पू.			स्तवन
३२३	०२५९/पे.२	अजितजिन स्तवन	यशोविजय उपा.		मा.गु.		१अ-१ब	पू.			स्तवन
३२४	०२६०	पार्श्वजिन स्तवन आदि	रामविजय		मा.गु.	२	१-२	पू.			स्तवन
३२५	०२६१	नेमिजिन स्तव आदि	रुचिरविमल		मा.गु.	१	१	पू.			स्तवन
३२६	०२६१/पे.१	नेमिजिन स्तव	रुचिरविमल		मा.गु.		१अ-१अ	पू.			स्तवन
३२७	०२६१/पे.२	शांतिजिन स्तवन	रुचिरविमल		मा.गु.		१अ-१ब	पू.			स्तवन
३२८	०२६२	पांच सौ साठ अजीव भेद	अज्ञात		मा.गु.	१	१	पू.			तत्त्व.
३२९	०२६३	कर्मविपाक (लघु) टबार्थ	(देवेंद्रसूरि)	अज्ञात	मा.गु.	२	१-२	पू.			कर्म.
३३०	०२६४	जीवविचार प्रतीक आदि	अज्ञात		प्रा.	१	१	पू.			तत्त्व.
३३१	०२६४/पे.१	जीवविचार प्रतीक	अज्ञात		प्रा.		१अ-१ब	पू.			तत्त्व.
३३२	०२६४/पे.२	अठारह भार वनस्पति	अज्ञात		मा.गु.		१ब-१ब	पू.			तत्त्व.

अ.नं.	हस्तप्रत क्र.	ग्रंथनाम	मूल कर्ता	टीका कर्ता	भाषा	कु.पत्र	उप.पत्र	पू./अ.	ले.वर्ष	रिमार्क	विषय
३३३	०२६५	आत्म गीत	अज्ञात		मा.गु.	१	१	पू.			स्तवन
३३४	०२६६	उपदेशक पद आदि	अज्ञात		मा.गु.	१	१	पू.			उप.
३३५	०२६६/पे.१	उपदेशक पद	अज्ञात		मा.गु.		१अ-१अ	पू.			उप.
३३६	०२६६/पे.२	उपदेशक पद	अज्ञात		मा.गु.		१अ-१अ	पू.			उप.
३३७	०२६७	ग्यारह गणधर यंत्र	अज्ञात		मा.गु.	१	१	पू.			तत्त्व.
३३८	०२६८	ग्यारह गणधर यंत्र	अज्ञात		मा.गु.	१	१	पू.			तत्त्व.
३३९	०२६९	अनंतजिन स्तवन आदि	आनंदघन		मा.गु.	१	१	पू.			स्तवन
३४०	०२६९/पे.१	अनंतजिन स्तवन	आनंदघन		मा.गु.		१अ-१अ	पू.			स्तवन
३४१	०२६९/पे.२	पार्श्वजिन स्तवन	उदयरत्न		मा.गु.		१अ-१ब	पू.			स्तवन
३४२	०२७०	चंद्रप्रभजिन पद आदि	खुशाल शेठ		मा.गु.	१	१	पू.			स्तवन
३४३	०२७१	अभिनंदनजिन स्तवन आदि	मानविजय उपा. ?		मा.गु.	१	१	पू.			स्तवन
३४४	०२७१/पे.१	अभिनंदनजिन स्तवन	मानविजय उपा. ?		मा.गु.		१अ-१अ	पू.			स्तवन
३४५	०२७१/पे.२	परिग्रह सज्झाय	ज्ञानचंद		मा.गु.		१ब-१ब	पू.			उप.
३४६	०२७२	पार्श्वजिन स्तवन (शंखेश्वर मंडन)	उदय		मा.गु.	१	१	पू.			स्तवन
३४७	०२७३	साधारणजिन स्तवन	रत्नाकरसूरि		मा.गु.	१	१	पू.		संशोधित, पदच्छेद चिह्न है।	स्तवन
३४८	०२७४	विचार पत्र	अज्ञात		मा.गु.	१	१	पू.	१९३४ ?		तत्त्व.
३४९	०२७५	बोल संग्रह	अज्ञात		मा.गु.	३	१-३	पू.			तत्त्व.
३५०	०२७६	नेमिजिन पद आदि	अज्ञात		मा.गु.	२	१-२	पू.			स्तवन
३५१	०२७६/पे.१	नेमिजिन पद	अज्ञात		मा.गु.		१अ-१अ	पू.			स्तवन
३५२	०२७६/पे.२	ऋषभजिन बारमास	मूलचंद		मा.गु.		१अ-२अ	पू.			स्तवन
३५३	०२७७	दीवालीकल्प कथा संक्षेप	अज्ञात		मा.गु.	२४	१-२४	पू.	१८८५		कथा

अ.नं.	हस्तप्रत क्र.	ग्रंथनाम	मूल कर्ता	टीका कर्ता	भाषा	कु.पत्र	उप.पत्र	पू./अ.	ले.वर्ष	रिमार्क	विषय
३५४	०२७८	विमानदेवलोक संख्या	अज्ञात		मा.गु.	१	१	पू.			तत्त्व.
३५५	०२७९	द्वीपसमुद्र परिधि	अज्ञात		मा.गु.	२	१-२	पू.			तत्त्व.
३५६	०२८०	कायस्थितिद्वार	अज्ञात		मा.गु.	२	१-२	पू.			तत्त्व.
३५७	०२८१	पूजा विधि	अज्ञात		मा.गु.	१६	१-१६	पू.	१९५१	गुटका, अनुमानित पत्रांक, मोडी लिपि।	विधि
३५८	०२८२	महावीरजिन स्तुति आदि	अज्ञात		मा.गु.	२६	१-११, १-१५	पू.		गुटका, अनुमानित पत्रांक, मोडी लिपि।	स्तवन
३५९	०२८३	सत्रहभेदी पूजा	सकलचंद्र		मा.गु.	१०	१-१०	पू.			स्तवन
३६०	०२८४	ऋषिदत्ता रास आदि	जयवंतसूरि		मा.गु.	९५	१-९५	पू.	१७३०	अनुमानित पत्रांक, गुटका।	कथा
३६१	०२८५	स्तवनचोवीसी	देवचंद्र उपा.		मा.गु.	१२	१-१२	पू.			स्तवन
३६२	०२८६	वीसविहरमान गीत	जिनहर्ष		मा.गु.	७	१-७	पू.			स्तवन
३६३	०२८७	वीसविहरमान स्तवन	देवचंद्र उपा.		मा.गु.	८	१-८	पू.			स्तवन
३६४	०२८८	वीसविहरमान स्तवन	यशोविजय उपा.		मा.गु.	९	१-९	पू.	१८८२		स्तवन
३६५	०२८९	वीसविहरमान स्तवन	यशोविजय उपा.		मा.गु.	९	१-९	पू.			स्तवन
३६६	०२९०	योग विधि आदि	अज्ञात		मा.गु.	४०	१-४०	पू.			विधि
३६७	०२९१	चतुःशरण प्रकीर्णक सह अवचूरि	वीरभद्र गणी	सोमसुंदरसूरि	प्रा., सं.	५	१-५	पू.		पंचपाठ।	आ. प्रकी.
३६८	०२९२	मौनएकादशी स्तुति	अज्ञात		सं.	१	१	पू.			स्तोत्र
३६९	०२९३	वीसस्थानक स्तवन	कीर्तिविजय		मा.गु.	१	१	पू.	१९३६		स्तवन
३७०	०२९४	चोमासी देववंदन	पद्मविजय		मा.गु.	१६	१-१६	पू.	१८९३		स्तवन
३७१	०२९५	पद्मावतीराणी आराधना	समयसुंदर उपा.		मा.गु.	३	१-३	पू.	१८७८		स्तवन
३७२	०२९६	चोवीसजिन विमानादि कोष्टक	अज्ञात		मा.गु.	७	१-७	अ.		अंत अपूर्ण, कोष्टक कृति, अनुमानित पत्रांक।	तत्त्व.
३७३	०२९७	अज्ञात पद संग्रह	अज्ञात		म.	१३	१६-१३९	अ.		अंत अपूर्ण।	उप.

अ.नं.	हस्तप्रत क्र.	ग्रंथनाम	मूल कर्ता	टीका कर्ता	भाषा	कु.पत्र	उप.पत्र	पू./अ.	ले.वर्ष	रिमार्क	विषय
३७४	०२९८	सुभाषित	अज्ञात		सं.	८	१-९	अ.		अंत अपूर्ण।	सुभा.
३७५	०२९९	चोवीसजिन आंतरा	अज्ञात		मा.गु.	३	१-३	अ.		प्रतिलेखकद्वारा अपूर्ण।	स्तवन
३७६	०३००	सूरसेन-वीरसेन चरित्र ?	अज्ञात		मा.गु.	३	१-३	अ.		प्रतिलेखकद्वारा अपूर्ण।	कथा
३७७	०३०१	सूक्तमाला	अज्ञात		मा.गु.	४	४-७	अ.		अंत अपूर्ण।	सुभा.
३७८	०३०२	उत्तराध्ययनसूत्र सह अर्थ-अध्ययन ३-४	स्थविर	अज्ञात	प्रा., सं.	३	२-५	अ.		अंत अपूर्ण।	आ. मूल
३७९	०३०३	अरबी शकुनावली	अज्ञात		मा.गु.	४	?	अ.		आदि अंत अपूर्ण।	रमल
३८०	०३०४	जनावर शकुनावली	अज्ञात		मा.गु.	६	?-१३	अ.		प्रारंभ अपूर्ण।	रमल
३८१	०३०५	दशवैकालिकसूत्र सह टबार्थ	शय्यंभवसूरि	अज्ञात	प्रा., मा.गु.	४	४६-४९	अ.		अंत अपूर्ण।	आ. मूल
३८२	०३०६	जंबूस्वामी कथा सह अर्थ	अज्ञात	अज्ञात	पु.हिं., मा.गु.	४	४-७	अ.		अंत अपूर्ण।	कथा
३८३	०३०७	जंबूस्वामी चरित्र	अज्ञात		मा.गु.	७	१-७	अ.		अंत अपूर्ण, संशोधित।	कथा
३८४	०३०८	मुनिपति चरित्र	अज्ञात		मा.गु.	१६	१-१६	अ.		अंत अपूर्ण।	कथा
३८५	०३०९	शालिभद्र चरित्र	अज्ञात		मा.गु.	२०	१-२१	अ.	१७०२		कथा
३८६	०३१०	प्रियमेलक कथा	समयसुंदर उपा.		मा.गु.	३	१-३	अ.		अंत अपूर्ण।	कथा
३८७	०३११	जंबूस्वामी कथा	अज्ञात		मा.गु.	६	१-६	अ.		अंत अपूर्ण।	कथा
३८८	०३१२	सप्तस्मरण	अनेक जैन श्रमण		प्रा.+सं.	७	१-८	अ.			स्तोत्र
३८९	०३१३	नवस्मरण आदि	अनेक जैन श्रमण		प्रा.	७	२-९	अ.	१८०९		स्तोत्र
३९०	०३१४	विक्रमसेन चरित्र	परमसागर कवि		मा.गु.	५८	१-९१	अ.	१९२४		कथा
३९१	०३१५	अंजनासुंदरी-पवनंजयकुमार संबंध	पुण्यसागर उपा.		मा.गु.	२१	१-२४	अ.	१७०८		कथा
३९२	०३१६	संग्रहणीसूत्र (बृहत्) टीका	(श्रीचंद्रसूरि)	अज्ञात	प्रा., सं.	१०	?	अ.		आदि अंत अपूर्ण।	तत्त्व.
३९३	०३१७	सुभाषित संग्रह	अज्ञात		प्रा.+सं.	१२	२-१३	अ.			सुभा.
३९४	०३१८	अज्ञात ज्योतिष ग्रंथ	अज्ञात		सं.	६	१-६	अ.		अंत अपूर्ण।	ज्यो.

अ.नं.	हस्तप्रत क्र.	ग्रंथनाम	मूल कर्ता	टीका कर्ता	भाषा	कु.पत्र	उप.पत्र	पू./अ.	ले.वर्ष	रिमार्क	विषय
३९५	०३१९	सुदर्शनसेठ सज्झाय आदि	लालविजय पं.		मा.गु.	५	१-५	अ.		अंत अपूर्ण।	उप.
३९६	०३१९/पे.१	सुदर्शनसेठ सज्झाय	लालविजय पं.		मा.गु.		१ब-२ब	पू.			उप.
३९७	०३१९/पे.२	नववाड सज्झाय	जिनहर्ष		मा.गु.		२ब-५ब	अ.		अंत अपूर्ण।	उप.
३९८	०३२०	अनाथी मुनि चोपाई	अज्ञात		मा.गु.	३	१-३	अ.		अंत अपूर्ण।	कथा
३९९	०३२१	ऋषभजिन विवाहलो	अज्ञात		मा.गु.	२	१-२	अ.		अंत अपूर्ण।	स्तवन
४००	०३२२	शालिभद्र चरित्र	जिनराजसूरि		मा.गु.	२९	१-३०	अ.	१८८५		कथा
४०१	०३२३	कल्पसूत्र टबार्थ	(भद्रबाहुस्वामी)	अज्ञात	मा.गु.	६	१-६	अ.			आ.
४०२	०३२४	भक्तामर स्तोत्र पर्याय	(मानतुंगसूरि)	कनककुशल	सं.	३	१-३	अ.		प्रतिलेखकद्वारा अपूर्ण।	स्तोत्र
४०३	०३२५	भविष्योत्तर पुराण-उत्तर खंड	व्यास		सं.	२४	३-३९	अ.		अंत अपूर्ण।	पुराण
४०४	०३२६	विहरमानजिन गीत	जिनराज		मा.गु.	३	१-४	अ.	१७४६		स्तवन
४०५	०३२७	सीमंधरजिन स्तवन आदि	अज्ञात		मा.गु.	२	५-६	अ.			स्तवन
४०६	०३२८	समकित सज्झाय आदि	कृपाविजय		मा.गु.	७	१-७	अ.		अंत अपूर्ण।	उप.
४०७	०३२९	कल्पसूत्र नव व्याख्यान पद्धति	अज्ञात		मा.गु.	९	१-९	अ.		अंत अपूर्ण।	उप.
४०८	०३३०	पल्यविधान रास	शुभचंद्र भट्टारक		मा.गु.	२	३-५	अ.			विधि
४०९	०३३१	आवश्यकसूत्र	गणधर		प्रा.	८	२-१०	अ.		अंत अपूर्ण, टिप्पणी है।	आ. मूल
४१०	०३३२	आवश्यकसूत्र सह टबार्थ	गणधर	अज्ञात	प्रा., मा.गु.	६	२-९ ?	अ.		अंत अपूर्ण।	आ. मूल
४११	०३३३	आवश्यकसूत्र सह टबार्थ	गणधर	अज्ञात	प्रा., मा.गु.	८	२-९	अ.		अंत अपूर्ण।	आ. मूल
४१२	०३३४	लघुशांति स्तोत्र सह टबार्थ	मानदेवसूरि	अज्ञात	सं., मा.गु.	३	३३-३५	अ.		अंत अपूर्ण।	स्तोत्र
४१३	०३३५	आवश्यकसूत्र सह टबार्थ	गणधर	अज्ञात	प्रा., मा.गु.	६	४-१३	अ.		अंत अपूर्ण।	आ. मूल
४१४	०३३६	उत्तराध्ययनसूत्र सह टबार्थ	स्थविर	अज्ञात	प्रा., मा.गु.	१७	१७४-२१६	अ.		अंत अपूर्ण, पदच्छेद चिह्न है।	आ. मूल
४१५	०३३७	ऋषिदत्ता रास	जयवंतसूरि		मा.गु.	१८	१-?	अ.	१७३८	पाठ खंडित।	कथा

अ.नं.	हस्तप्रत क्र.	ग्रंथनाम	मूल कर्ता	टीका कर्ता	भाषा	कु.पत्र	उप.पत्र	पू./अ.	ले.वर्ष	रिमार्क	विषय
४१६	०३३८	कल्पसूत्र सह टबार्थ	भद्रबाहुस्वामी	अज्ञात	प्रा., मा.गु.	२१	१-२१	अ.		अंत अपूर्ण, कथा सहित।	आ.
४१७	०३३९	उत्तराध्ययनसूत्र	स्थविर		प्रा.	५	१-५	अ.		प्रतिलेखकद्वारा अपूर्ण, अध्ययन ४, गा.१० पर्यंत।	आ. मूल
४१८	०३४०	सूत्रकृतांगसूत्र-अध्ययन ६वां	सुधर्मास्वामी		प्रा.	२	१-२	अ.		अंत अपूर्ण, गा.१३ पर्यंत।	आ. अंग
४१९	०३४१	अज्ञात ज्योतिष ग्रंथ	अज्ञात		सं.	१४	२-१६	अ.			ज्यो.
४२०	०३४२	रुक्मिणी चरित्र	अज्ञात		मा.गु.	४	१-४	अ.		अंत अपूर्ण।	कथा
४२१	०३४३	श्राद्ध विधि	रत्नशेखरसूरि		सं.	१८	२६-४०	अ.		अंत अपूर्ण।	आचार
४२२	०३४४	दशवैकालिकसूत्र	शय्यंभवसूरि		प्रा.	४	१-४	अ.		अंत अपूर्ण, अध्ययन-३ पूर्ण, ४था अपूर्ण।	आ. मूल
४२३	०३४५	चंद्रसेन रास	अज्ञात		मा.गु.	२१	२-२४	अ.		प्रतिलेखकद्वारा अपूर्ण।	कथा
४२४	०३४६	स्थानांगसूत्र	सुधर्मास्वामी		प्रा.	६५	३८-१०५	अ.		अंत अपूर्ण।	आ. अंग
४२५	०३४७	गौतमस्वामी स्तोत्र आदि	अज्ञात		सं.	५	१-५	अ.		अंत अपूर्ण।	स्तोत्र
४२६	०३४८	तंदुलवैचारिक प्रकीर्णक सह बालावबोध	स्थविर	पार्श्वचंद्रसूरि	प्रा., मा.गु.	३५	२-३६	अ.	१९१७		आ. प्रकी.
४२७	०३४९	अल्पबहुत्व पच्चीसद्वार	अज्ञात		मा.गु.	११	२-१६	अ.	१८८१		तत्त्व.
४२८	०३५०	आचारांगसूत्र सह टबार्थ	सुधर्मास्वामी	अज्ञात	प्रा., मा.गु.	६५	१-६७	अ.		अंत अपूर्ण, अध्ययन ५, उ.३ पूर्ण, ४था अपूर्ण।	आ. अंग
४२९	०३५१	रत्नपाल रास	अज्ञात		मा.गु.	४	१-४	अ.		प्रतिलेखकद्वारा अपूर्ण।	कथा
४३०	०३५२	ऋषभजिन विवाहलो	अज्ञात		मा.गु.	१६	१-१६	अ.		अंत अपूर्ण।	स्तवन
४३१	०३५३	भक्तामर स्तोत्र सह टबार्थ	मानतुंगसूरि	अज्ञात	सं., मा.गु.	१५	१-?	अ.	१७५५	बीच बीच में पाठ खंडित है, अनुमानित पत्रांक।	स्तोत्र
४३२	०३५४	भक्तामर स्तोत्र	मानतुंगसूरि		सं.	५	२-६	अ.	१७४७		स्तोत्र
४३३	०३५५	चर्चा पत्र	अज्ञात		प्रा.	१३	१-?	अ.		प्रतिलेखकद्वारा अपूर्ण, अनुमानित पत्रांक।	तत्त्व.
४३४	०३५६	नवकार रास	अज्ञात		मा.गु.	३	१-३	पू.	१८१७		स्तवन

अ.नं.	हस्तप्रत क्र.	ग्रंथनाम	मूल कर्ता	टीका कर्ता	भाषा	कु.पत्र	उप.पत्र	पू./अ.	ले.वर्ष	रिमार्क	विषय
४३५	०३५७	पद्मावती आख्यान	अज्ञात		मा.गु.	४	१-४	अ.		अंत अपूर्ण।	कथा
४३६	०३५८	पाक्षिकसूत्र	गणधर		प्रा.	१२	१-१४	अ.			आ. आव.
४३७	०३५९	दशवैकालिकसूत्र	शय्यंभवसूरि		प्रा.	४	१-४	अ.		अंत अपूर्ण।	आ. मूल
४३८	०३६०	शनिश्चर कथा	अज्ञात		मा.गु.	८	१-९	अ.			कथा
४३९	०३६१	शाश्वत-अशाश्वतजिन स्तोत्र	अज्ञात		सं.	२	१-२	अ.		अंतिम पत्र नहीं है।	स्तोत्र
४४०	०३६२	प्रदेशीराजा चोपाई	सहजसुंदर उपा.		मा.गु.	१३	१-१४	अ.		अंत अपूर्ण।	कथा
४४१	०३६३	उपदेशक सज्झाय	लीलाराम		मा.गु.	२	२-३	अ.			उप.
४४२	०३६४	षडावश्यकसूत्र	गणधर		प्रा.	४	१-४	अ.		अंत अपूर्ण।	आ. मूल
४४३	०३६५	स्थानांगसूत्र	सुधर्मास्वामी		प्रा.	१३०	४-१५२	अ.		अंत अपूर्ण।	आ. अंग
४४४	०३६६	चतुःपर्वी रास	अज्ञात		मा.गु.	६	१-६	अ.		अंत अपूर्ण।	कथा
४४५	०३६७	दशवैकालिकसूत्र	शय्यंभवसूरि		प्रा.	३	१-३	अ.		प्रतिलेखकद्वारा अपूर्ण, अध्ययन-३, गा.११ पर्यंत।	आ. मूल
४४६	०३६८	नल-दमयंती रास	समयसुंदर उपा.		मा.गु.	१५	१-१५	अ.		अंत अपूर्ण।	कथा
४४७	०३६९	गौतमस्वामी रास	विजयभद्रसूरि		मा.गु.	४	१-४	अ.		अंत में अज्ञात कृति प्रतिलेखकद्वारा अपूर्ण।	कथा
४४८	०३७०	कोकसार चोपाई	नर्मदाचार्य		मा.गु.	२८	२-३४	अ.	१८५८		कामशास्त्र
४४९	०३७१	अज्ञात ज्योतिष ग्रंथ	अज्ञात		सं.	७	१-७	अ.		अंत अपूर्ण।	ज्यो.
४५०	०३७२	चोवीसजिन स्तुति	कांतिसागर		मा.गु.	३	२-६	अ.	१७६९		स्तवन
४५१	०३७३	चोवीसजिन स्तवन आदि	अज्ञात		मा.गु.	५१	?	अ.	१८०५	प्रारंभ अपूर्ण, गुटका, गुजराती लिपि, अनुमानित पत्रांक।	स्तवन
४५२	०३७४	अज्ञात ग्रंथ	अज्ञात		म.	६	१-८	अ.		अंत अपूर्ण।	
४५३	०३७५	भागवत ओवी	अज्ञात		म.	३१	२-१३२?	अ.		अंत अपूर्ण, अनुमानित पत्रांक।	कथा
४५४	०३७६	आषाढाभूति रास	ज्ञानसागर		मा.गु.	७	२-८	अ.			कथा

अ.नं.	हस्तप्रत क्र.	ग्रंथनाम	मूल कर्ता	टीका कर्ता	भाषा	कु.पत्र	उप.पत्र	पू./अ.	ले.वर्ष	रिमार्क	विषय
४५५	०३७७	साधुवंदना	अज्ञात		मा.गु.	४	२-७	अ.		अंत अपूर्ण।	स्तवन
४५६	०३७८	सोलसती सज्झाय आदि	अज्ञात		मा.गु.	४२	?	अ.		प्रारंभ अपूर्ण, गुटका, गुजराती लिपि।	उप.
४५७	०३७९	मानतुंग-मानवती रास	मोहनविजय		मा.गु.	४६	२-५८	अ.		अंत अपूर्ण।	कथा
४५८	०३८०	भक्तामर स्तोत्र	मानतुंगसूरि		सं.	९	१-१०	अ.	१७८४		स्तोत्र
४५९	०३८१	बृहत्शांति स्तोत्र	शांतिसूरि		सं.	३	१-३	अ.		अंत अपूर्ण, अनुमानित पत्रांक।	स्तोत्र
४६०	०३८२	श्रीपाल चरित्र	विनयविजय उपा.		मा.गु.	३६	३-३८	अ.	१८००		कथा
४६१	०३८३	साधुवंदना	अज्ञात		मा.गु.	३	१-३	अ.		अंत अपूर्ण।	स्तवन
४६२	०३८४	पार्श्वजिन स्तवन आदि	अज्ञात		मा.गु.	१०	९-१७	अ.	१७९२?	अनुमानित पत्रांक।	स्तवन
४६३	०३८५	आत्मशिक्षा सज्झाय आदि	रुचिरविमल		मा.गु.	५	९-१५	अ.	१७५९		उप.
४६४	०३८६	चतुःशरण प्रकीर्णक सह टबार्थ	वीरभद्र गणी	अज्ञात	प्रा., मा.गु.	३	१-३	अ.		अंत अपूर्ण, टबा.पत्र क्र.१ब पर्यंत।	आ. प्रकी.
४६५	०३८७	गौतमस्वामी रास	अज्ञात		मा.गु.	२	१-३	अ.		अंत अपूर्ण।	स्तवन
४६६	०३८८	नवतत्त्व बोल	अज्ञात		मा.गु.	१५	१-१६	अ.			तत्त्व.
४६७	०३८९	बारह भावना आदि	सकलचंद्र मुनि		मा.गु.	२	१-२	अ.		अंत अपूर्ण।	उप.
४६८	०३९०	सिंहलसुत चोपाई	समयसुंदर उपा.		मा.गु.	१८	२१-३८	अ.			कथा
४६९	०३९१	चोवीसजिन स्तवन आदि	आनंदघन		मा.गु.	६	१-६	अ.		अंत अपूर्ण।	स्तवन
४७०	०३९२	चोवीसीजिन स्तवन सह टबार्थ	आनंदघन	अज्ञात	मा.गु., मा.गु.	४३	२-४५	अ.	१७९६		स्तवन
४७१	०३९३	स्थुलिभद्र नवरस आदि	उदयरत्न		मा.गु.	५	४८-५२	अ.	१७९६	कृति पूर्ण।	कथा
४७२	०३९३/पे.१	स्थुलिभद्र नवरस	उदयरत्न		मा.गु.		४८अ-५१ब	पू.			कथा
४७३	०३९३/पे.२	गुणमाला स्तवन	लालविनोद		मा.गु.		५२अ-५२ब	पू.			स्तवन
४७४	०३९४	अज्ञात आयुर्वेद ग्रंथ	अज्ञात		मा.गु.	१७	५-७१	अ.		अंत अपूर्ण।	आयु.
४७५	०३९५	अनाथी मुनि सज्झाय	अज्ञात		मा.गु.	३	१-३	अ.		प्रतिलेखकद्वारा अपूर्ण।	उप.

अ.नं.	हस्तप्रत क्र.	ग्रंथनाम	मूल कर्ता	टीका कर्ता	भाषा	कु.पत्र	उप.पत्र	पू./अ.	ले.वर्ष	रिमार्क	विषय
४७६	०३९६	चोवीसीजिन स्तवन रागमाला आदि	अज्ञात		मा.गु.	१२	२-१३	अ.			स्तवन
४७७	०३९७	आचारांगसूत्र सह टबार्थ-श्रुतस्कंध प्रथम	सुधर्मास्वामी	अज्ञात	प्रा., मा.गु.	९	४९-५८	अ.		पदच्छेद चिह्न है।	आ. अंग
४७८	०३९८	श्राद्ध विधि	अज्ञात		सं.	९	२१-२५	अ.		अंत अपूर्ण।	आचार
४७९	०३९९	अज्ञात जैनेतर कथा	अज्ञात		पु.हिं.	१४	१-?	अ.		प्रतिलेखकद्वारा अपूर्ण, अनुमानित पत्रांक।	कथा
४८०	०४००	वैद्यकशास्त्र	अज्ञात		मा.गु.	१०	२-२८	अ.		अंत अपूर्ण।	आयु.
४८१	०४०१	साधारणजिन स्तवन आदि	अज्ञात		मा.गु.	२	१-२	अ.		अंत अपूर्ण।	स्तवन
४८२	०४०१/पे.१	साधारणजिन स्तवन	अज्ञात		मा.गु.		१अ-१ब	पू.			स्तवन
४८३	०४०१/पे.२	सातसमुद्घात	अज्ञात		मा.गु.		१ब-२ब	अ.		अंत अपूर्ण, भगवतीसूत्र-श.६वां, उ.१ गत।	तत्त्व.
४८४	०४०२	जंबूस्वामी कथा सह अर्थ	अज्ञात	अज्ञात	मा.गु., मा.गु.	५	१-५	अ.		अंत अपूर्ण, त्रिपाठ।	कथा
४८५	०४०३	चोवीसजिन स्तवन	रुचिरविमल		मा.गु.	११	१-११	अ.		अंत में कल्याणक अपूर्ण है।	स्तवन
४८६	०४०४	कोकशास्त्र	कोकदेव		मा.गु.	२४	३-३३	अ.		प्रतिलेखकद्वारा अपूर्ण।	कामशास्त्र
४८७	०४०५	अज्ञात	अज्ञात		मा.गु.	११	?	अ.		अंत अपूर्ण, अनुमानित पत्रांक, गुजराती लिपि।	
४८८	०४०६	स्थुलिभद्र राजर्षि सज्झाय आदि	जिनहर्ष		मा.गु.	६	१-६	अ.		अंत अपूर्ण।	उप.
४८९	०४०७	कविप्रिया	केशव मिश्र		मा.गु.	७२	१-७३	अ.		अंत अपूर्ण।	काव्य
४९०	०४०८	विक्रमसेन-लीलावती रास	मानसागर		मा.गु.	११	१-११	अ.		प्रतिलेखकद्वारा अपूर्ण।	कथा
४९१	०४०९	चोवीसदंडक अल्पबहुत्व विचार	अज्ञात		मा.गु.	२	१-२	अ.		अंत अपूर्ण।	तत्त्व.
४९२	०४१०	अनाथी मुनि सज्झाय	अज्ञात		मा.गु.	५	११-१५	अ.		अंत अपूर्ण।	उप.
४९३	०४११	नेमिजिन स्तवन आदि	अज्ञात		मा.गु.	२२	१४-३५	अ.		अंत अपूर्ण, अनुमानित पत्रांक, गुजराती लिपि।	स्तवन
४९४	०४१२	सवैया आदि	अज्ञात		मा.गु.	४५	१-४५	अ.		प्रतिलेखकद्वारा अपूर्ण, अनुमानित पत्रांक, गुजराती लिपि।	उप.

अ.नं.	हस्तप्रत क्र.	ग्रंथनाम	मूल कर्ता	टीका कर्ता	भाषा	कु.पत्र	उप.पत्र	पू./अ.	ले.वर्ष	रिमार्क	विषय
४९५	०४१३	बारह व्रत अतिचार आदि	अज्ञात		मा.गु.	८	१-२७	अ.			आचार
४९६	०४१४	सिद्धांतमुक्तावली आदि	वल्लभाचार्य		सं.	२२	३९-२४२	अ.		अंत अपूर्ण।	जैने. दर्शन
४९७	०४१५	षडावश्यकसूत्र	गणधर		प्रा.	६७	४-४५, ४-३४	अ.		अंत अपूर्ण, अनुमानित पत्रांक।	आ. आव.
४९८	०४१६	चौदह स्वप्न छंद आदि	मान		मा.गु.	३५	३९-७३	अ.	१७८४		स्तवन
४९९	०४१७	विक्रमराजा कथा	अज्ञात		म.	१६	३७-५५	अ.		अंत अपूर्ण।	कथा
५००	०४१८	भक्तामर स्तोत्र आदि	मानतुंगसूरि		सं.	८९	१-८९	अ.		प्रतिलेखकद्वारा अपूर्ण, गुटका, अनुमानित पत्रांक।	स्तोत्र
५०१	०४१९	दान-शील-तप-भावना संवाद आदि	समयसुंदर उपा.		मा.गु.	१३९	१-१३, १-१३१	अ.	१७९९	गुटका।	उप.
५०२	०४२०	सुंदरशृंगार वर्णन	सुंदर		मा.गु.	४७	१-४९	अ.			काव्य
५०३	०४२१	मुहूर्तमुक्तावली आदि	नीलकंठाचार्य		सं.	४७	१-४७	अ.		अंत अपूर्ण, प्रारंभ में फूटकर कृति है, अनुमानित पत्रांक।	ज्यो.
५०४	०४२२	कल्पसूत्र सह अंतर्वाच्य टबार्थ	भद्रबाहुस्वामी	अज्ञात	प्रा., सं.+मा.गु.	१६०	१-१६२	अ.	१७१८	कथा सहित, संशोधित।	आ.
५०५	०४२३	नवतत्त्व प्रकरण सह बालावबोध	स्थविर	अज्ञात	प्रा., मा.गु.	४	१-४	अ.		अंत अपूर्ण।	तत्त्व.
५०६	०४२४	पांडव गीता	अज्ञात		सं.	२३	१-?	अ.		अंत अपूर्ण, अनुमानित पत्रांक।	उप.
५०७	०४२५	जीवविचार प्रकरण	शांतिसूरि		प्रा.	५	२-८	अ.		अंत अपूर्ण।	तत्त्व.
५०८	०४२६	अज्ञात	अज्ञात		मा.गु.	२१	२-२२?	अ.		अंत अपूर्ण, गुटका, अनुमानित पत्रांक, पुरानी गुजराती मोडी लिपि।	स्तवन
५०९	०४२७	नवतत्त्व प्रकरण सह टबार्थ	स्थविर	अज्ञात	प्रा., मा.गु.	५	२-७	अ.			तत्त्व.
५१०	०४२८	गणित पाटी	अज्ञात		मा.गु.	२१	१-२१	अ.		अंत अपूर्ण।	गणित
५११	०४२९	उपदेशरत्नकोश सह टबार्थ	अज्ञात	अज्ञात	प्रा., मा.गु.	५	१-५	अ.		अंत अपूर्ण।	उप.

अ.नं.	हस्तप्रत क्र.	ग्रंथनाम	मूल कर्ता	टीका कर्ता	भाषा	कु.पत्र	उप.पत्र	पू./अ.	ले.वर्ष	रिमार्क	विषय
५१२	०४३०	धूर्ताख्यान प्रबंध	इंद्रसौभाग्य		मा.गु.	४	१०-१३	अ.	१७४५		कथा
५१३	०४३१	आठ कर्म एक सौ अट्ठावन प्रकृति विचार	अज्ञात		मा.गु.	३	१-३	अ.		अंत अपूर्ण।	कर्म.
५१४	०४३२	शांतिजिन चोपाई	ज्ञानसागर		मा.गु.	२६	५-४४	अ.	१७४९	संशोधित।	कथा
५१५	०४३३	अभिधानचिंतामणि नाममाला-देव कांड	हेमचंद्रसूरि		सं.	५	१३-१७	अ.		संशोधित, पदच्छेद चिह्न है।	कोश
५१६	०४३४	राजनीतिशास्त्र (लघु)	चाणक्य		सं.	८	१-९	अ.		प्रतिलेखकद्वारा अपूर्ण।	नीति
५१७	०४३५	राजनीतिशास्त्र (लघु, वृद्ध) सह अर्थ	चाणक्य	अज्ञात	सं., मा.गु.	९	५-२०	अ.	१८८२		नीति
५१८	०४३६	चार मंगल	जयमल		मा.गु.	२	१-२	अ.		अंत अपूर्ण।	स्तवन
५१९	०४३७	जिनसमता स्तवन आदि	सकलचंद्र मुनि		मा.गु.	२	१-२	अ.		अंत अपूर्ण।	स्तवन
५२०	०४३७/पे.१	जिनसमता स्तवन	सकलचंद्र मुनि		मा.गु.		१अ-२अ	पू.			स्तवन
५२१	०४३७/पे.२	महावीरजिन निर्वाण स्तवन (गौतमविलाप गर्भित)	अज्ञात		मा.गु.		२अ-२ब	अ.		अंत अपूर्ण।	स्तवन
५२२	०४३८	ग्रहदशा यंत्र	अज्ञात		सं.	४	१-४	अ.		अंत अपूर्ण।	ज्यो.
५२३	०४३९	नवतत्त्व प्रकरण सह टबार्थ	स्थविर	उत्तमसागर	प्रा., मा.गु.	१०	१-१२	अ.	१७१९		तत्त्व.
५२४	०४४०	षड्द्रव्य व्याख्यान	अज्ञात		मा.गु.	२५	१९-४४	अ.		अंत अपूर्ण, नवतत्त्व स्वरूप है।	तत्त्व.
५२५	०४४१	सूत्रकृतांगसूत्र सह दीपिकाटीका-श्रुतस्कंध प्रथम	सुधर्मास्वामी	हर्षकुल पं.	प्रा., सं.	८७	२-८८	अ.	१६६८		आ. अंग
५२६	०४४२	पंचांग यंत्र	अज्ञात		मा.गु.	९	१-९	अ.		अंत अपूर्ण, सन-१२६०	ज्यो.
५२७	०४४३	वैद्यजीवन सह टिप्पणी	लोलिंबराज	अज्ञात	सं., मा.गु.	१७	४-२०	अ.		संशोधित।	आयु.
५२८	०४४४	गजसुकुमाल गीतबंध रास आदि	अज्ञात		मा.गु.	३	१-३	अ.		अंत अपूर्ण।	कथा
५२९	०४४५	गौतमपृच्छा सह टबार्थ	अज्ञात	अज्ञात	प्रा., मा.गु.	५	१-८	अ.			उप.
५३०	०४४६	स्थानांगसूत्र	सुधर्मास्वामी		प्रा.	१४	६७-८२	अ.		अंत अपूर्ण, ठाणं-३ पर्यंत।	आ. अंग
५३१	०४४७	संग्रहणीसूत्र सह बालावबोध	श्रीचंद्रसूरि	दयासिंह पं.	प्रा., मा.गु.	५५	१-५५	अ.		अंत अपूर्ण।	तत्त्व.

अ.नं.	हस्तप्रत क्र.	ग्रंथनाम	मूल कर्ता	टीका कर्ता	भाषा	कु.पत्र	उप.पत्र	पू./अ.	ले.वर्ष	रिमार्क	विषय
५३२	०४४८	बावीस अभक्ष्य नाम आदि	अज्ञात		मा.गु.	७	९-१९	अ.		अंत अपूर्ण, अनुमानित पत्रांक, पाठ खंडित।	आचार
५३३	०४४९	भजन संग्रह	अज्ञात		म.	१४	१-१४	अ.		अंत अपूर्ण, गुटका।	स्तवन
५३४	०४५०	पंचतंत्राधिकार चोपाई	अज्ञात		मा.गु.	१२८	१-१२८	अ.		अंत अपूर्ण, पंचाख्याने नीतिशास्त्रे।	कथा
५३५	०४५१	चोवीसजिन स्तवन	यशोविजय उपा.		मा.गु.	८	२-९	अ.	१८७१		स्तवन
५३६	०४५२	नवतत्त्व बालावबोध	स्थविर		मा.गु.	४	१-६	अ.		अंत अपूर्ण।	तत्त्व.
५३७	०४५३	कोक चोपाई	नर्मदाचार्य		मा.गु.	२८	४२-८४	अ.			कामशास्त्र
५३८	०४५४	रविवार कथा ?	अज्ञात		मा.गु.	६	१-६	अ.		अंत अपूर्ण, संशोधित।	कथा
५३९	०४५५	अमरसेन-वज्रसेन कथा	तेज मुनि		मा.गु.	११	७-१७?	अ.		अंत अपूर्ण।	कथा
५४०	०४५६	जिनवाणी पद आदि	अज्ञात		मा.गु.	२५	?	अ.		आदि अंत अपूर्ण, अनुमानित पत्रांक, गुटका, मोडी गुजराती लिपि।	स्तवन
५४१	०४५७	पद संग्रह	अज्ञात		मा.गु.	५२	४-६२	अ.		अंत अपूर्ण, गुटका, अनुमानित पत्रांक।	स्तवन
५४२	०४५८	रामरक्षा स्तोत्र आदि	अज्ञात		सं.	४४	६-२५, १-२४	अ.	१७५५	अंत अपूर्ण, गुटका, अनुमानित पत्रांक।	स्तोत्र
५४३	०४५९	अज्ञात कथा	अज्ञात		मा.गु.	३८	?	अ.		आदि अंत अपूर्ण, अनुमानित पत्रांक।	कथा
५४४	०४६०	नवपद पूजा	मतिविजय		मा.गु.	३६	४-२७, १-१२	अ.	१८७१		स्तवन
५४५	०४६१	अज्ञात जैनेतर ग्रंथ	अज्ञात		मा.गु.	३८	?	अ.		प्रारंभ अपूर्ण, अनुमानित पत्रांक, मोडी गुजराती लिपि।	जैने.
५४६	०४६२	रसिकप्रिया	इंद्रजित		पु.हिं.	१५९	७-१९८	अ.		अंत अपूर्ण।	काव्य
५४७	०४६३	संथारापोरिसीसूत्र आदि	अज्ञात		प्रा.	८३	४-९, १-७७	अ.		गुटका, प्रारंभ में अज्ञात कृति है, मोडी गुजराती लिपि।	आ. आव.
५४८	०४६४	स्थुलिभद्र नवरस	रत्नविजय पं.		मा.गु.	१४	५-१८	अ.	१८२२	अनुमानित पत्रांक, गुटका।	कथा

अ.नं.	हस्तप्रत क्र.	ग्रंथनाम	मूल कर्ता	टीका कर्ता	भाषा	कु.पत्र	उप.पत्र	पू./अ.	ले.वर्ष	रिमार्क	विषय
५४९	०४६५	पार्श्वजिन छंद आदि	मेघराज मुनि		मा.गु.	११	१-११	अ.		अंत अपूर्ण, अनुमानित पत्रांक, गुटका।	स्तवन
५५०	०४६६	अज्ञात छंद आदि	अज्ञात		म.	६२	१-६२	अ.		अंत अपूर्ण, प्रथम कृति प्रतिलेखकद्वारा अपूर्ण, अनुमानित पत्रांक, गुटका।	जैने. स्तवन
५५१	०४६७	ललितांगकुमार कथा आदि	अज्ञात		मा.गु.	३४	१५०-१८४	अ.		अंत अपूर्ण, प्रथम कृति प्रतिलेखकद्वारा अपूर्ण, संशोधित, गुटका।	कथा
५५२	०४६८	हरिबल चरित्र	लब्धि		मा.गु.	९१	१-९१	अ.		अंत अपूर्ण।	कथा
५५३	०४६९	वीसविहरमान गीत	लिंब		मा.गु.	११	३-१३	अ.		अंत अपूर्ण।	स्तवन
५५४	०४७०	वीसविहरमान स्तवन	देवचंद्र उपा.		मा.गु.	९	१-९	अ.		अंतिम पत्र नहीं है, संशोधित।	स्तवन
५५५	०४७१	त्रयोविंशतियुगप्रधाननाम यंत्र	अज्ञात		प्रा.+सं.	२८	१-२८	अ.		अंत अपूर्ण।	तत्त्व.
५५६	०४७२	महादेवी पत्र	अज्ञात		मा.गु.	१५२	१-१५२	पू.		कोष्टक कृति।	ज्यो.
५५७	०४७३	भागवत पुराण	अज्ञात		सं.	१ रोल		अ.		रोल, सचित्र।	जैने. पुराण
५५८	०४७४	पार्श्वजिन स्तवन (गोडी)	अज्ञात		मा.गु.	३३	?	अ.		अंत अपूर्ण, गुटका।	स्तवन
५५९	०४७५	अज्ञात यंत्र मंत्र संग्रह	अज्ञात		मा.गु.	३६	१-३६	पू.		गुटका।	मंत्र
५६०	०४७६	शालिहोत्र	अज्ञात		मा.गु.	९२	३-१००	अ.	१९६५	गुटका।	अश्वशास्त्र
५६१	०४७७	उपासकदशांगसूत्र	सुधर्मास्वामी		प्रा.	१८	१-१९	अ.	१६०६		आ. अंग
५६२	०४७८	सुबोधिनी पद्धति	अज्ञात		सं	२६	१-२६	पू.	१९१८		ज्यो.
५६३	०४७९	आदित्यहृदय स्तोत्र	अज्ञात		सं	१४	१-१४	पू.	१९१०	भविष्योत्तरपुराणे श्री कृष्णार्जुनसंवादे।	स्तोत्र
५६४	०४८०	भवानी कवच	अज्ञात		सं	२	१-२	पू.		रुद्रयामले महागुप्तसारे।	स्तोत्र
५६५	०४८१	स्त्रीवश्यप्रतिकार आदि	अज्ञात		मा.गु.	९	१-९	अ.		प्रारंभ अपूर्ण, प्रतिलेखकद्वारा अंत अपूर्ण, गुटका।	आयु.
५६६	०४८२	अष्टोत्तरीस्नात्र विधि	अज्ञात		मा.गु.	२	१-२	पू.			विधि
५६७	०४८३	एकाधिक ग्रंथ संग्रह									

अ.नं.	हस्तप्रत क्र.	ग्रंथनाम	मूल कर्ता	टीका कर्ता	भाषा	कु.पत्र	उप.पत्र	पू./अ.	ले.वर्ष	रिमार्क	विषय
५६८	०४८४	एकाधिक ग्रंथ संग्रह				१७६					
५६९	०४८५	एकाधिक ग्रंथ संग्रह				१६९					
५७०	०४८६	एकाधिक ग्रंथ संग्रह				१६७					
५७१	०४८७	एकाधिक ग्रंथ संग्रह				१७१					
५७२	०४८८	एकाधिक ग्रंथ संग्रह				१९३					
५७३	०४८९	महोदयसूरि रास	जिनरत्नाश्री		मा.गु.	४	१-४	पू.			कथा
५७४	०४९०	योगसूत्र प्रवेशिका	वैराग्यरतिविजय		सं.			पू.			दर्शन
५७५	डा.१/ता.०१	हेमभूषण चरित्र	प्रशमनिधिश्री		सं.	१०१	१-१०१	पू.	२०७४		कथा
५७६	डा.१/ता.०२	सर्वसिद्धांत स्तव सह अवचूरि	जिनप्रभसूरि	सोमोदय गणी	सं., सं.	२४	१-२४	पू.	२०७४	लेजर मार्किंग।	स्तोत्र
५७७	डा.१/ता.०३	बृहत्कल्पसूत्र	भद्रबाहुस्वामी		प्रा.	५७	१-५७	पू.			आ. छेद
५७८	डा.१/ता.०४	शुभाभिलाषा	प्रशमरतिविजय		सं.	१९	१-१९	पू.	२०७५		उप.
५७९	डा.१/ता.०५	चतुर्विंशतिजिन स्तव सह विवृत्ति	जिनप्रभसूरि	चंद्रोदयविजय	सं., सं.	२९	१-२९	पू.			स्तोत्र
५८०	डा.२/ता.०६	मनःस्थिरीकरण प्रकरण सह टीका-खंड १ला	महेंद्रसिंहसूरि	महेंद्रसिंहसूरि	प्रा., सं.	५०	१-५०	पू.	२०७५	लेजर मार्किंग।	तत्त्व.
५८१	डा.२/ता.०७	मनःस्थिरीकरण प्रकरण सह टीका-खंड २रा	महेंद्रसिंहसूरि	महेंद्रसिंहसूरि	प्रा., सं.	५०	५१-१००	पू.	२०७५	लेजर मार्किंग।	तत्त्व.
५८२	डा.२/ता.०८	मनःस्थिरीकरण प्रकरण सह टीका-खंड ३रा	महेंद्रसिंहसूरि	महेंद्रसिंहसूरि	प्रा., सं.	४४	१०१-१४४	पू.	२०७५	लेजर मार्किंग।	तत्त्व.
५८३	डा.२/ता.०९	स्याद्वादपुष्पकलिका सह कलिकाप्रकाश वृत्ति-खंड १ला	चारित्रनंदी उपा.	चारित्रनंदी उपा.	सं., सं.	६४	१-६४	पू.	२०७५	लेजर मार्किंग।	तत्त्व.
५८४	डा.२/ता.१०	स्याद्वादपुष्पकलिका सह कलिकाप्रकाश वृत्ति-खंड २रा	चारित्रनंदी उपा.	चारित्रनंदी उपा.	सं., सं.	६४	६५-१२८	पू.	२०७५	लेजर मार्किंग।	तत्त्व.
५८५	डा.३/ता.११	बुद्धिसागर	संग्रामसिंह सोनी		सं.	३८	१-३८	पू.	२०७५	लेजर मार्किंग।	उप.

अ.नं.	हस्तप्रत क्र.	ग्रंथनाम	मूल कर्ता	टीका कर्ता	भाषा	कु.पत्र	उप.पत्र	पू./अ.	ले.वर्ष	रिमार्क	विषय
५८६	डा.३/ता.१२	भवभावना सह अवचूरि-खंड १ला	हेमचंद्रसूरि	अज्ञात	प्रा., सं.	५०	१-५०	पू.	२०७५	लेजर मार्किंग।	उप.
५८७	डा.३/ता.१३	भवभावना सह अवचूरि-खंड २रा	हेमचंद्रसूरि	अज्ञात	प्रा., सं.	४९	५१-९९	पू.	२०७५	लेजर मार्किंग।	उप.
५८८	डा.३/ता.१४	भवभावना सह अवचूरि-खंड ३रा	हेमचंद्रसूरि	अज्ञात	प्रा., सं.	३४	१००-१३३	पू.	२०७५	लेजर मार्किंग।	उप.
५८९	डा.३/ता.१५	स्तोत्र संग्रह-भाग १ला	अज्ञात		प्रा.+सं.	६४	१-६४	पू.	२०७५	लेजर मार्किंग।	स्तोत्र
५९०	डा.३/ता.१६	स्तोत्र संग्रह-भाग २रा	अज्ञात		प्रा.+सं.	६१	६५-१२५	पू.	२०७५	लेजर मार्किंग।	स्तोत्र
५९१	डा.४/ता.१७	दृष्टांतशतक सह अवचूरि	नरेंद्रप्रभसूरि	अज्ञात	सं., सं.	४०	१-४०	पू.	२०७६	लेजर मार्किंग।	उप.
५९२	डा.४/ता.१८	जैनदार्शनिक प्रकरण संग्रह-खंड १ला	अनेक जैन श्रमण		सं.	६०	१-६०	पू.	२०७६	लेजर मार्किंग, प्रकरण-१-९, चतुश्चत्वारिंशत्प्रकरणात्मकः	जैन न्याय
५९३	डा.४/ता.१९	जैनदार्शनिक प्रकरण संग्रह-खंड २रा	अनेक जैन श्रमण		सं.	६०	६१-१२०	पू.	२०७६	लेजर मार्किंग, प्रकरण-१०-२५, चतुश्चत्वारिंशत्प्रकरणात्मकः	जैन न्याय
५९४	डा.४/ता.२०	जैनदार्शनिक प्रकरण संग्रह-खंड ३रा	अनेक जैन श्रमण		सं.	५६	१२१-१७६	पू.	२०७६	लेजर मार्किंग, प्रकरण-२६-४४, चतुश्चत्वारिंशत्प्रकरणात्मकः	जैन न्याय
५९५	डा.४/ता.२१	मंडलविचार प्रकरण सह वृत्ति आदि	विनयकुशल गणी	विनयकुशल गणी	प्रा., सं.	७९	१-७९	पू.	२०७६	लेजर मार्किंग।	तत्त्व.
५९६	डा.४/ता.२१/पे.१	मंडलविचार प्रकरण सह वृत्ति	विनयकुशल गणी	विनयकुशल गणी	प्रा., सं.		१-६६	पू.		लेजर मार्किंग।	तत्त्व.
५९७	डा.४/ता.२१/पे.२	चंद्रसूर्यमंडल विचार	मुनिचंद्रसूरि		प्रा.+सं		६७-६९	पू.		लेजर मार्किंग।	तत्त्व.
५९८	डा.४/ता.२१/पे.३	कालविचारशतक	मुनिचंद्रसूरि		प्रा.		७०-७९	पू.		लेजर मार्किंग।	तत्त्व.

(२)

कृति की वर्णानुसार सूचि

हस्तप्रत क्र.	ग्रंथनाम
०३१५	अंजनासुंदरी-पवनंजयकुमार संबंध
०२२३	अंबा अष्टक
००१४/पे.२	अइमुत्ता सज्झाय
०२५९/पे.१	अजितजिन स्तवन
०२५९/पे.२	अजितजिन स्तवन
०२५०	अजितजिन स्तवन आदि
००९७/पे.२	अजितजिन स्तुति
०२०१	अट्ठानवे बोल
०२६४/पे.२	अठारह भार वनस्पति
००२१/पे.१	अढार नातरा गीत
००५७	अढार नातरा सज्झाय
०१४४	अढार नातरा सज्झाय आदि
०१५४	अध्यात्म पद आदि
०२६९/पे.१	अनंतजिन स्तवन
०३२०	अनाथी मुनि चोपाई
०३९५	अनाथी मुनि सज्झाय
०४१०	अनाथी मुनि सज्झाय
०१३२	अभक्ष्य अनंतकाय सज्झाय
०४३३	अभिधानचिंतामणि नाममाला-देव कांड
०२७१/पे.१	अभिनंदनजिन स्तवन
०४५५	अमरसेन-वज्रसेन कथा
००९६/पे.२	अरणिक साधु सज्झाय
०३०३	अरबी शकुनावली
०१३४	अरिहंतराजा-मोहराजा लडाई सज्झाय

हस्तप्रत क्र.	ग्रंथनाम
०३४९	अल्पबहुत्व पच्चीसद्वार
००३२/पे.१	अष्टमी स्तुति
०४८२	अष्टोत्तरीस्नात्र विधि
०२४१	आचारांगसूत्र बोल
०३५०	आचारांगसूत्र सह टबार्थ
०३९७	आचारांगसूत्र सह टबार्थ-श्रुतस्कंध प्रथम
०१३१	आठ कर्म एक सौ अट्ठावन प्रकृति विचार
०४३१	आठ कर्म एक सौ अट्ठावन प्रकृति विचार
००८१	आठ कर्म एक सौ अट्ठावन प्रकृति विवरण
०२६५	आत्म गीत
०३८५	आत्मशिक्षा सज्झाय आदि
०१८४/पे.१	आदिजिन प्रभाती
०१९८	आदिजिन भास आदि
०१९२/पे.१	आदिजिन विनति
०२४४/पे.१	आदिजिन स्तवन
०१५०	आदिजिन स्तवन (शत्रुंजय मंडन)
०४७९	आदित्यहृदय स्तोत्र
०१००	आराधना प्रकरण सह टबार्थ
००८२	आर्यदेशनाम आलापक सह टबार्थ
०१३९	आर्या स्तुति
००६०	आवश्यक फल गाथा
०३३१	आवश्यकसूत्र
०३३२	आवश्यकसूत्र सह टबार्थ
०३३३	आवश्यकसूत्र सह टबार्थ
०३३५	आवश्यकसूत्र सह टबार्थ

हस्तप्रत क्र.	ग्रंथनाम
०१११	आवश्यकसूत्र सह बालावबोध
०१३०/पे.१	आशकुंवर सज्झाय
०३७६	आषाढाभूति रास
०२००	इलाचीकुमार रास
००४४	इलापुत्र सज्झाय
०१५३	इलापुत्र सज्झाय
०३३९	उत्तराध्ययनसूत्र
०३०२	उत्तराध्ययनसूत्र सह अर्थ-अध्ययन ३-४
०३३६	उत्तराध्ययनसूत्र सह टबार्थ
०२३८	उद्देश ग्रंथ विचार
०२२५	उनतीस पापश्रुत प्रसंग आदि
००५८	उपदेशक पद
०१५५	उपदेशक पद
०२५५/पे.२	उपदेशक पद
०२६६/पे.१	उपदेशक पद
०२६६/पे.२	उपदेशक पद
०१३६	उपदेशक पद आदि
००५६/पे.१	उपदेशक सज्झाय
०१३५	उपदेशक सज्झाय
०१३८/पे.२	उपदेशक सज्झाय
०१६४	उपदेशक सज्झाय
०३६३	उपदेशक सज्झाय
०४२९	उपदेशरत्नकोश सह टबार्थ
००६८	उपशम सज्झाय
०४७७	उपासकदशांगसूत्र

हस्तप्रत क्र.	ग्रंथनाम
०२७६/पे.२	ऋषभजिन बारमास
०३२१	ऋषभजिन विवाहलो
०३५२	ऋषभजिन विवाहलो
०२३०/पे.१	ऋषभजिन स्तवन
०१८८	ऋषभजिन हमची
०३३७	ऋषिदत्ता रास
०२८४	ऋषिदत्ता रास आदि
०१२२	एकादशी माहात्म्य सज्झाय
००९४	कठियारा सज्झाय
०२४७	कर्मग्रंथ-६ सह टबार्थ
०२६३	कर्मविपाक (लघु) टबार्थ
०३२३	कल्पसूत्र टबार्थ
०३२९	कल्पसूत्र नव व्याख्यान पद्धति
०१०९	कल्पसूत्र वाचना विधि सह टबार्थ
०४२२	कल्पसूत्र सह अंतर्वाच्य टबार्थ
००८५	कल्पसूत्र सह टबार्थ
०३३८	कल्पसूत्र सह टबार्थ
००७०	कल्याणमंदिर स्तवन सह अवचूरि
००२२	कल्याणमंदिर स्तोत्र
००२६/पे.१	कल्याणमंदिर स्तोत्र
०४०७	कविप्रिया
०२८०	कायस्थितिद्वार
०१२५/पे.१	काया-जीव संवाद
०१५९	काया-जीव संवाद
०१२५/पे.२	काया-जीव संवाद सज्झाय

हस्तप्रत क्र.	ग्रंथनाम
डा.४/ता.२१/पे.३	कालविचारशतक
०११०/पे.१	केशवजी भास
०११०/पे.२	केशवजी भास
०४५३	कोक चोपाई
०४०४	कोकशास्त्र
०३७०	कोकसार चोपाई
०२३६	क्षमाछत्रीसी
०१६२	गंगा अष्टक
०४४४	गजसुकुमाल गीतबंध रास आदि
०१२९/पे.२	गजसुकुमाल सज्झाय
०४२८	गणित पाटी
०००१	गति-आगति बोल आदि
००४०	गर्भवेली सज्झाय
००७५	गहुंली
०१४९	गांगेय भंग
०३९३/पे.२	गुणमाला स्तवन
००८४	गुणरत्नाकर छंद
०१२८/पे.२	गुरुगुण गहुंली
००१०/पे.२	गौतम कुलक सह टबार्थ
०४४५	गौतमपृच्छा सह टबार्थ
०१९७	गौतमस्वामी छंद
०३६९	गौतमस्वामी रास
०३८७	गौतमस्वामी रास
००२६/पे.२	गौतमस्वामी सज्झाय

हस्तप्रत क्र.	ग्रंथनाम
००३१/पे.२	गौतमस्वामी सज्झाय
०११८	गौतमस्वामी सज्झाय
०३४७	गौतमस्वामी स्तोत्र आदि
०२६७	ग्यारह गणधर यंत्र
०२६८	ग्यारह गणधर यंत्र
०४३८	ग्रहदशा यंत्र
०२७०	चंद्रप्रभजिन पद आदि
डा.४/ता.२१/पे.२	चंद्रसूर्यमंडल विचार
०३४५	चंद्रसेन रास
०३६६	चतुःपर्वी रास
००२०	चतुःशरण प्रकीर्णक
०१७६	चतुःशरण प्रकीर्णक
०२९१	चतुःशरण प्रकीर्णक सह अवचूरि
०३८६	चतुःशरण प्रकीर्णक सह टबार्थ
०००४	चतुर्विंशतिजिन नमस्कार
डा.१/ता.०५	चतुर्विंशतिजिन स्तव सह विवृत्ति
०३५५	चर्चा पत्र
०२४५/पे.२	चार गोला दृष्टांत
०४३६	चार मंगल
००५३	चित्रसंभूति सज्झाय
०११६	चोतीस अतिशय विचार
०२९४	चोमासी देववंदन
०२९९	चोवीसजिन आंतरा
०००६	चोवीसजिन आयुमान
०००५	चोवीसजिन कल्याणक तिथि

हस्तप्रत क्र.	ग्रंथनाम
०००२	चोवीसजिन गर्भकालमान यंत्र
०१९५	चोवीसजिन चैत्यवंदन
०१४५	चोवीसजिन नाम आदि
०००३	चोवीसजिन मातापितादि नाम वर्णन
०२९६	चोवीसजिन विमानादि कोष्टक
०२२९	चोवीसजिन स्तवन
०४०३	चोवीसजिन स्तवन
०४५१	चोवीसजिन स्तवन
०३७३	चोवीसजिन स्तवन आदि
०३९१	चोवीसजिन स्तवन आदि
०३७२	चोवीसजिन स्तुति
०२२८	चोवीसजिन स्तुति आदि
०१६८	चोवीसजिन स्तोत्र (चतुर्विंशति दंडक विचार गर्भित) सह टबार्थ
०४०९	चोवीसदंडक अल्पबहुत्व विचार
०३९६	चोवीसीजिन स्तवन रागमाला आदि
०३९२	चोवीसीजिन स्तवन सह टबार्थ
००३७	चोसठ बोल सीखामण सज्झाय
०२४०	चौदह जीव भेद आदि
००८८	चौदह नियम गाथा सह अर्थ
०४१६	चौदह स्वप्न छंद आदि
०२१०	चौदह स्वप्न स्तवन
०१२४	छह व्रत सज्झाय आदि
०३११	जंबूस्वामी कथा
०३०६	जंबूस्वामी कथा सह अर्थ
०४०२	जंबूस्वामी कथा सह अर्थ

हस्तप्रत क्र.	ग्रंथनाम
०३०७	जंबूस्वामी चरित्र
००५२/पे.१	जंबूस्वामी सज्झाय
०३०४	जनावर शकुनावली
०१९६	जन्म कुंडली
०१८०	जसवंत भास
०२५८	जिन स्तवन
०१२०	जिनपूजा फल सज्झाय
०१०३	जिनराज विनति
०४५६	जिनवाणी पद आदि
०४३७/पे.१	जिनसमता स्तवन
०२२६	जीभलडी सज्झाय आदि
०४२५	जीवविचार प्रकरण
०२३५	जीवविचार प्रकरण सह टबार्थ
०२६४/पे.१	जीवविचार प्रतीक
डा.४/ता.१८	जैनदार्शनिक प्रकरण संग्रह-खंड १ला
डा.४/ता.१९	जैनदार्शनिक प्रकरण संग्रह-खंड २रा
डा.४/ता.२०	जैनदार्शनिक प्रकरण संग्रह-खंड ३रा
००५४	ज्योतिष चक्र
०३४८	तंदुलवैचारिक प्रकीर्णक सह बालावबोध
००६७	तमाकु परिहार सज्झाय
०२११	तीर्थराज स्तवन
०१२३	तृष्णा सज्झाय
०४७१	त्रयोविंशतियुगप्रधाननाम यंत्र
०३४४	दशवैकालिकसूत्र
०३५९	दशवैकालिकसूत्र

हस्तप्रत क्र.	ग्रंथनाम
०३६७	दशवैकालिकसूत्र
०३०५	दशवैकालिकसूत्र सह टबार्थ
०१७७	दशवैकालिकसूत्र-अध्ययन २रा
००४६	दशार्णभद्र सज्झाय
००२८	दसश्रावकनामादि विवरण
०१७०	दान सज्झाय
०४१९	दान-शील-तप-भावना संवाद आदि
०१७९	दान-शील-तप-भावना सह अर्थ
०१३०/पे.२	दीवाली सज्झाय
०२४८	दीवाली स्तवन
०२७७	दीवालीकल्प कथा संक्षेप
डा.४/ता.१७	दृष्टांतशतक सह अवचूरि
०१९९	देव संबंधी यंत्र
०१६३/पे.२	द्वितीया स्तुति
०२७९	द्वीपसमुद्र परिधि
००४८	धन्ना मुनि सज्झाय
००५०/पे.१	धन्ना सज्झाय
००५०/पे.२	धन्ना सज्झाय
००१३	धन्ना-शालिभद्र सज्झाय
०११९	धर्म सज्झाय
०१५८	धर्म सज्झाय
००४२	धर्म-अर्थ-काम अध्ययन सज्झाय आदि
०२०९/पे.२	धर्मजिन स्तवन
०२५७	धर्मजिन स्तवन आदि
०४३०	धूर्ताख्यान प्रबंध

हस्तप्रत क्र.	ग्रंथनाम
००६२	नमिराजा गीत
००६३	नमिराजा चोपाई
०३६८	नल-दमयंती रास
००६४	नव अंग पूजा दुहा
०११२	नव अंग पूजा दुहा
०३५६	नवकार रास
००३१/पे.१	नवकार सज्झाय
०२४५/पे.१	नवकारपच्चीसी
०१८६/पे.१	नवग्रह स्तोत्र
०२५३	नवतत्त्व प्रकरण
०२१३	नवतत्त्व प्रकरण आदि
०२५२	नवतत्त्व प्रकरण सह टबार्थ
०४२७	नवतत्त्व प्रकरण सह टबार्थ
०४३९	नवतत्त्व प्रकरण सह टबार्थ
०४२३	नवतत्त्व प्रकरण सह बालावबोध
०४५२	नवतत्त्व बालावबोध
०३८८	नवतत्त्व बोल
०४६०	नवपद पूजा
००२१/पे.२	नववाड गीत
०३१९/पे.२	नववाड सज्झाय
०३१३	नवस्मरण आदि
००५९	नारचंद्र ज्योतिष सह टिप्पण
०१६६	निरंजन अष्टक
०१६७/पे.१	निरंजन अष्टक
०१८५/पे.२	निरंजन अष्टक

हस्तप्रत क्र.	ग्रंथनाम
०१८६/पे.२	नेमजिन बारमास
०२७६/पे.१	नेमिजिन पद
०२२७	नेमिजिन भ्रमरगीता
०१४७	नेमिजिन सज्झाय
०२६१/पे.१	नेमिजिन स्तव
०१५२	नेमिजिन स्तवन
०४११	नेमिजिन स्तवन आदि
००९८	नेमि-राजुल सज्झाय
०४५०	पंचतंत्राधिकार चोपाई
०२५५/पे.१	पंचपरमेष्ठि आरति
००३२/पे.२	पंचमी स्तुति
०४४२	पंचांग यंत्र
००७८	पच्चक्खाण फल सज्झाय
००८३	पद संग्रह
००९०	पद संग्रह
०१६१	पद संग्रह
०४५७	पद संग्रह
०२३२	पद्मप्रभजिन स्तवन
०३५७	पद्मावती आख्यान
०२९५	पद्मावतीराणी आराधना
०१९२/पे.२	पद्मिनी स्तवन
००५५	परनिंदा सज्झाय
००६९	परमानंदबत्रीसी
०१६७/पे.२	परस्त्री परिहार सज्झाय
०२७१/पे.२	परिग्रह सज्झाय

हस्तप्रत क्र.	ग्रंथनाम
००३३/पे.२	पर्युषणा स्तुति
०३३०	पल्यविधान रास
०२६२	पांच सौ साठ अजीव भेद
०४२४	पांडव गीता
०००८	पाक्षिक अतिचार
०३५८	पाक्षिकसूत्र
०१४३	पाणी यतना सज्झाय
०४६५	पार्श्वजिन छंद आदि
००६६	पार्श्वजिन निशानी
०२५६	पार्श्वजिन निशानी
०२०५	पार्श्वजिन लावणी (मक्षी)
०१८९	पार्श्वजिन विनति (चिंतामणि)
००३४	पार्श्वजिन स्तवन
०१०४	पार्श्वजिन स्तवन
०२३०/पे.२	पार्श्वजिन स्तवन
०२३१	पार्श्वजिन स्तवन
०२३३	पार्श्वजिन स्तवन
०२६९/पे.२	पार्श्वजिन स्तवन
०१०५	पार्श्वजिन स्तवन (अंतरीक्ष)
०१४२	पार्श्वजिन स्तवन (अंतरीक्ष)
०४७४	पार्श्वजिन स्तवन (गोडी)
०२७२	पार्श्वजिन स्तवन (शंखेश्वर मंडन)
०१०२	पार्श्वजिन स्तवन (शंखेश्वर)
०२४६	पार्श्वजिन स्तवन आदि
०२६०	पार्श्वजिन स्तवन आदि

हस्तप्रत क्र.	ग्रंथनाम
०३८४	पार्श्वजिन स्तवन आदि
०१४०	पार्श्वजिन स्तवन सह टबार्थ
०१७८	पार्श्वजिन स्तुति
०१८१	पार्श्वजिन स्तोत्र (चिंतामणि)
००१०/पे.१	पुण्य कुलक सह टबार्थ
०२८१	पूजा विधि
०२२०	प्रज्ञाप्रकाशषट्त्रिंशिका सह टबार्थ
०१७१	प्रतिक्रमण विधि
०२५४	प्रत्याख्यानसूत्र
०३६२	प्रदेशीराजा चोपाई
०२१६	प्रश्नोत्तर
०१४६	प्रसन्नचंद्र सज्झाय
०३१०	प्रियमेलक कथा
०२४२	बारह भावना
०३८९	बारह भावना आदि
०४१३	बारह व्रत अतिचार आदि
०२३९	बाराक्षरी
०४४८	बावीस अभक्ष्य नाम आदि
०१७४	बुद्ध रास
डा.३/ता.११	बुद्धिसागर
डा.१/ता.०३	बृहत्कल्पसूत्र
०३८१	बृहत्शांति स्तोत्र
०२१४	बोल संग्रह
०२७५	बोल संग्रह
०२१८	ब्रह्मचर्यव्रत आलापक

हस्तप्रत क्र.	ग्रंथनाम
०१७३	भक्तामर स्तोत्र
०३५४	भक्तामर स्तोत्र
०३८०	भक्तामर स्तोत्र
०४१८	भक्तामर स्तोत्र आदि
०३२४	भक्तामर स्तोत्र पर्याय
०३५३	भक्तामर स्तोत्र सह टबार्थ
०१५६	भगवतीसूत्र बोल
०४४९	भजन संग्रह
००१४/पे.१	भरतराजेश्वर सज्झाय
डा.३/ता.१२	भवभावना सह अवचूरि-खंड १ला
डा.३/ता.१३	भवभावना सह अवचूरि-खंड २रा
डा.३/ता.१४	भवभावना सह अवचूरि-खंड ३रा
०४८०	भवानी कवच
०३२५	भविष्योत्तर पुराण-उत्तर खंड
०३७५	भागवत ओवी
०४७३	भागवत पुराण
०१७२	भीमसेन सज्झाय
डा.४/ता.२१/पे.१	मंडलविचार प्रकरण सह वृत्ति
०२०३	मन एकोनतीसी आदि
डा.२/ता.०६	मनःस्थिरीकरण प्रकरण सह टीका-खंड १ला
डा.२/ता.०७	मनःस्थिरीकरण प्रकरण सह टीका-खंड २रा
डा.२/ता.०८	मनःस्थिरीकरण प्रकरण सह टीका-खंड ३रा
०१८७	मनक मुनि सज्झाय
००७७	मनुष्यभवदुर्लभता दृष्टांत सह टबार्थ

हस्तप्रत क्र.	ग्रंथनाम
०१३७	मल्लिजिन स्तवन
०४७२	महादेवी पत्र
०४३७/पे.२	महावीरजिन निर्वाण स्तवन (गौतमविलाप गर्भित)
००९६/पे.१	महावीरजिन विनति
०२४४/पे.२	महावीरजिन स्तवन
०२४९	महावीरजिन स्तवन
००९३	महावीरजिन स्तवन सह टबार्थ
०२८२	महावीरजिन स्तुति आदि
०४८९	महोदयसूरि रास
००७२	मानतुंग-मानवती रास
०१७५	मानतुंग-मानवती रास
०३७९	मानतुंग-मानवती रास
००२४	मिच्छा मि दुक्कडं सज्झाय
०३०८	मुनिपति चरित्र
०२१९/पे.१	मुनिसुव्रतजिन स्तवन
०४२१	मुहूर्तमुक्तावली आदि
०१९१	मूर्खशतक सह टबार्थ
००९५	मेघकुमार सज्झाय
००४७	मेतार्य ऋषि सज्झाय
००२७	मौनएकादशी एक सौ पच्चास कल्याणक टिप
००२९	मौनएकादशी गणणुं
०२९२	मौनएकादशी स्तुति
०२९०	योग विधि आदि
०४९०	योगसूत्र प्रवेशिका
०१३८/पे.१	योगी सज्झाय

हस्तप्रत क्र.	ग्रंथनाम
०१२१	यौवनपच्चीसी
०२१५	रत्नपाल चरित्र
०३५१	रत्नपाल रास
००८९	रत्नमणिचूड रास
०४५४	रविवार कथा ?
०४६२	रसिकप्रिया
०४३४	राजनीतिशास्त्र (लघु)
०४३५	राजनीतिशास्त्र (लघु, वृद्ध) सह अर्थ
००९२	राज्यमानि सज्झाय
०१९४	रामरक्षा स्तोत्र
०४५८	रामरक्षा स्तोत्र आदि
०३४२	रुक्मिणी चरित्र
०११३	रूपसिंह आचार्य रास
०१०८	लघुशांति
०३३४	लघुशांति स्तोत्र सह टबार्थ
०४६७	ललितांगकुमार कथा आदि
००८६	लुंपाक चोपाई
०२०९/पे.१	वासुपूज्य स्तवन
०४१७	विक्रमराजा कथा
०३१४	विक्रमसेन चरित्र
००१८	विक्रमसेन-लीलावती रास
०४०८	विक्रमसेन-लीलावती रास
०२७४	विचार पत्र
००४९	विजयसेठ सज्झाय आदि
००४५	विजयसेठ-विजयासेठाणी सज्झाय

हस्तप्रत क्र.	ग्रंथनाम
०२१७	विद्वद्गोष्ठी
०१९०	विमलजिन स्तवन
०२७८	विमानदेवलोक संख्या
०३२६	विहरमानजिन गीत
००६१	विहरमानजिन स्तवन
०१०६	वीर स्तुति
०१५७	वीरजिन स्तवन
००३५	वीरजिन स्तुति
०२८६	वीसविहरमान गीत
०४६९	वीसविहरमान गीत
०२८७	वीसविहरमान स्तवन
०२८८	वीसविहरमान स्तवन
०२८९	वीसविहरमान स्तवन
०४७०	वीसविहरमान स्तवन
०१९३	वीसविहरमानजिन स्तवन
०२०६	वीसविहरमानजिन स्तवन
०२२२	वीसविहरमानजिन स्तवन
०२९३	वीसस्थानक स्तवन
०११५	वेतालपच्चीसी कथा
०४००	वैद्यकशास्त्र
०४४३	वैद्यजीवन सह टिप्पणी
००३०	वैराग्य आत्मा सज्झाय
००९९	शक्र स्तव बालावबोध
०१८५/पे.१	शक्रस्तव गद्य स्तोत्र
०३६०	शनिश्चर कथा
०१०७	शांतिकर स्तोत्र

हस्तप्रत क्र.	ग्रंथनाम
०४३२	शांतिजिन चोपाई
००५६/पे.२	शांतिजिन भास
०२०८	शांतिजिन स्तवन
०२६१/पे.२	शांतिजिन स्तवन
०२०७	शांतिजिन स्तवन (हस्तिनापुर मंडन)
०१६९	शांतिजिन स्तोत्र (कमलबद्ध)
०३०९	शालिभद्र चरित्र
०३२२	शालिभद्र चरित्र
००५१	शालिभद्र महामुनि सज्झाय आदि
०४७६	शालिहोत्र
०३६१	शाश्वत-अशाश्वतजिन स्तोत्र
००४१	शियल सज्झाय
००८७	शियलवेल सज्झाय
०२१२	शीतलजिन विनति
०२१९/पे.२	शीतलजिन स्तवन
डा.१/ता.०४	शुभाभिलाषा
०३४३	श्राद्ध विधि
०३९८	श्राद्ध विधि
००३८	श्रावक करणी सज्झाय
००३९	श्रावक सज्झाय
०००९	श्राविका अतिचार
०३८२	श्रीपाल चरित्र
००३६	श्रीपाल रास
०२३४	श्रेणिकनृप कथा
०३६४	षडावश्यकसूत्र

हस्तप्रत क्र.	ग्रंथनाम
०४१५	षडावश्यकसूत्र
०४४०	षड्द्रव्य व्याख्यान
०१२९/पे.१	संगीत स्तुति
०३१६	संग्रहणीसूत्र (बृहत्) टीका
००२५	संग्रहणीसूत्र (लघु) सह टबार्थ
०४४७	संग्रहणीसूत्र सह बालावबोध
००११	संथारा विधि
०४६३	संथारापोरिसीसूत्र आदि
०२५१	संवेगी सज्झाय आदि
०२८३	सत्रहभेदी पूजा
००८०	सनत्कुमार चक्रवर्ती रास
००१६	सप्तबंधव सज्झाय
००२३	सप्तव्यसन सज्झाय
०३१२	सप्तस्मरण
०००७	समकित विचार
००६५	समकित शील रास
०३२८	समकित सज्झाय आदि
०२०४	समयसार नाटक सिद्धांत
००१९	सम्यक्त्व गाथा
डा.१/ता.०२	सर्वसिद्धांत स्तव सह अवचूरि
००७९	सर्वार्थसिद्ध सज्झाय
०४१२	सवैया आदि
०१२६	सात व्यसन सज्झाय आदि
०४०१/पे.२	सातसमुद्घात
०१६०	सादडी तोफान चित्र

हस्तप्रत क्र.	ग्रंथनाम
००३३/पे.१	साधारणजिन चैत्यवंदन
०१६३/पे.१	साधारणजिन स्तवन
०२७३	साधारणजिन स्तवन
०४०१/पे.१	साधारणजिन स्तवन
००९१	साधु अतिचार
०३७७	साधुवंदना
०३८३	साधुवंदना
००७१	सामायिक दोष गाथा सह टबार्थ
००५२/पे.२	सामायिक सज्झाय
०२२१	सारस्वत व्याकरण सह वृत्ति सह टबार्थ-पंचसंधि
०३९०	सिंहलसुत चोपाई
००१२	सिद्ध पंचदश भेद आदि
०१४८/पे.२	सिद्धचक्र सज्झाय
०१४१	सिद्धचक्र स्तुति
०४१४	सिद्धांतमुक्तावली आदि
०२२४	सिद्धाचल स्तवन
०१८४/पे.२	सीखामण सज्झाय
०१५१	सीता सज्झाय
०१८२	सीमंधरजिन विनति
०३२७	सीमंधरजिन स्तवन आदि
०४२०	सुंदरशृंगार वर्णन
००१५	सुदर्शनसेठ सज्झाय
०३१९/पे.१	सुदर्शनसेठ सज्झाय
०४७८	सुबोधिनी पद्धति
००१७	सुभाषित

हस्तप्रत क्र.	ग्रंथनाम
०२९८	सुभाषित
०३१७	सुभाषित संग्रह
०११७	सुमतिजिन स्तवन (चोतीस अतिशय विचार गर्भित)
०३०१	सूक्तमाला
०२४३	सूत्रकृतांगसूत्र सह दीपिकाटीका
००७३	सूत्रकृतांगसूत्र सह दीपिकाटीका-श्रुतस्कंध द्वितीय
०४४१	सूत्रकृतांगसूत्र सह दीपिकाटीका-श्रुतस्कंध प्रथम
०१२७	सूत्रकृतांगसूत्र-अध्ययन ६वां
०१२८/पे.१	सूत्रकृतांगसूत्र-अध्ययन ६वां
०३४०	सूत्रकृतांगसूत्र-अध्ययन ६वां
०३००	सूरसेन-वीरसेन चरित्र ?
०३७८	सोलसती सज्झाय आदि
०२३७	स्तवन संग्रह
०२८५	स्तवनचोवीसी
डा.३/ता.१५	स्तोत्र संग्रह-भाग १ला
डा.३/ता.१६	स्तोत्र संग्रह-भाग २रा
०४८१	स्त्रीवश्यप्रतिकार आदि
०३४६	स्थानांगसूत्र
०३६५	स्थानांगसूत्र
०४४६	स्थानांगसूत्र
००४३	स्थुलिभद्र चरित्र
०३९३/पे.१	स्थुलिभद्र नवरस
०४६४	स्थुलिभद्र नवरस
०४०६	स्थुलिभद्र राजर्षि सज्झाय आदि
०१४८/पे.१	स्थुलिभद्र सज्झाय

हस्तप्रत क्र.	ग्रंथनाम
०२०२	स्थुलिभद्र सज्झाय
डा.२/ता.०९	स्याद्वादपुष्पकलिका सह कलिकाप्रकाश वृत्ति-खंड १ला
डा.२/ता.१०	स्याद्वादपुष्पकलिका सह कलिकाप्रकाश वृत्ति-खंड २रा
००७४	हंसराज-वत्सराज चोपाई
०१८३	हरि कथलो
०१०१	हरिणी छंद काव्य
०४६८	हरिबल चरित्र
००९७/पे.१	हीरविजयसूरि सज्झाय
डा.१/ता.०१	हेमभूषण चरित्र
०१३३	होरी गीत संग्रह
०१६५	होरी पद आदि
०११४	होरी पद संग्रह
००७६	होरी संग्रह

(३)

कृति के मूल कर्ता अनुसार सूचि

हस्तप्रत क्र.	मूल कर्ता	ग्रंथनाम
०२६३	(देवेंद्रसूरि)	कर्मविपाक (लघु) टबार्थ
०३२३	(भद्रबाहुस्वामी)	कल्पसूत्र टबार्थ
०३२४	(मानतुंगसूरि)	भक्तामर स्तोत्र पर्याय
०३१६	(श्रीचंद्रसूरि)	संग्रहणीसूत्र (बृहत्) टीका
००२१/पे.२	अजितदेवसूरि	नववाड गीत
००९७/पे.२	अज्ञात	अजितजिन स्तुति
०२०१	अज्ञात	अट्ठानवे बोल
०२६४/पे.२	अज्ञात	अठारह भार वनस्पति
००२१/पे.१	अज्ञात	अढार नातरा गीत
००५७	अज्ञात	अढार नातरा सज्झाय
०३२०	अज्ञात	अनाथी मुनि चोपाई
०३९५	अज्ञात	अनाथी मुनि सज्झाय
०४१०	अज्ञात	अनाथी मुनि सज्झाय
०३०३	अज्ञात	अरबी शकुनावली
०१३४	अज्ञात	अरिहंतराजा-मोहराजा लडाई सज्झाय
०३४९	अज्ञात	अल्पबहुत्व पच्चीसद्वार
०४८२	अज्ञात	अष्टोत्तरीस्नात्र विधि
०२४१	अज्ञात	आचारांगसूत्र बोल
०१३१	अज्ञात	आठ कर्म एक सौ अट्ठावन प्रकृति विचार
०४३१	अज्ञात	आठ कर्म एक सौ अट्ठावन प्रकृति विचार
००८१	अज्ञात	आठ कर्म एक सौ अट्ठावन प्रकृति विवरण
०२६५	अज्ञात	आत्म गीत
०१८४/पे.१	अज्ञात	आदिजिन प्रभाती
०४७९	अज्ञात	आदित्यहृदय स्तोत्र

हस्तप्रत क्र.	मूल कर्ता	ग्रंथनाम
०१३९	अज्ञात	आर्या स्तुति
००६०	अज्ञात	आवश्यक फल गाथा
००४४	अज्ञात	इलापुत्र सज्झाय
०२३८	अज्ञात	उद्देश ग्रंथ विचार
०२२५	अज्ञात	उनतीस पापश्रुत प्रसंग आदि
०१५५	अज्ञात	उपदेशक पद
०२६६/पे.१	अज्ञात	उपदेशक पद
०२६६/पे.२	अज्ञात	उपदेशक पद
०४२९	अज्ञात	उपदेशरत्नकोश सह टबार्थ
०३२१	अज्ञात	ऋषभजिन विवाहलो
०३५२	अज्ञात	ऋषभजिन विवाहलो
०३२९	अज्ञात	कल्पसूत्र नव व्याख्यान पद्धति
०१०९	अज्ञात	कल्पसूत्र वाचना विधि सह टबार्थ
०२८०	अज्ञात	कायस्थितिद्वार
०१२५/पे.१	अज्ञात	काया-जीव संवाद
०१२५/पे.२	अज्ञात	काया-जीव संवाद सज्झाय
०४४४	अज्ञात	गजसुकुमाल गीतबंध रास आदि
०४२८	अज्ञात	गणित पाटी
०००१	अज्ञात	गति-आगति बोल आदि
००४०	अज्ञात	गर्भवेली सज्झाय
००७५	अज्ञात	गहुंली
०१४९	अज्ञात	गांगेय भंग
०१२८/पे.२	अज्ञात	गुरुगुण गहुंली
०४४५	अज्ञात	गौतमपृच्छा सह टबार्थ
०३८७	अज्ञात	गौतमस्वामी रास

हस्तप्रत क्र.	मूल कर्ता	ग्रंथनाम
०३४७	अज्ञात	गौतमस्वामी स्तोत्र आदि
०२६७	अज्ञात	ग्यारह गणधर यंत्र
०२६८	अज्ञात	ग्यारह गणधर यंत्र
०४३८	अज्ञात	ग्रहदशा यंत्र
०३४५	अज्ञात	चंद्रसेन रास
०३६६	अज्ञात	चतुःपर्वी रास
०००४	अज्ञात	चतुर्विंशतिजिन नमस्कार
०३५५	अज्ञात	चर्चा पत्र
०२४५/पे.२	अज्ञात	चार गोला दृष्टांत
०११६	अज्ञात	चोतीस अतिशय विचार
०२९९	अज्ञात	चोवीसजिन आंतरा
०००६	अज्ञात	चोवीसजिन आयुमान
०००५	अज्ञात	चोवीसजिन कल्याणक तिथि
०००२	अज्ञात	चोवीसजिन गर्भकालमान यंत्र
०१४५	अज्ञात	चोवीसजिन नाम आदि
०००३	अज्ञात	चोवीसजिन मातापितादि नाम वर्णन
०२९६	अज्ञात	चोवीसजिन विमानादि कोष्टक
०३७३	अज्ञात	चोवीसजिन स्तवन आदि
०४०९	अज्ञात	चोवीसदंडक अल्पबहुत्व विचार
०३९६	अज्ञात	चोवीसीजिन स्तवन रागमाला आदि
०२४०	अज्ञात	चौदह जीव भेद आदि
००८८	अज्ञात	चौदह नियम गाथा सह अर्थ
०२१०	अज्ञात	चौदह स्वप्न स्तवन
०३११	अज्ञात	जंबूस्वामी कथा
०३०६	अज्ञात	जंबूस्वामी कथा सह अर्थ
०४०२	अज्ञात	जंबूस्वामी कथा सह अर्थ

हस्तप्रत क्र.	मूल कर्ता	ग्रंथनाम
०३०७	अज्ञात	जंबूस्वामी चरित्र
०३०४	अज्ञात	जनावर शकुनावली
०१९६	अज्ञात	जन्म कुंडली
०१८०	अज्ञात	जसवंत भास
०४५६	अज्ञात	जिनवाणी पद आदि
०२६४/पे.१	अज्ञात	जीवविचार प्रतीक
००५४	अज्ञात	ज्योतिष चक्र
०२११	अज्ञात	तीर्थराज स्तवन
०१२३	अज्ञात	तृष्णा सज्झाय
०४७१	अज्ञात	त्रयोविंशतियुगप्रधाननाम यंत्र
००२८	अज्ञात	दसश्रावकनामादि विवरण
०२४८	अज्ञात	दीवाली स्तवन
०२७७	अज्ञात	दीवालीकल्प कथा संक्षेप
०१९९	अज्ञात	देव संबंधी यंत्र
०२७९	अज्ञात	द्वीपसमुद्र परिधि
००५०/पे.१	अज्ञात	धन्ना सज्झाय
०३५६	अज्ञात	नवकार रास
००३१/पे.१	अज्ञात	नवकार सज्झाय
०१८६/पे.१	अज्ञात	नवग्रह स्तोत्र
०३८८	अज्ञात	नवतत्त्व बोल
०२७६/पे.१	अज्ञात	नेमिजिन पद
०१४७	अज्ञात	नेमिजिन सज्झाय
०४११	अज्ञात	नेमिजिन स्तवन आदि
०४५०	अज्ञात	पंचतंत्राधिकार चोपाई
०२५५/पे.१	अज्ञात	पंचपरमेष्ठि आरति

हस्तप्रत क्र.	मूल कर्ता	ग्रंथनाम
००३२/पे.२	अज्ञात	पंचमी स्तुति
०४४२	अज्ञात	पंचांग यंत्र
००७८	अज्ञात	पच्चक्खाण फल सज्झाय
००८३	अज्ञात	पद संग्रह
००९०	अज्ञात	पद संग्रह
०४५७	अज्ञात	पद संग्रह
०३५७	अज्ञात	पद्मावती आख्यान
०१९२/पे.२	अज्ञात	पद्मिनी स्तवन
००६९	अज्ञात	परमानंदबत्रीसी
०२६२	अज्ञात	पांच सौ साठ अजीव भेद
०४२४	अज्ञात	पांडव गीता
०००८	अज्ञात	पाक्षिक अतिचार
०१४३	अज्ञात	पाणी यतना सज्झाय
०२०५	अज्ञात	पार्श्वजिन लावणी (मक्षी)
००३४	अज्ञात	पार्श्वजिन स्तवन
०४७४	अज्ञात	पार्श्वजिन स्तवन (गोडी)
०३८४	अज्ञात	पार्श्वजिन स्तवन आदि
०१८१	अज्ञात	पार्श्वजिन स्तोत्र (चिंतामणि)
००१०/पे.१	अज्ञात	पुण्य कुलक सह टबार्थ
०२८१	अज्ञात	पूजा विधि
०१७१	अज्ञात	प्रतिक्रमण विधि
०२१६	अज्ञात	प्रश्नोत्तर
०४१३	अज्ञात	बारह व्रत अतिचार आदि
०२३९	अज्ञात	बाराक्षरी
०४४८	अज्ञात	बावीस अभक्ष्य नाम आदि

हस्तप्रत क्र.	मूल कर्ता	ग्रंथनाम
०१७४	अज्ञात	बुद्ध रास
०२१४	अज्ञात	बोल संग्रह
०२७५	अज्ञात	बोल संग्रह
०२१८	अज्ञात	ब्रह्मचर्यव्रत आलापक
०१५६	अज्ञात	भगवतीसूत्र बोल
०४४९	अज्ञात	भजन संग्रह
०४८०	अज्ञात	भवानी कवच
०३७५	अज्ञात	भागवत ओवी
०४७३	अज्ञात	भागवत पुराण
००७७	अज्ञात	मनुष्यभवदुर्लभता दृष्टांत सह टबार्थ
०१३७	अज्ञात	मल्लिजिन स्तवन
०४७२	अज्ञात	महादेवी पत्र
०४३७/पे.२	अज्ञात	महावीरजिन निर्वाण स्तवन (गौतमविलाप गर्भित)
०२८२	अज्ञात	महावीरजिन स्तुति आदि
०३०८	अज्ञात	मुनिपति चरित्र
०१९१	अज्ञात	मूर्खशतक सह टबार्थ
००२७	अज्ञात	मौनएकादशी एक सौ पच्चास कल्याणक टिप
००२९	अज्ञात	मौनएकादशी गणणुं
०२९२	अज्ञात	मौनएकादशी स्तुति
०२९०	अज्ञात	योग विधि आदि
०३५१	अज्ञात	रत्नपाल रास
०४५४	अज्ञात	रविवार कथा ?
०४५८	अज्ञात	रामरक्षा स्तोत्र आदि
०३४२	अज्ञात	रुक्मिणी चरित्र
०४६७	अज्ञात	ललितांगकुमार कथा आदि

हस्तप्रत क्र.	मूल कर्ता	ग्रंथनाम
००८६	अज्ञात	लुंपाक चोपाई
०४१७	अज्ञात	विक्रमराजा कथा
०२७४	अज्ञात	विचार पत्र
००४५	अज्ञात	विजयसेठ-विजयासेठाणी सज्झाय
०२१७	अज्ञात	विद्वद्गोष्ठी
०२७८	अज्ञात	विमानदेवलोक संख्या
०१५७	अज्ञात	वीरजिन स्तवन
०२०६	अज्ञात	वीसविहरमानजिन स्तवन
०११५	अज्ञात	वेतालपच्चीसी कथा
०४००	अज्ञात	वैद्यकशास्त्र
००९९	अज्ञात	शक्र स्तव बालावबोध
०३६०	अज्ञात	शनिश्चर कथा
०१६९	अज्ञात	शांतिजिन स्तोत्र (कमलबद्ध)
०३०९	अज्ञात	शालिभद्र चरित्र
०४७६	अज्ञात	शालिहोत्र
०३६१	अज्ञात	शाश्वत-अशाश्वतजिन स्तोत्र
०३९८	अज्ञात	श्राद्ध विधि
००३८	अज्ञात	श्रावक करणी सज्झाय
०००९	अज्ञात	श्राविका अतिचार
०४४०	अज्ञात	षड्द्रव्य व्याख्यान
०१२९/पे.१	अज्ञात	संगीत स्तुति
००११	अज्ञात	संथारा विधि
०४६३	अज्ञात	संथारापोरिसीसूत्र आदि
०२५१	अज्ञात	संवेगी सज्झाय आदि
०००७	अज्ञात	समकित विचार
०४१२	अज्ञात	सवैया आदि

हस्तप्रत क्र.	मूल कर्ता	ग्रंथनाम
०४०१/पे.२	अज्ञात	सातसमुद्घात
०१६०	अज्ञात	सादडी तोफान चित्र
०४०१/पे.१	अज्ञात	साधारणजिन स्तवन
००९१	अज्ञात	साधु अतिचार
०३७७	अज्ञात	साधुवंदना
०३८३	अज्ञात	साधुवंदना
००७१	अज्ञात	सामायिक दोष गाथा सह टबार्थ
००१२	अज्ञात	सिद्ध पंचदश भेद आदि
०१८४/पे.२	अज्ञात	सीखामण सज्झाय
०३२७	अज्ञात	सीमंधरजिन स्तवन आदि
०४७८	अज्ञात	सुबोधिनी पद्धति
००१७	अज्ञात	सुभाषित
०२९८	अज्ञात	सुभाषित
०३१७	अज्ञात	सुभाषित संग्रह
०३०१	अज्ञात	सूक्तमाला
०३००	अज्ञात	सूरसेन-वीरसेन चरित्र ?
०३७८	अज्ञात	सोलसती सज्झाय आदि
डा.३/ता.१५	अज्ञात	स्तोत्र संग्रह-भाग १ला
डा.३/ता.१६	अज्ञात	स्तोत्र संग्रह-भाग २रा
०४८१	अज्ञात	स्त्रीवश्यप्रतिकार आदि
००४३	अज्ञात	स्थुलिभद्र चरित्र
०२०२	अज्ञात	स्थुलिभद्र सज्झाय
०१८३	अज्ञात	हरि कथलो
०१०१	अज्ञात	हरिणी छंद काव्य
०१३३	अज्ञात	होरी गीत संग्रह

हस्तप्रत क्र.	मूल कर्ता	ग्रंथनाम
०१६५	अज्ञात	होरी पद आदि
०११४	अज्ञात	होरी पद संग्रह
००७६	अज्ञात	होरी संग्रह
०२२१	अनुभूतिस्वरूपाचार्य	सारस्वत व्याकरण सह वृत्ति सह टबार्थ-पंचसंधि
डा.४/ता.१८	अनेक जैन श्रमण	जैनदार्शनिक प्रकरण संग्रह-खंड १ला
डा.४/ता.१९	अनेक जैन श्रमण	जैनदार्शनिक प्रकरण संग्रह-खंड २रा
डा.४/ता.२०	अनेक जैन श्रमण	जैनदार्शनिक प्रकरण संग्रह-खंड ३रा
०३१३	अनेक जैन श्रमण	नवस्मरण आदि
०३१२	अनेक जैन श्रमण	सप्तस्मरण
००९३	अभयसूरि	महावीरजिन स्तवन सह टबार्थ
००८९	अमरसागर	रत्नमणिचूड रास
०१७९	अशोक मुनि	दान-शील-तप-भावना सह अर्थ
००६७	आनंद मुनि	तमाकु परिहार सज्झाय
०२५०	आनंदघन	अजितजिन स्तवन आदि
०२६९/पे.१	आनंदघन	अनंतजिन स्तवन
०३९१	आनंदघन	चोवीसजिन स्तवन आदि
०३९२	आनंदघन	चोवीसीजिन स्तवन सह टबार्थ
०२५७	आनंदघन	धर्मजिन स्तवन आदि
०१९०	आनंदघन	विमलजिन स्तवन
०२४५/पे.१	आनंदनिधान गणी	नवकारपच्चीसी
०१४२	आनंदवर्धन	पार्श्वजिन स्तवन (अंतरीक्ष)
००९२	आनंदविजय	राज्यमानि सज्झाय
००६५	आनंदसूरि	समकित शील रास
००९७/पे.१	आनंदहर्ष	हीरविजयसूरि सज्झाय
००१४/पे.१	इंद्र ऋषि शिष्य	भरतराजेश्वर सज्झाय

हस्तप्रत क्र.	मूल कर्ता	ग्रंथनाम
०४६२	इंद्रजित	रसिकप्रिया
०४३०	इंद्रसौभाग्य	धूर्ताख्यान प्रबंध
०२७२	उदय	पार्श्वजिन स्तवन (शंखेश्वर मंडन)
०२३०/पे.१	उदयरत्न	ऋषभजिन स्तवन
०२६९/पे.२	उदयरत्न	पार्श्वजिन स्तवन
०१५१	उदयरत्न	सीता सज्झाय
०३९३/पे.१	उदयरत्न	स्थुलिभद्र नवरस
०१४८/पे.१	उदयरत्न	स्थुलिभद्र सज्झाय
०११९	उदयरुचि	धर्म सज्झाय
०१४६	ऋद्धहर्ष	प्रसन्नचंद्र सज्झाय
०१५३	ऋद्धिकीर्ति	इलापुत्र सज्झाय
०२३०/पे.२	ऋषभ	पार्श्वजिन स्तवन
०१३८/पे.२	कमलकर मुनि	उपदेशक सज्झाय
००४२	कमलहर्ष उपा.	धर्म-अर्थ-काम अध्ययन सज्झाय आदि
००५३	कवियण	चित्रसंभूति सज्झाय
०२५८	कवियण	जिन स्तवन
००१६	कवियण	सप्तबंधव सज्झाय
०१२४	कांतिविजय	छह व्रत सज्झाय आदि
०३७२	कांतिसागर	चोवीसजिन स्तुति
०१६२	कालिदास	गंगा अष्टक
००१४/पे.२	काह्न	अइमुत्ता सज्झाय
००३९	काह्नजी गणी	श्रावक सज्झाय
०२९३	कीर्तिविजय	वीसस्थानक स्तवन
०३२८	कृपाविजय	समकित सज्झाय आदि
०२०८	केशव	शांतिजिन स्तवन

हस्तप्रत क्र.	मूल कर्ता	ग्रंथनाम
०११३	केशव कवि	रूपसिंह आचार्य रास
०४०७	केशव मिश्र	कविप्रिया
०४०४	कोकदेव	कोकशास्त्र
०१९४	कौशिक	रामरक्षा स्तोत्र
०२७०	खुशाल शेठ	चंद्रप्रभजिन पद आदि
०१६८	गजसार मुनि	चोवीसजिन स्तोत्र (चतुर्विंशति दंडक विचार गर्भित) सह टबार्थ
००८२	गणधर	आर्यदेशनाम आलापक सह टबार्थ
०३३१	गणधर	आवश्यकसूत्र
०३३२	गणधर	आवश्यकसूत्र सह टबार्थ
०३३३	गणधर	आवश्यकसूत्र सह टबार्थ
०३३५	गणधर	आवश्यकसूत्र सह टबार्थ
०१११	गणधर	आवश्यकसूत्र सह बालावबोध
०३५८	गणधर	पाक्षिकसूत्र
०२५४	गणधर	प्रत्याख्यानसूत्र
०३६४	गणधर	षडावश्यकसूत्र
०४१५	गणधर	षडावश्यकसूत्र
००१९	गणधर	सम्यक्त्व गाथा
००९४	गुणविजय	कठियारा सज्झाय
०१८९	गुणसागर	पार्श्वजिन विनति (चिंतामणि)
०२०७	गुणसागर	शांतिजिन स्तवन (हस्तिनापुर मंडन)
००२३	गुणसागर	सप्तव्यसन सज्झाय
०२३१	गुलाब	पार्श्वजिन स्तवन
०२०३	गोविंद मुनि	मन एकोनतीसी आदि
००१०/पे.२	गौतम ऋषि	गौतम कुलक सह टबार्थ
०४३४	चाणक्य	राजनीतिशास्त्र (लघु)
०४३५	चाणक्य	राजनीतिशास्त्र (लघु, वृद्ध) सह अर्थ

हस्तप्रत क्र.	मूल कर्ता	ग्रंथनाम
डा.२/ता.०९	चारित्रनंदी उपा.	स्याद्वादपुष्पकलिका सह कलिकाप्रकाश वृत्ति-खंड १ला
डा.२/ता.१०	चारित्रनंदी उपा.	स्याद्वादपुष्पकलिका सह कलिकाप्रकाश वृत्ति-खंड २रा
०२१२	जयकीर्ति शिष्य	शीतलजिन विनति
०१५८	जयतसी	धर्म सज्झाय
०४३६	जयमल	चार मंगल
०१२६	जयरंग	सात व्यसन सज्झाय आदि
०३३७	जयवंतसूरि	ऋषिदत्ता रास
०२८४	जयवंतसूरि	ऋषिदत्ता रास आदि
०१६१	जिनदास	पद संग्रह
०२३७	जिनदास	स्तवन संग्रह
डा.१/ता.०५	जिनप्रभसूरि	चतुर्विंशतिजिन स्तव सह विवृत्ति
डा.१/ता.०२	जिनप्रभसूरि	सर्वसिद्धांत स्तव सह अवचूरि
०४८९	जिनरत्नाश्री	महोदयसूरि रास
०२२९	जिनराज	चोवीसजिन स्तवन
०३२६	जिनराज	विहरमानजिन गीत
०३२२	जिनराजसूरि	शालिभद्र चरित्र
०३१९/पे.२	जिनहर्ष	नववाड सज्झाय
००६६	जिनहर्ष	पार्श्वजिन निशानी
०२५६	जिनहर्ष	पार्श्वजिन निशानी
०२८६	जिनहर्ष	वीसविहरमान गीत
००७९	जिनहर्ष	सर्वार्थसिद्ध सज्झाय
०४०६	जिनहर्ष	स्थुलिभद्र राजर्षि सज्झाय आदि
००७४	जिनोदयसूरि	हंसराज-वत्सराज चोपाई
०१३०/पे.१	जीवराज ऋषि	आशकुंवर सज्झाय
०१३०/पे.२	जीवराज ऋषि	दीवाली सज्झाय

हस्तप्रत क्र.	मूल कर्ता	ग्रंथनाम
०२१९/पे.१	जीवराज ऋषि	मुनिसुव्रतजिन स्तवन
०२१९/पे.२	जीवराज ऋषि	शीतलजिन स्तवन
०२७१/पे.२	ज्ञानचंद	परिग्रह सज्झाय
०१६३/पे.१	ज्ञानविमल	साधारणजिन स्तवन
०३७६	ज्ञानसागर	आषाढाभूति रास
०२००	ज्ञानसागर	इलाचीकुमार रास
०४३२	ज्ञानसागर	शांतिजिन चोपाई
००३६	ज्ञानसागर	श्रीपाल रास
०११७	ज्ञानसागर मुनि	सुमतिजिन स्तवन (चोतीस अतिशय विचार गर्भित)
०४५५	तेज मुनि	अमरसेन-वज्रसेन कथा
००४८	तेज मुनि	धन्ना मुनि सज्झाय
००४१	तेजसिंह	शियल सज्झाय
०११०/पे.१	देव मुनि	केशवजी भास
०११०/पे.२	देव मुनि	केशवजी भास
००५६/पे.२	देव मुनि	शांतिजिन भास
०२८७	देवचंद्र उपा.	वीसविहरमान स्तवन
०४७०	देवचंद्र उपा.	वीसविहरमान स्तवन
०१९३	देवचंद्र उपा.	वीसविहरमानजिन स्तवन
०२८५	देवचंद्र उपा.	स्तवनचोवीसी
०१०६	देववाचक	वीर स्तुति
०१८६/पे.२	देवविजय	नेमजिन बारमास
०१४४	देवविजय गणी	अढार नातरा सज्झाय आदि
०१०५	देवसुंदर	पार्श्वजिन स्तवन (अंतरीक्ष)
००९५	देवसूरि	मेघकुमार सज्झाय

हस्तप्रत क्र.	मूल कर्ता	ग्रंथनाम
०२४७	देवेंद्रसूरि, चंद्र महत्तर	कर्मग्रंथ-६ सह टबार्थ
००६८	धन्यविजय	उपशम सज्झाय
००४६	धर्म मुनि	दशार्णभद्र सज्झाय
०१३२	नंदसूरि	अभक्ष्य अनंतकाय सज्झाय
०१२९/पे.२	नथमल	गजसुकुमाल सज्झाय
०१४८/पे.२	नयकविराज	सिद्धचक्र सज्झाय
००२४	नयविजय उपा. शिष्य	मिच्छा मि दुक्कडं सज्झाय
००३२/पे.१	नयविमल	अष्टमी स्तुति
००५९	नरचंद्रसूरि	नारचंद्र ज्योतिष सह टिप्पण
डा.४/ता.१७	नरेंद्रप्रभसूरि	दृष्टांतशतक सह अवचूरि
०४५३	नर्मदाचार्य	कोक चोपाई
०३७०	नर्मदाचार्य	कोकसार चोपाई
०२३४	नारायण मुनि	श्रेणिकनृप कथा
०४२१	नीलकंठाचार्य	मुहूर्तमुक्तावली आदि
०२९४	पद्मविजय	चोमासी देववंदन
०३१४	परमसागर कवि	विक्रमसेन चरित्र
००१८	परमसागर कवि	विक्रमसेन-लीलावती रास
०२२४	पायचंद	सिद्धाचल स्तवन
००८०	पुण्यरत्नसूरि	सनत्कुमार चक्रवर्ती रास
०३१५	पुण्यसागर उपा.	अंजनासुंदरी-पवनंजयकुमार संबंध
डा.१/ता.०१	प्रशमनिधिश्री	हेमभूषण चरित्र
डा.१/ता.०४	प्रशमरतिविजय	शुभाभिलाषा
०१०४	प्रीतिविमल	पार्श्वजिन स्तवन
००१५	प्रेम मुनि	सुदर्शनसेठ सज्झाय
०२०४	बनारसीदास	समयसार नाटक सिद्धांत

हस्तप्रत क्र.	मूल कर्ता	ग्रंथनाम
०४२२	भद्रबाहुस्वामी	कल्पसूत्र सह अंतर्वाच्य टबार्थ
००८५	भद्रबाहुस्वामी	कल्पसूत्र सह टबार्थ
०३३८	भद्रबाहुस्वामी	कल्पसूत्र सह टबार्थ
०१४०	भद्रबाहुस्वामी	पार्श्वजिन स्तवन सह टबार्थ
डा.१/ता.०३	भद्रबाहुस्वामी	बृहत्कल्पसूत्र
०१६४	भर्तृहरि	उपदेशक सज्झाय
०१४१	भानविजय	सिद्धचक्र स्तुति
०२३२	भीखजी	पद्मप्रभजिन स्तवन
०२४६	भीखू मुनि	पार्श्वजिन स्तवन आदि
००५८	भूधर	उपदेशक पद
०४६०	मतिविजय	नवपद पूजा
०१७२	महानंद मुनि	भीमसेन सज्झाय
डा.२/ता.०६	महेंद्रसिंहसूरि	मनःस्थिरीकरण प्रकरण सह टीका-खंड १ला
डा.२/ता.०७	महेंद्रसिंहसूरि	मनःस्थिरीकरण प्रकरण सह टीका-खंड २रा
डा.२/ता.०८	महेंद्रसिंहसूरि	मनःस्थिरीकरण प्रकरण सह टीका-खंड ३रा
०४१६	मान	चौदह स्वप्न छंद आदि
०१२०	मान कवि	जिनपूजा फल सज्झाय
०१७३	मानतुंगसूरि	भक्तामर स्तोत्र
०३५४	मानतुंगसूरि	भक्तामर स्तोत्र
०३८०	मानतुंगसूरि	भक्तामर स्तोत्र
०४१८	मानतुंगसूरि	भक्तामर स्तोत्र आदि
०३५३	मानतुंगसूरि	भक्तामर स्तोत्र सह टबार्थ
०१०८	मानदेवसूरि	लघुशांति
०३३४	मानदेवसूरि	लघुशांति स्तोत्र सह टबार्थ
०१७८	मानविजय उपा.	पार्श्वजिन स्तुति

हस्तप्रत क्र.	मूल कर्ता	ग्रंथनाम
०२७१/पे.१	मानविजय उपा. ?	अभिनंदनजिन स्तवन
०४०८	मानसागर	विक्रमसेन-लीलावती रास
डा.४/ता.२१/पे.३	मुनिचंद्रसूरि	कालविचारशतक
डा.४/ता.२१/पे.२	मुनिचंद्रसूरि	चंद्रसूर्यमंडल विचार
०१०७	मुनिसुंदरसूरि	शांतिकर स्तोत्र
०२७६/पे.२	मूलचंद	ऋषभजिन बारमास
००२६/पे.२	मेघराज मुनि	गौतमस्वामी सज्झाय
०४६५	मेघराज मुनि	पार्श्वजिन छंद आदि
०२२३	मोटा ऋषि	अंबा अष्टक
०२४४/पे.१	मोहनविजय	आदिजिन स्तवन
०२०९/पे.२	मोहनविजय	धर्मजिन स्तवन
००७२	मोहनविजय	मानतुंग-मानवती रास
०१७५	मोहनविजय	मानतुंग-मानवती रास
०३७९	मोहनविजय	मानतुंग-मानवती रास
०२१५	मोहनविजय	रत्नपाल चरित्र
०२४२	यशःसोम शिष्य	बारह भावना
०२२०	यशस्वी गणी	प्रज्ञाप्रकाशषट्त्रिंशिका सह टबार्थ
०२५९/पे.२	यशोविजय उपा.	अजितजिन स्तवन
०४५१	यशोविजय उपा.	चोवीसजिन स्तवन
०२२८	यशोविजय उपा.	चोवीसजिन स्तुति आदि
०२०९/पे.१	यशोविजय उपा.	वासुपूज्य स्तवन
००६१	यशोविजय उपा.	विहरमानजिन स्तवन
०२८८	यशोविजय उपा.	वीसविहरमान स्तवन
०२८९	यशोविजय उपा.	वीसविहरमान स्तवन

हस्तप्रत क्र.	मूल कर्ता	ग्रंथनाम
०१५९	रंग ?	काया-जीव संवाद
०४६४	रत्नविजय पं.	स्थुलिभद्र नवरस
०३४३	रत्नशेखरसूरि	श्राद्ध विधि
०२७३	रत्नाकरसूरि	साधारणजिन स्तवन
००३३/पे.१	राम	साधारणजिन चैत्यवंदन
०१५२	रामदास ऋषि	नेमिजिन स्तवन
०२६०	रामविजय	पार्श्वजिन स्तवन आदि
००४७	रामविजय	मेतार्य ऋषि सज्झाय
०१२१	रायचंद ऋषि	यौवनपच्चीसी
०३८५	रुचिरविमल	आत्मशिक्षा सज्झाय आदि
०४०३	रुचिरविमल	चोवीसजिन स्तवन
०२६१/पे.१	रुचिरविमल	नेमिजिन स्तव
०२६१/पे.२	रुचिरविमल	शांतिजिन स्तवन
०१५४	रूपचंद	अध्यात्म पद आदि
०२५५/पे.२	रूपचंद	उपदेशक पद
००९८	रूपचंद	नेमि-राजुल सज्झाय
००९६/पे.२	रूपविजय	अरणिक साधु सज्झाय
०१३५	रूपविजय	उपदेशक सज्झाय
००३७	लक्ष्मीकल्लोल पं.	चोसठ बोल सीखामण सज्झाय
०१२२	लक्ष्मीचंद मुनि	एकादशी माहात्म्य सज्झाय
०१८७	लब्धि	मनक मुनि सज्झाय
०२४४/पे.२	लब्धि	महावीरजिन स्तवन
०४६८	लब्धि	हरिबल चरित्र
०१०२	लब्धिरुचि	पार्श्वजिन स्तवन (शंखेश्वर)

हस्तप्रत क्र.	मूल कर्ता	ग्रंथनाम
०२२६	लब्धिविजय	जीभलडी सज्झाय आदि
०१९८	लाभविजय	आदिजिन भास आदि
००५२/पे.२	लालचंद ऋषि	सामायिक सज्झाय
०३१९/पे.१	लालविजय पं.	सुदर्शनसेठ सज्झाय
०३९३/पे.२	लालविनोद	गुणमाला स्तवन
०१९५	लावण्यविजय	चोवीसजिन चैत्यवंदन
०२५९/पे.१	लावण्यविजय शिष्य	अजितजिन स्तवन
०१९७	लावण्यसमय	गौतमस्वामी छंद
००३१/पे.२	लावण्यसमय	गौतमस्वामी सज्झाय
०१७०	लावण्यसमय मुनि	दान सज्झाय
०४६९	लिंब	वीसविहरमान गीत
०३६३	लीलाराम	उपदेशक सज्झाय
०४४३	लोलिंबराज	वैद्यजीवन सह टिप्पणी
०१८८	वर्धमान पं.	ऋषभजिन हमची
०४१४	वल्लभाचार्य	सिद्धांतमुक्तावली आदि
०११८	विजयभद्र	गौतमस्वामी सज्झाय
०३६९	विजयभद्रसूरि	गौतमस्वामी रास
डा.४/ता.२१/पे.१	विनयकुशल गणी	मंडलविचार प्रकरण सह वृत्ति
०२२७	विनयविजय उपा.	नेमिजिन भ्रमरगीता
०२४९	विनयविजय उपा.	महावीरजिन स्तवन
०२२२	विनयविजय उपा.	वीसविहरमानजिन स्तवन
०३८२	विनयविजय उपा.	श्रीपाल चरित्र
०१३८/पे.१	विश्वभूषण	योगी सज्झाय
००२०	वीरभद्र गणी	चतुःशरण प्रकीर्णक

हस्तप्रत क्र.	मूल कर्ता	ग्रंथनाम
०१७६	वीरभद्र गणी	चतुःशरण प्रकीर्णक
०२९१	वीरभद्र गणी	चतुःशरण प्रकीर्णक सह अवचूरि
०३८६	वीरभद्र गणी	चतुःशरण प्रकीर्णक सह टबार्थ
००८७	वीरविजय	शियलवेल सज्झाय
००६२	वीरविजय पं.	नमिराजा गीत
००६३	वीरविजय पं.	नमिराजा चोपाई
००६४	वीरविजय पं.	नव अंग पूजा दुहा
०११२	वीरविजय पं.	नव अंग पूजा दुहा
०१९२/पे.१	वैरागी मुनि	आदिजिन विनति
०४९०	वैराग्यरतिविजय	योगसूत्र प्रवेशिका
०३२५	व्यास	भविष्योत्तर पुराण-उत्तर खंड
०१६६	शंकराचार्य	निरंजन अष्टक
०१६७/पे.१	शंकराचार्य	निरंजन अष्टक
०१८५/पे.२	शंकराचार्य	निरंजन अष्टक
०३४४	शय्यंभवसूरि	दशवैकालिकसूत्र
०३५९	शय्यंभवसूरि	दशवैकालिकसूत्र
०३६७	शय्यंभवसूरि	दशवैकालिकसूत्र
०३०५	शय्यंभवसूरि	दशवैकालिकसूत्र सह टबार्थ
०१७७	शय्यंभवसूरि	दशवैकालिकसूत्र-अध्ययन २रा
०४२५	शांतिसूरि	जीवविचार प्रकरण
०२३५	शांतिसूरि	जीवविचार प्रकरण सह टबार्थ
०३८१	शांतिसूरि	बृहत्शांति स्तोत्र
००५२/पे.१	शिवचंद	जंबूस्वामी सज्झाय
०३३०	शुभचंद्र भट्टारक	पल्यविधान रास
०२३३	श्रीचंद	पार्श्वजिन स्तवन

हस्तप्रत क्र.	मूल कर्ता	ग्रंथनाम
०४४७	श्रीचंद्रसूरि	संग्रहणीसूत्र सह बालावबोध
००३०	श्रीसार	वैराग्य आत्मा सज्झाय
डा.३/ता.११	संग्रामसिंह सोनी	बुद्धिसागर
००५०/पे.२	संघो	धन्ना सज्झाय
००३३/पे.२	संतोषी	पर्युषणा स्तुति
०१०३	सकलचंद	जिनराज विनति
०२८३	सकलचंद्र	सत्रहभेदी पूजा
०४३७/पे.१	सकलचंद्र मुनि	जिनसमता स्तवन
०३८९	सकलचंद्र मुनि	बारह भावना आदि
०२३६	समयसुंदर उपा.	क्षमाछत्रीसी
०४१९	समयसुंदर उपा.	दान-शील-तप-भावना संवाद आदि
०३६८	समयसुंदर उपा.	नल-दमयंती रास
०२९५	समयसुंदर उपा.	पद्मावतीराणी आराधना
०३१०	समयसुंदर उपा.	प्रियमेलक कथा
००९६/पे.१	समयसुंदर उपा.	महावीरजिन विनति
००३५	समयसुंदर उपा.	वीरजिन स्तुति
००५१	समयसुंदर उपा.	शालिभद्र महामुनि सज्झाय आदि
०३९०	समयसुंदर उपा.	सिंहलसुत चोपाई
०१६७/पे.२	समरचंद मुनि शिष्य	परस्त्री परिहार सज्झाय
००८४	सहजसुंदर	गुणरत्नाकर छंद
००१३	सहजसुंदर	धन्ना-शालिभद्र सज्झाय
०१८२	सहजसुंदर ?	सीमंधरजिन विनति
०३६२	सहजसुंदर उपा.	प्रदेशीराजा चोपाई
०१६३/पे.२	सिंहविमल	द्वितीया स्तुति

हस्तप्रत क्र.	मूल कर्ता	ग्रंथनाम
००७०	सिद्धसेनदिवाकरसूरि	कल्याणमंदिर स्तवन सह अवचूरि
००२२	सिद्धसेनदिवाकरसूरि	कल्याणमंदिर स्तोत्र
००२६/पे.१	सिद्धसेनदिवाकरसूरि	कल्याणमंदिर स्तोत्र
०१८५/पे.१	सिद्धसेनदिवाकरसूरि	शक्रस्तव गद्य स्तोत्र
०४२०	सुंदर	सुंदरशृंगार वर्णन
०१५०	सुंदरसागर	आदिजिन स्तवन (शत्रुंजय मंडन)
०३५०	सुधर्मास्वामी	आचारांगसूत्र सह टबार्थ
०३९७	सुधर्मास्वामी	आचारांगसूत्र सह टबार्थ-श्रुतस्कंध प्रथम
०४७७	सुधर्मास्वामी	उपासकदशांगसूत्र
०२४३	सुधर्मास्वामी	सूत्रकृतांगसूत्र सह दीपिकाटीका
००७३	सुधर्मास्वामी	सूत्रकृतांगसूत्र सह दीपिकाटीका-श्रुतस्कंध द्वितीय
०४४१	सुधर्मास्वामी	सूत्रकृतांगसूत्र सह दीपिकाटीका-श्रुतस्कंध प्रथम
०१२७	सुधर्मास्वामी	सूत्रकृतांगसूत्र-अध्ययन ६वां
०१२८/पे.१	सुधर्मास्वामी	सूत्रकृतांगसूत्र-अध्ययन ६वां
०३४०	सुधर्मास्वामी	सूत्रकृतांगसूत्र-अध्ययन ६वां
०३४६	सुधर्मास्वामी	स्थानांगसूत्र
०३६५	सुधर्मास्वामी	स्थानांगसूत्र
०४४६	सुधर्मास्वामी	स्थानांगसूत्र
०१३६	सेवक	उपदेशक पद आदि
००५६/पे.१	सेवक	उपदेशक सज्झाय
०१००	सोमसूरि	आराधना प्रकरण सह टबार्थ
०३३९	स्थविर	उत्तराध्ययनसूत्र
०३०२	स्थविर	उत्तराध्ययनसूत्र सह अर्थ-अध्ययन ३-४
०३३६	स्थविर	उत्तराध्ययनसूत्र सह टबार्थ
०३४८	स्थविर	तंदुलवैचारिक प्रकीर्णक सह बालावबोध

हस्तप्रत क्र.	मूल कर्ता	ग्रंथनाम
०२५३	स्थविर	नवतत्त्व प्रकरण
०२१३	स्थविर	नवतत्त्व प्रकरण आदि
०२५२	स्थविर	नवतत्त्व प्रकरण सह टबार्थ
०४२७	स्थविर	नवतत्त्व प्रकरण सह टबार्थ
०४३९	स्थविर	नवतत्त्व प्रकरण सह टबार्थ
०४२३	स्थविर	नवतत्त्व प्रकरण सह बालावबोध
०४५२	स्थविर	नवतत्त्व बालावबोध
००२५	हरिभद्रसूरि	संग्रहणीसूत्र (लघु) सह टबार्थ
००४९	हर्षकीर्तिसूरि	विजयसेठ सज्झाय आदि
०४३३	हेमचंद्रसूरि	अभिधानचिंतामणि नाममाला-देव कांड
डा.३/ता.१२	हेमचंद्रसूरि	भवभावना सह अवचूरि-खंड १ला
डा.३/ता.१३	हेमचंद्रसूरि	भवभावना सह अवचूरि-खंड २रा
डा.३/ता.१४	हेमचंद्रसूरि	भवभावना सह अवचूरि-खंड ३रा
००५५	हेमविजय	परनिंदा सज्झाय

(४)

कृति के टीका कर्ता अनुसार सूचि

हस्तप्रत क्र.	टीका कर्ता	ग्रंथनाम
०३५०	अज्ञात	आचारांगसूत्र सह टबार्थ
०३९७	अज्ञात	आचारांगसूत्र सह टबार्थ-श्रुतस्कंध प्रथम
०१००	अज्ञात	आराधना प्रकरण सह टबार्थ
००८२	अज्ञात	आर्यदेशनाम आलापक सह टबार्थ
०३३२	अज्ञात	आवश्यकसूत्र सह टबार्थ
०३३३	अज्ञात	आवश्यकसूत्र सह टबार्थ
०३३५	अज्ञात	आवश्यकसूत्र सह टबार्थ
०१११	अज्ञात	आवश्यकसूत्र सह बालावबोध
०३०२	अज्ञात	उत्तराध्ययनसूत्र सह अर्थ-अध्ययन ३-४
०३३६	अज्ञात	उत्तराध्ययनसूत्र सह टबार्थ
०४२९	अज्ञात	उपदेशरत्नकोश सह टबार्थ
०२६३	अज्ञात	कर्मविपाक (लघु) टबार्थ
०३२३	अज्ञात	कल्पसूत्र टबार्थ
०१०९	अज्ञात	कल्पसूत्र वाचना विधि सह टबार्थ
०४२२	अज्ञात	कल्पसूत्र सह अंतर्वाच्य टबार्थ
००८५	अज्ञात	कल्पसूत्र सह टबार्थ
०३३८	अज्ञात	कल्पसूत्र सह टबार्थ
००७०	अज्ञात	कल्याणमंदिर स्तवन सह अवचूरि
००१०/पे.२	अज्ञात	गौतम कुलक सह टबार्थ
०४४५	अज्ञात	गौतमपृच्छा सह टबार्थ
०३८६	अज्ञात	चतुःशरण प्रकीर्णक सह टबार्थ
०१६८	अज्ञात	चोवीसजिन स्तोत्र (चतुर्विंशति दंडक विचार गर्भित) सह टबार्थ
०३९२	अज्ञात	चोवीसीजिन स्तवन सह टबार्थ
००८८	अज्ञात	चौदह नियम गाथा सह अर्थ
०३०६	अज्ञात	जंबूस्वामी कथा सह अर्थ

हस्तप्रत क्र.	टीका कर्ता	ग्रंथनाम
०४०२	अज्ञात	जंबूस्वामी कथा सह अर्थ
०२३५	अज्ञात	जीवविचार प्रकरण सह टबार्थ
०३०५	अज्ञात	दशवैकालिकसूत्र सह टबार्थ
०१७९	अज्ञात	दान-शील-तप-भावना सह अर्थ
डा.४/ता.१७	अज्ञात	दृष्टांतशतक सह अवचूरि
०२५२	अज्ञात	नवतत्त्व प्रकरण सह टबार्थ
०४२७	अज्ञात	नवतत्त्व प्रकरण सह टबार्थ
०४२३	अज्ञात	नवतत्त्व प्रकरण सह बालावबोध
००५९	अज्ञात	नारचंद्र ज्योतिष सह टिप्पण
०१४०	अज्ञात	पार्श्वजिन स्तवन सह टबार्थ
००१०/पे.१	अज्ञात	पुण्य कुलक सह टबार्थ
०२२०	अज्ञात	प्रज्ञाप्रकाशषट्त्रिंशिका सह टबार्थ
०३५३	अज्ञात	भक्तामर स्तोत्र सह टबार्थ
डा.३/ता.१२	अज्ञात	भवभावना सह अवचूरि-खंड १ला
डा.३/ता.१३	अज्ञात	भवभावना सह अवचूरि-खंड २रा
डा.३/ता.१४	अज्ञात	भवभावना सह अवचूरि-खंड ३रा
००७७	अज्ञात	मनुष्यभवदुर्लभता दृष्टांत सह टबार्थ
००९३	अज्ञात	महावीरजिन स्तवन सह टबार्थ
०१९१	अज्ञात	मूर्खशतक सह टबार्थ
०४३५	अज्ञात	राजनीतिशास्त्र (लघु, वृद्ध) सह अर्थ
०३३४	अज्ञात	लघुशांति स्तोत्र सह टबार्थ
०४४३	अज्ञात	वैद्यजीवन सह टिप्पणी
०३१६	अज्ञात	संग्रहणीसूत्र (बृहत्) टीका
००२५	अज्ञात	संग्रहणीसूत्र (लघु) सह टबार्थ

हस्तप्रत क्र.	टीका कर्ता	ग्रंथनाम
००७१	अज्ञात	सामायिक दोष गाथा सह टबार्थ
०२२१	अज्ञात, अज्ञात	सारस्वत व्याकरण सह वृत्ति सह टबार्थ-पंचसंधि
०४३९	उत्तमसागर	नवतत्त्व प्रकरण सह टबार्थ
०३२४	कनककुशल	भक्तामर स्तोत्र पर्याय
डा.१/ता.०५	चंद्रोदयविजय	चतुर्विंशतिजिन स्तव सह विवृत्ति
डा.२/ता.०९	चारित्रनंदी उपा.	स्याद्वादपुष्पकलिका सह कलिकाप्रकाश वृत्ति-खंड १ला
डा.२/ता.१०	चारित्रनंदी उपा.	स्याद्वादपुष्पकलिका सह कलिकाप्रकाश वृत्ति-खंड २रा
०४४७	दयासिंह पं.	संग्रहणीसूत्र सह बालावबोध
०२४७	धनविजय	कर्मग्रंथ-६ सह टबार्थ
०३४८	पार्श्वचंद्रसूरि	तंदुलवैचारिक प्रकीर्णक सह बालावबोध
डा.२/ता.०६	महेंद्रसिंहसूरि	मनःस्थिरीकरण प्रकरण सह टीका-खंड १ला
डा.२/ता.०७	महेंद्रसिंहसूरि	मनःस्थिरीकरण प्रकरण सह टीका-खंड २रा
डा.२/ता.०८	महेंद्रसिंहसूरि	मनःस्थिरीकरण प्रकरण सह टीका-खंड ३रा
डा.४/ता.२१/पे.१	विनयकुशल गणी	मंडलविचार प्रकरण सह वृत्ति
०२९१	सोमसुंदरसूरि	चतुःशरण प्रकीर्णक सह अवचूरि
डा.१/ता.०२	सोमोदय गणी	सर्वसिद्धांत स्तव सह अवचूरि
०२४३	हर्षकुल पं.	सूत्रकृतांगसूत्र सह दीपिकाटीका
००७३	हर्षकुल पं.	सूत्रकृतांगसूत्र सह दीपिकाटीका-श्रुतस्कंध द्वितीय
०४४१	हर्षकुल पं.	सूत्रकृतांगसूत्र सह दीपिकाटीका-श्रुतस्कंध प्रथम

(५)

कृति की भाषा अनुसार सूचि

हस्तप्रत क्र.	भाषा	ग्रंथनाम
०४६२	पु.हिं.	रसिकप्रिया
०३०६	पु.हिं., मा.गु.	जंबूस्वामी कथा सह अर्थ
०३३१	प्रा.	आवश्यकसूत्र
०३३९	प्रा.	उत्तराध्ययनसूत्र
०४७७	प्रा.	उपासकदशांगसूत्र
डा.४/ता.२१/पे.३	प्रा.	कालविचारशतक
००२०	प्रा.	चतुःशरण प्रकीर्णक
०१७६	प्रा.	चतुःशरण प्रकीर्णक
०३५५	प्रा.	चर्चा पत्र
०४२५	प्रा.	जीवविचार प्रकरण
०२६४/पे.१	प्रा.	जीवविचार प्रतीक
०३४४	प्रा.	दशवैकालिकसूत्र
०३५९	प्रा.	दशवैकालिकसूत्र
०३६७	प्रा.	दशवैकालिकसूत्र
०१७७	प्रा.	दशवैकालिकसूत्र-अध्ययन २रा
०२५३	प्रा.	नवतत्त्व प्रकरण
०२१३	प्रा.	नवतत्त्व प्रकरण आदि
०३१३	प्रा.	नवस्मरण आदि
०३५८	प्रा.	पाक्षिकसूत्र
०२५४	प्रा.	प्रत्याख्यानसूत्र
डा.१/ता.०३	प्रा.	बृहत्कल्पसूत्र
०२१८	प्रा.	ब्रह्मचर्यव्रत आलापक
०१०६	प्रा.	वीर स्तुति
०१०७	प्रा.	शांतिकर स्तोत्र
०३६४	प्रा.	षडावश्यकसूत्र

हस्तप्रत क्र.	भाषा	ग्रंथनाम
०४१५	प्रा.	षडावश्यकसूत्र
००११	प्रा.	संथारा विधि
०४६३	प्रा.	संथारापोरिसीसूत्र आदि
००१९	प्रा.	सम्यक्त्व गाथा
००९१	प्रा.	साधु अतिचार
०१२७	प्रा.	सूत्रकृतांगसूत्र-अध्ययन ६वां
०१२८/पे.१	प्रा.	सूत्रकृतांगसूत्र-अध्ययन ६वां
०३४०	प्रा.	सूत्रकृतांगसूत्र-अध्ययन ६वां
०३४६	प्रा.	स्थानांगसूत्र
०३६५	प्रा.	स्थानांगसूत्र
०४४६	प्रा.	स्थानांगसूत्र
०३५०	प्रा., मा.गु.	आचारांगसूत्र सह टबार्थ
०३९७	प्रा., मा.गु.	आचारांगसूत्र सह टबार्थ-श्रुतस्कंध प्रथम
०१००	प्रा., मा.गु.	आराधना प्रकरण सह टबार्थ
००८२	प्रा., मा.गु.	आर्यदेशनाम आलापक सह टबार्थ
०३३२	प्रा., मा.गु.	आवश्यकसूत्र सह टबार्थ
०३३३	प्रा., मा.गु.	आवश्यकसूत्र सह टबार्थ
०३३५	प्रा., मा.गु.	आवश्यकसूत्र सह टबार्थ
०१११	प्रा., मा.गु.	आवश्यकसूत्र सह बालावबोध
०३३६	प्रा., मा.गु.	उत्तराध्ययनसूत्र सह टबार्थ
०४२९	प्रा., मा.गु.	उपदेशरत्नकोश सह टबार्थ
०२४७	प्रा., मा.गु.	कर्मग्रंथ-६ सह टबार्थ
००८५	प्रा., मा.गु.	कल्पसूत्र सह टबार्थ

हस्तप्रत क्र.	भाषा	ग्रंथनाम
०३३८	प्रा., मा.गु.	कल्पसूत्र सह टबार्थ
००१०/पे.२	प्रा., मा.गु.	गौतम कुलक सह टबार्थ
०४४५	प्रा., मा.गु.	गौतमपृच्छा सह टबार्थ
०३८६	प्रा., मा.गु.	चतुःशरण प्रकीर्णक सह टबार्थ
०१६८	प्रा., मा.गु.	चोवीसजिन स्तोत्र (चतुर्विंशति दंडक विचार गर्भित) सह टबार्थ
००८८	प्रा., मा.गु.	चौदह नियम गाथा सह अर्थ
०२३५	प्रा., मा.गु.	जीवविचार प्रकरण सह टबार्थ
०३४८	प्रा., मा.गु.	तंदुलवैचारिक प्रकीर्णक सह बालावबोध
०३०५	प्रा., मा.गु.	दशवैकालिकसूत्र सह टबार्थ
०१७९	प्रा., मा.गु.	दान-शील-तप-भावना सह अर्थ
०२५२	प्रा., मा.गु.	नवतत्त्व प्रकरण सह टबार्थ
०४२७	प्रा., मा.गु.	नवतत्त्व प्रकरण सह टबार्थ
०४३९	प्रा., मा.गु.	नवतत्त्व प्रकरण सह टबार्थ
०४२३	प्रा., मा.गु.	नवतत्त्व प्रकरण सह बालावबोध
०१४०	प्रा., मा.गु.	पार्श्वजिन स्तवन सह टबार्थ
००१०/पे.१	प्रा., मा.गु.	पुण्य कुलक सह टबार्थ
००९३	प्रा., मा.गु.	महावीरजिन स्तवन सह टबार्थ
००२५	प्रा., मा.गु.	संग्रहणीसूत्र (लघु) सह टबार्थ
०४४७	प्रा., मा.गु.	संग्रहणीसूत्र सह बालावबोध
००७१	प्रा., मा.गु.	सामायिक दोष गाथा सह टबार्थ
०३०२	प्रा., सं.	उत्तराध्ययनसूत्र सह अर्थ-अध्ययन ३-४

हस्तप्रत क्र.	भाषा	ग्रंथनाम
०२९१	प्रा., सं.	चतुःशरण प्रकीर्णक सह अवचूरि
डा.३/ता.१२	प्रा., सं.	भवभावना सह अवचूरि-खंड १ला
डा.३/ता.१३	प्रा., सं.	भवभावना सह अवचूरि-खंड २रा
डा.३/ता.१४	प्रा., सं.	भवभावना सह अवचूरि-खंड ३रा
डा.४/ता.२१/पे.१	प्रा., सं.	मंडलविचार प्रकरण सह वृत्ति
डा.२/ता.०६	प्रा., सं.	मनःस्थिरीकरण प्रकरण सह टीका-खंड १ला
डा.२/ता.०७	प्रा., सं.	मनःस्थिरीकरण प्रकरण सह टीका-खंड २रा
डा.२/ता.०८	प्रा., सं.	मनःस्थिरीकरण प्रकरण सह टीका-खंड ३रा
०३१६	प्रा., सं.	संग्रहणीसूत्र (बृहत्) टीका
०२४३	प्रा., सं.	सूत्रकृतांगसूत्र सह दीपिकाटीका
००७३	प्रा., सं.	सूत्रकृतांगसूत्र सह दीपिकाटीका-श्रुतस्कंध द्वितीय
०४४१	प्रा., सं.	सूत्रकृतांगसूत्र सह दीपिकाटीका-श्रुतस्कंध प्रथम
०४२२	प्रा., सं.+मा.गु.	कल्पसूत्र सह अंतर्वाच्य टबार्थ
००६०	प्रा.+मा.गु.	आवश्यक फल गाथा
०००८	प्रा.+मा.गु.	पाक्षिक अतिचार
०००९	प्रा.+मा.गु.	श्राविका अतिचार
डा.४/ता.२१/पे.२	प्रा.+सं.	चंद्रसूर्यमंडल विचार
०४७१	प्रा.+सं.	त्रयोविंशतियुगप्रधाननाम यंत्र
०३१२	प्रा.+सं.	सप्तस्मरण
०३१७	प्रा.+सं.	सुभाषित संग्रह
डा.३/ता.१५	प्रा.+सं.	स्तोत्र संग्रह-भाग १ला
डा.३/ता.१६	प्रा.+सं.	स्तोत्र संग्रह-भाग २रा

हस्तप्रत क्र.	भाषा	ग्रंथनाम
०१०९	प्रा.+सं., मा.गु.	कल्पसूत्र वाचना विधि सह टबार्थ
०४४९	म.	भजन संग्रह
०३७५	म.	भागवत ओवी
०४१७	म.	विक्रमराजा कथा
०११५	म.	वेतालपच्चीसी कथा
०३१५	मा.गु.	अंजनासुंदरी-पवनंजयकुमार संबंध
००१४/पे.२	मा.गु.	अइमुत्ता सज्झाय
०२५९/पे.१	मा.गु.	अजितजिन स्तवन
०२५९/पे.२	मा.गु.	अजितजिन स्तवन
०२५०	मा.गु.	अजितजिन स्तवन आदि
००९७/पे.२	मा.गु.	अजितजिन स्तुति
०२०१	मा.गु.	अट्ठानवे बोल
०२६४/पे.२	मा.गु.	अठारह भार वनस्पति
००२१/पे.१	मा.गु.	अढार नातरा गीत
००५७	मा.गु.	अढार नातरा सज्झाय
०१४४	मा.गु.	अढार नातरा सज्झाय आदि
०१५४	मा.गु.	अध्यात्म पद आदि
०२६९/पे.१	मा.गु.	अनंतजिन स्तवन
०३२०	मा.गु.	अनाथी मुनि चोपाई
०३९५	मा.गु.	अनाथी मुनि सज्झाय
०४१०	मा.गु.	अनाथी मुनि सज्झाय
०१३२	मा.गु.	अभक्ष्य अनंतकाय सज्झाय
०२७१/पे.१	मा.गु.	अभिनंदनजिन स्तवन
०४५५	मा.गु.	अमरसेन-वज्रसेन कथा

हस्तप्रत क्र.	भाषा	ग्रंथनाम
००९६/पे.२	मा.गु.	अरणिक साधु सज्झाय
०३०३	मा.गु.	अरबी शकुनावली
०१३४	मा.गु.	अरिहंतराजा-मोहराजा लडाई सज्झाय
०३४९	मा.गु.	अल्पबहुत्व पच्चीसद्वार
००३२/पे.१	मा.गु.	अष्टमी स्तुति
०४८२	मा.गु.	अष्टोत्तरीस्नात्र विधि
०२४१	मा.गु.	आचारांगसूत्र बोल
०१३१	मा.गु.	आठ कर्म एक सौ अट्ठावन प्रकृति विचार
०४३१	मा.गु.	आठ कर्म एक सौ अट्ठावन प्रकृति विचार
००८१	मा.गु.	आठ कर्म एक सौ अट्ठावन प्रकृति विवरण
०२६५	मा.गु.	आत्म गीत
०३८५	मा.गु.	आत्मशिक्षा सज्झाय आदि
०१८४/पे.१	मा.गु.	आदिजिन प्रभाती
०१९८	मा.गु.	आदिजिन भास आदि
०१९२/पे.१	मा.गु.	आदिजिन विनति
०२४४/पे.१	मा.गु.	आदिजिन स्तवन
०१५०	मा.गु.	आदिजिन स्तवन (शत्रुंजय मंडन)
०१३०/पे.१	मा.गु.	आशकुंवर सज्झाय
०३७६	मा.गु.	आषाढाभूति रास
०२००	मा.गु.	इलाचीकुमार रास
००४४	मा.गु.	इलापुत्र सज्झाय
०१५३	मा.गु.	इलापुत्र सज्झाय
०२२५	मा.गु.	उनतीस पापश्रुत प्रसंग आदि
००५८	मा.गु.	उपदेशक पद
०१५५	मा.गु.	उपदेशक पद

हस्तप्रत क्र.	भाषा	ग्रंथनाम
०२५५/पे.२	मा.गु.	उपदेशक पद
०२६६/पे.१	मा.गु.	उपदेशक पद
०२६६/पे.२	मा.गु.	उपदेशक पद
०१३६	मा.गु.	उपदेशक पद आदि
००५६/पे.१	मा.गु.	उपदेशक सज्झाय
०१३५	मा.गु.	उपदेशक सज्झाय
०१३८/पे.२	मा.गु.	उपदेशक सज्झाय
०१६४	मा.गु.	उपदेशक सज्झाय
०३६३	मा.गु.	उपदेशक सज्झाय
००६८	मा.गु.	उपशम सज्झाय
०२७६/पे.२	मा.गु.	ऋषभजिन बारमास
०३२१	मा.गु.	ऋषभजिन विवाहलो
०३५२	मा.गु.	ऋषभजिन विवाहलो
०२३०/पे.१	मा.गु.	ऋषभजिन स्तवन
०१८८	मा.गु.	ऋषभजिन हमची
०३३७	मा.गु.	ऋषिदत्ता रास
०२८४	मा.गु.	ऋषिदत्ता रास आदि
०१२२	मा.गु.	एकादशी माहात्म्य सज्झाय
००९४	मा.गु.	कठियारा सज्झाय
०२६३	मा.गु.	कर्मविपाक (लघु) टबार्थ
०३२३	मा.गु.	कल्पसूत्र टबार्थ
०३२९	मा.गु.	कल्पसूत्र नव व्याख्यान पद्धति
०४०७	मा.गु.	कविप्रिया
०२८०	मा.गु.	कायस्थितिद्वार

हस्तप्रत क्र.	भाषा	ग्रंथनाम
०१२५/पे.१	मा.गु.	काया-जीव संवाद
०१५९	मा.गु.	काया-जीव संवाद
०१२५/पे.२	मा.गु.	काया-जीव संवाद सज्झाय
०११०/पे.१	मा.गु.	केशवजी भास
०११०/पे.२	मा.गु.	केशवजी भास
०४५३	मा.गु.	कोक चोपाई
०४०४	मा.गु.	कोकशास्त्र
०३७०	मा.गु.	कोकसार चोपाई
०२३६	मा.गु.	क्षमाछत्रीसी
०४४४	मा.गु.	गजसुकुमाल गीतबंध रास आदि
०१२९/पे.२	मा.गु.	गजसुकुमाल सज्झाय
०४२८	मा.गु.	गणित पाटी
०००१	मा.गु.	गति-आगति बोल आदि
००४०	मा.गु.	गर्भवेली सज्झाय
००७५	मा.गु.	गहुंली
०१४९	मा.गु.	गांगेय भंग
०३९३/पे.२	मा.गु.	गुणमाला स्तवन
०१९७	मा.गु.	गौतमस्वामी छंद
०३६९	मा.गु.	गौतमस्वामी रास
०३८७	मा.गु.	गौतमस्वामी रास
००२६/पे.२	मा.गु.	गौतमस्वामी सज्झाय
००३१/पे.२	मा.गु.	गौतमस्वामी सज्झाय
०११८	मा.गु.	गौतमस्वामी सज्झाय
०२६७	मा.गु.	ग्यारह गणधर यंत्र

हस्तप्रत क्र.	भाषा	ग्रंथनाम
०२६८	मा.गु.	ग्यारह गणधर यंत्र
०२७०	मा.गु.	चंद्रप्रभजिन पद आदि
०३४५	मा.गु.	चंद्रसेन रास
०३६६	मा.गु.	चतुःपर्वी रास
०२४५/पे.२	मा.गु.	चार गोला दृष्टांत
०४३६	मा.गु.	चार मंगल
००५३	मा.गु.	चित्रसंभूति सज्झाय
०११६	मा.गु.	चोतीस अतिशय विचार
०२९४	मा.गु.	चोमासी देववंदन
०२९९	मा.गु.	चोवीसजिन आंतरा
०००६	मा.गु.	चोवीसजिन आयुमान
०००५	मा.गु.	चोवीसजिन कल्याणक तिथि
०००२	मा.गु.	चोवीसजिन गर्भकालमान यंत्र
०१९५	मा.गु.	चोवीसजिन चैत्यवंदन
०१४५	मा.गु.	चोवीसजिन नाम आदि
०००३	मा.गु.	चोवीसजिन मातापितादि नाम वर्णन
०२९६	मा.गु.	चोवीसजिन विमानादि कोष्टक
०२२९	मा.गु.	चोवीसजिन स्तवन
०४०३	मा.गु.	चोवीसजिन स्तवन
०४५१	मा.गु.	चोवीसजिन स्तवन
०३७३	मा.गु.	चोवीसजिन स्तवन आदि
०३९१	मा.गु.	चोवीसजिन स्तवन आदि
०३७२	मा.गु.	चोवीसजिन स्तुति
०२२८	मा.गु.	चोवीसजिन स्तुति आदि
०४०९	मा.गु.	चोवीसदंडक अल्पबहुत्व विचार
०३९६	मा.गु.	चोवीसीजिन स्तवन रागमाला आदि

हस्तप्रत क्र.	भाषा	ग्रंथनाम
००३७	मा.गु.	चोसठ बोल सीखामण सज्झाय
०२४०	मा.गु.	चौदह जीव भेद आदि
०४१६	मा.गु.	चौदह स्वप्न छंद आदि
०२१०	मा.गु.	चौदह स्वप्न स्तवन
०१२४	मा.गु.	छह व्रत सज्झाय आदि
०३११	मा.गु.	जंबूस्वामी कथा
०३०७	मा.गु.	जंबूस्वामी चरित्र
००५२/पे.१	मा.गु.	जंबूस्वामी सज्झाय
०३०४	मा.गु.	जनावर शकुनावली
०१८०	मा.गु.	जसवंत भास
०२५८	मा.गु.	जिन स्तवन
०१२०	मा.गु.	जिनपूजा फल सज्झाय
०१०३	मा.गु.	जिनराज विनति
०४५६	मा.गु.	जिनवाणी पद आदि
०४३७/पे.१	मा.गु.	जिनसमता स्तवन
०२२६	मा.गु.	जीभलडी सज्झाय आदि
००५४	मा.गु.	ज्योतिष चक्र
००६७	मा.गु.	तमाकु परिहार सज्झाय
०१२३	मा.गु.	तृष्णा सज्झाय
००४६	मा.गु.	दशार्णभद्र सज्झाय
००२८	मा.गु.	दसश्रावकनामादि विवरण
०१७०	मा.गु.	दान सज्झाय
०४१९	मा.गु.	दान-शील-तप-भावना संवाद आदि
०१३०/पे.२	मा.गु.	दीवाली सज्झाय
०२४८	मा.गु.	दीवाली स्तवन

हस्तप्रत क्र.	भाषा	ग्रंथनाम
०२७७	मा.गु.	दीवालीकल्प कथा संक्षेप
०१९९	मा.गु.	देव संबंधी यंत्र
०१६३/पे.२	मा.गु.	द्वितीया स्तुति
०२७९	मा.गु.	द्वीपसमुद्र परिधि
००४८	मा.गु.	धन्ना मुनि सज्झाय
००५०/पे.१	मा.गु.	धन्ना सज्झाय
००५०/पे.२	मा.गु.	धन्ना सज्झाय
००१३	मा.गु.	धन्ना-शालिभद्र सज्झाय
०११९	मा.गु.	धर्म सज्झाय
०१५८	मा.गु.	धर्म सज्झाय
००४२	मा.गु.	धर्म-अर्थ-काम अध्ययन सज्झाय आदि
०२०९/पे.२	मा.गु.	धर्मजिन स्तवन
०२५७	मा.गु.	धर्मजिन स्तवन आदि
०४३०	मा.गु.	धूर्ताख्यान प्रबंध
००६२	मा.गु.	नमिराजा गीत
००६३	मा.गु.	नमिराजा चोपाई
०३६८	मा.गु.	नल-दमयंती रास
००६४	मा.गु.	नव अंग पूजा दुहा
०११२	मा.गु.	नव अंग पूजा दुहा
०३५६	मा.गु.	नवकार रास
००३१/पे.१	मा.गु.	नवकार सज्झाय
०२४५/पे.१	मा.गु.	नवकारपच्चीसी
०४५२	मा.गु.	नवतत्त्व बालावबोध
०३८८	मा.गु.	नवतत्त्व बोल
०४६०	मा.गु.	नवपद पूजा

हस्तप्रत क्र.	भाषा	ग्रंथनाम
००२१/पे.२	मा.गु.	नववाड गीत
०३१९/पे.२	मा.गु.	नववाड सज्झाय
०१८६/पे.२	मा.गु.	नेमजिन बारमास
०२७६/पे.१	मा.गु.	नेमिजिन पद
०२२७	मा.गु.	नेमिजिन भ्रमरगीता
०१४७	मा.गु.	नेमिजिन सज्झाय
०२६१/पे.१	मा.गु.	नेमिजिन स्तव
०१५२	मा.गु.	नेमिजिन स्तवन
०४११	मा.गु.	नेमिजिन स्तवन आदि
००९८	मा.गु.	नेमि-राजुल सज्झाय
०४५०	मा.गु.	पंचतंत्राधिकार चोपाई
०२५५/पे.१	मा.गु.	पंचपरमेष्ठि आरति
०४४२	मा.गु.	पंचांग यंत्र
००७८	मा.गु.	पच्चक्खाण फल सज्झाय
००८३	मा.गु.	पद संग्रह
००९०	मा.गु.	पद संग्रह
०१६१	मा.गु.	पद संग्रह
०४५७	मा.गु.	पद संग्रह
०२३२	मा.गु.	पद्मप्रभजिन स्तवन
०३५७	मा.गु.	पद्मावती आख्यान
०२९५	मा.गु.	पद्मावतीराणी आराधना
०१९२/पे.२	मा.गु.	पद्मिनी स्तवन
००५५	मा.गु.	परनिंदा सज्झाय
०१६७/पे.२	मा.गु.	परस्त्री परिहार सज्झाय

हस्तप्रत क्र.	भाषा	ग्रंथनाम
०२७१/पे.२	मा.गु.	परिग्रह सज्झाय
००३३/पे.२	मा.गु.	पर्युषणा स्तुति
०३३०	मा.गु.	पल्यविधान रास
०२६२	मा.गु.	पांच सौ साठ अजीव भेद
०१४३	मा.गु.	पाणी यतना सज्झाय
०४६५	मा.गु.	पार्श्वजिन छंद आदि
००६६	मा.गु.	पार्श्वजिन निशानी
०२५६	मा.गु.	पार्श्वजिन निशानी
०२०५	मा.गु.	पार्श्वजिन लावणी (मक्षी)
०१८९	मा.गु.	पार्श्वजिन विनति (चिंतामणि)
००३४	मा.गु.	पार्श्वजिन स्तवन
०१०४	मा.गु.	पार्श्वजिन स्तवन
०२३०/पे.२	मा.गु.	पार्श्वजिन स्तवन
०२३१	मा.गु.	पार्श्वजिन स्तवन
०२३३	मा.गु.	पार्श्वजिन स्तवन
०२६९/पे.२	मा.गु.	पार्श्वजिन स्तवन
०१०५	मा.गु.	पार्श्वजिन स्तवन (अंतरीक्ष)
०१४२	मा.गु.	पार्श्वजिन स्तवन (अंतरीक्ष)
०४७४	मा.गु.	पार्श्वजिन स्तवन (गोडी)
०२७२	मा.गु.	पार्श्वजिन स्तवन (शंखेश्वर मंडन)
०१०२	मा.गु.	पार्श्वजिन स्तवन (शंखेश्वर)
०२४६	मा.गु.	पार्श्वजिन स्तवन आदि
०२६०	मा.गु.	पार्श्वजिन स्तवन आदि
०३८४	मा.गु.	पार्श्वजिन स्तवन आदि
०१७८	मा.गु.	पार्श्वजिन स्तुति

हस्तप्रत क्र.	भाषा	ग्रंथनाम
०२८१	मा.गु.	पूजा विधि
०१७१	मा.गु.	प्रतिक्रमण विधि
०३६२	मा.गु.	प्रदेशीराजा चोपाई
०२१६	मा.गु.	प्रश्नोत्तर
०१४६	मा.गु.	प्रसन्नचंद्र सज्झाय
०३१०	मा.गु.	प्रियमेलक कथा
०२४२	मा.गु.	बारह भावना
०३८९	मा.गु.	बारह भावना आदि
०४१३	मा.गु.	बारह व्रत अतिचार आदि
०४४८	मा.गु.	बावीस अभक्ष्य नाम आदि
०१७४	मा.गु.	बुद्ध रास
०२१४	मा.गु.	बोल संग्रह
०२७५	मा.गु.	बोल संग्रह
०१५६	मा.गु.	भगवतीसूत्र बोल
००१४/पे.१	मा.गु.	भरतराजेश्वर सज्झाय
०१७२	मा.गु.	भीमसेन सज्झाय
०२०३	मा.गु.	मन एकोनतीसी आदि
०१८७	मा.गु.	मनक मुनि सज्झाय
०१३७	मा.गु.	मल्लिजिन स्तवन
०४७२	मा.गु.	महादेवी पत्र
०४३७/पे.२	मा.गु.	महावीरजिन निर्वाण स्तवन (गौतमविलाप गर्भित)
००९६/पे.१	मा.गु.	महावीरजिन विनति
०२४४/पे.२	मा.गु.	महावीरजिन स्तवन
०२४९	मा.गु.	महावीरजिन स्तवन
०२८२	मा.गु.	महावीरजिन स्तुति आदि

हस्तप्रत क्र.	भाषा	ग्रंथनाम
०४८९	मा.गु.	महोदयसूरि रास
००७२	मा.गु.	मानतुंग-मानवती रास
०१७५	मा.गु.	मानतुंग-मानवती रास
०३७९	मा.गु.	मानतुंग-मानवती रास
००२४	मा.गु.	मिच्छा मि दुक्कडं सज्झाय
०३०८	मा.गु.	मुनिपति चरित्र
०२१९/पे.१	मा.गु.	मुनिसुव्रतजिन स्तवन
००९५	मा.गु.	मेघकुमार सज्झाय
००४७	मा.गु.	मेतार्य ऋषि सज्झाय
००२७	मा.गु.	मौनएकादशी एक सौ पच्चास कल्याणक टिप
००२९	मा.गु.	मौनएकादशी गणणुं
०२९०	मा.गु.	योग विधि आदि
०१३८/पे.१	मा.गु.	योगी सज्झाय
०१२१	मा.गु.	यौवनपच्चीसी
०२१५	मा.गु.	रत्नपाल चरित्र
०३५१	मा.गु.	रत्नपाल रास
००८९	मा.गु.	रत्नमणिचूड रास
०४५४	मा.गु.	रविवार कथा ?
००९२	मा.गु.	राज्यमानि सज्झाय
०३४२	मा.गु.	रुक्मिणी चरित्र
०११३	मा.गु.	रूपसिंह आचार्य रास
०४६७	मा.गु.	ललितांगकुमार कथा आदि
००८६	मा.गु.	लुंपाक चोपाई
०२०९/पे.१	मा.गु.	वासुपूज्य स्तवन
०३१४	मा.गु.	विक्रमसेन चरित्र

हस्तप्रत क्र.	भाषा	ग्रंथनाम
००१८	मा.गु.	विक्रमसेन-लीलावती रास
०४०८	मा.गु.	विक्रमसेन-लीलावती रास
०२७४	मा.गु.	विचार पत्र
००४९	मा.गु.	विजयसेठ सज्झाय आदि
००४५	मा.गु.	विजयसेठ-विजयासेठाणी सज्झाय
०१९०	मा.गु.	विमलजिन स्तवन
०२७८	मा.गु.	विमानदेवलोक संख्या
०३२६	मा.गु.	विहरमानजिन गीत
००६१	मा.गु.	विहरमानजिन स्तवन
०१५७	मा.गु.	वीरजिन स्तवन
००३५	मा.गु.	वीरजिन स्तुति
०२८६	मा.गु.	वीसविहरमान गीत
०४६९	मा.गु.	वीसविहरमान गीत
०२८७	मा.गु.	वीसविहरमान स्तवन
०२८८	मा.गु.	वीसविहरमान स्तवन
०२८९	मा.गु.	वीसविहरमान स्तवन
०४७०	मा.गु.	वीसविहरमान स्तवन
०१९३	मा.गु.	वीसविहरमानजिन स्तवन
०२०६	मा.गु.	वीसविहरमानजिन स्तवन
०२२२	मा.गु.	वीसविहरमानजिन स्तवन
०२९३	मा.गु.	वीसस्थानक स्तवन
०४००	मा.गु.	वैद्यकशास्त्र
००३०	मा.गु.	वैराग्य आत्मा सज्झाय
००९९	मा.गु.	शक्र स्तव बालावबोध
०३६०	मा.गु.	शनिश्चर कथा
०४३२	मा.गु.	शांतिजिन चोपाई

हस्तप्रत क्र.	भाषा	ग्रंथनाम
००५६/पे.२	मा.गु.	शांतिजिन भास
०२०८	मा.गु.	शांतिजिन स्तवन
०२६१/पे.२	मा.गु.	शांतिजिन स्तवन
०२०७	मा.गु.	शांतिजिन स्तवन (हस्तिनापुर मंडन)
०३०९	मा.गु.	शालिभद्र चरित्र
०३२२	मा.गु.	शालिभद्र चरित्र
००५१	मा.गु.	शालिभद्र महामुनि सज्झाय आदि
०४७६	मा.गु.	शालिहोत्र
००४१	मा.गु.	शियल सज्झाय
००८७	मा.गु.	शियलवेल सज्झाय
०२१२	मा.गु.	शीतलजिन विनति
०२१९/पे.२	मा.गु.	शीतलजिन स्तवन
००३८	मा.गु.	श्रावक करणी सज्झाय
००३९	मा.गु.	श्रावक सज्झाय
०३८२	मा.गु.	श्रीपाल चरित्र
००३६	मा.गु.	श्रीपाल रास
०२३४	मा.गु.	श्रेणिकनृप कथा
०४४०	मा.गु.	षड्द्रव्य व्याख्यान
०१२९/पे.१	मा.गु.	संगीत स्तुति
०२५१	मा.गु.	संवेगी सज्झाय आदि
०२८३	मा.गु.	सत्रहभेदी पूजा
००८०	मा.गु.	सनत्कुमार चक्रवर्ती रास
००१६	मा.गु.	सप्तबंधव सज्झाय
००२३	मा.गु.	सप्तव्यसन सज्झाय
०००७	मा.गु.	समकित विचार

हस्तप्रत क्र.	भाषा	ग्रंथनाम
००६५	मा.गु.	समकित शील रास
०३२८	मा.गु.	समकित सज्झाय आदि
०२०४	मा.गु.	समयसार नाटक सिद्धांत
००७९	मा.गु.	सर्वार्थसिद्ध सज्झाय
०४१२	मा.गु.	सवैया आदि
०१२६	मा.गु.	सात व्यसन सज्झाय आदि
०४०१/पे.२	मा.गु.	सातसमुद्घात
००३३/पे.१	मा.गु.	साधारणजिन चैत्यवंदन
०१६३/पे.१	मा.गु.	साधारणजिन स्तवन
०२७३	मा.गु.	साधारणजिन स्तवन
०४०१/पे.१	मा.गु.	साधारणजिन स्तवन
०३७७	मा.गु.	साधुवंदना
०३८३	मा.गु.	साधुवंदना
००५२/पे.२	मा.गु.	सामायिक सज्झाय
०३९०	मा.गु.	सिंहलसुत चोपाई
००१२	मा.गु.	सिद्ध पंचदश भेद आदि
०१४८/पे.२	मा.गु.	सिद्धचक्र सज्झाय
०१४१	मा.गु.	सिद्धचक्र स्तुति
०२२४	मा.गु.	सिद्धाचल स्तवन
०१८४/पे.२	मा.गु.	सीखामण सज्झाय
०१५१	मा.गु.	सीता सज्झाय
०१८२	मा.गु.	सीमंधरजिन विनति
०३२७	मा.गु.	सीमंधरजिन स्तवन आदि
०४२०	मा.गु.	सुंदरशृंगार वर्णन
००१५	मा.गु.	सुदर्शनसेठ सज्झाय

हस्तप्रत क्र.	भाषा	ग्रंथनाम
०३१९/पे.१	मा.गु.	सुदर्शनसेठ सज्झाय
०११७	मा.गु.	सुमतिजिन स्तवन (चोतीस अतिशय विचार गर्भित)
०३०१	मा.गु.	सूक्तमाला
०३००	मा.गु.	सूरसेन-वीरसेन चरित्र ?
०३७८	मा.गु.	सोलसती सज्झाय आदि
०२३७	मा.गु.	स्तवन संग्रह
०२८५	मा.गु.	स्तवनचोवीसी
०४८१	मा.गु.	स्त्रीवश्यप्रतिकार आदि
००४३	मा.गु.	स्थुलिभद्र चरित्र
०३९३/पे.१	मा.गु.	स्थुलिभद्र नवरस
०४६४	मा.गु.	स्थुलिभद्र नवरस
०४०६	मा.गु.	स्थुलिभद्र राजर्षि सज्झाय आदि
०१४८/पे.१	मा.गु.	स्थुलिभद्र सज्झाय
०२०२	मा.गु.	स्थुलिभद्र सज्झाय
००७४	मा.गु.	हंसराज-वत्सराज चोपाई
०१८३	मा.गु.	हरि कथलो
०४६८	मा.गु.	हरिबल चरित्र
००९७/पे.१	मा.गु.	हीरविजयसूरि सज्झाय
०१३३	मा.गु.	होरी गीत संग्रह
०१६५	मा.गु.	होरी पद आदि
०११४	मा.गु.	होरी पद संग्रह
००७६	मा.गु.	होरी संग्रह
०३९२	मा.गु., मा.गु.	चोवीसीजिन स्तवन सह टबार्थ
०४०२	मा.गु., मा.गु.	जंबूस्वामी कथा सह अर्थ
०१२८/पे.२	मिश्र पंजाबी	गुरुगुण गहुंली

हस्तप्रत क्र.	भाषा	ग्रंथनाम
०४७९	सं	आदित्यहृदय स्तोत्र
०४८०	सं	भवानी कवच
०४७८	सं	सुबोधिनी पद्धति
०२२३	सं.	अंबा अष्टक
०४३३	सं.	अभिधानचिंतामणि नाममाला-देव कांड
०१३९	सं.	आर्या स्तुति
०२३८	सं.	उद्देश ग्रंथ विचार
००२२	सं.	कल्याणमंदिर स्तोत्र
००२६/पे.१	सं.	कल्याणमंदिर स्तोत्र
०१६२	सं.	गंगा अष्टक
००८४	सं.	गुणरत्नाकर छंद
०३४७	सं.	गौतमस्वामी स्तोत्र आदि
०४३८	सं.	ग्रहदशा यंत्र
०००४	सं.	चतुर्विंशतिजिन नमस्कार
०१९६	सं.	जन्म कुंडली
डा.४/ता.१८	सं.	जैनदार्शनिक प्रकरण संग्रह-खंड १ला
डा.४/ता.१९	सं.	जैनदार्शनिक प्रकरण संग्रह-खंड २रा
डा.४/ता.२०	सं.	जैनदार्शनिक प्रकरण संग्रह-खंड ३रा
०२११	सं.	तीर्थराज स्तवन
०१८६/पे.१	सं.	नवग्रह स्तोत्र
०१६६	सं.	निरंजन अष्टक
०१६७/पे.१	सं.	निरंजन अष्टक
०१८५/पे.२	सं.	निरंजन अष्टक
००३२/पे.२	सं.	पंचमी स्तुति

हस्तप्रत क्र.	भाषा	ग्रंथनाम
००६९	सं.	परमानंदबत्रीसी
०४२४	सं.	पांडव गीता
०१८१	सं.	पार्श्वजिन स्तोत्र (चिंतामणि)
०२३९	सं.	बाराक्षरी
डा.३/ता.११	सं.	बुद्धिसागर
०३८१	सं.	बृहत्शांति स्तोत्र
०१७३	सं.	भक्तामर स्तोत्र
०३५४	सं.	भक्तामर स्तोत्र
०३८०	सं.	भक्तामर स्तोत्र
०४१८	सं.	भक्तामर स्तोत्र आदि
०३२४	सं.	भक्तामर स्तोत्र पर्याय
०३२५	सं.	भविष्योत्तर पुराण-उत्तर खंड
०४७३	सं.	भागवत पुराण
०४२१	सं.	मुहूर्तमुक्तावली आदि
०२९२	सं.	मौनएकादशी स्तुति
०४९०	सं.	योगसूत्र प्रवेशिका
०४३४	सं.	राजनीतिशास्त्र (लघु)
०१९४	सं.	रामरक्षा स्तोत्र
०४५८	सं.	रामरक्षा स्तोत्र आदि
०१०८	सं.	लघुशांति
०२१७	सं.	विद्वद्गोष्ठी
०१८५/पे.१	सं.	शक्रस्तव गद्य स्तोत्र
०१६९	सं.	शांतिजिन स्तोत्र (कमलबद्ध)
०३६१	सं.	शाश्वत-अशाश्वतजिन स्तोत्र
डा.१/ता.०४	सं.	शुभाभिलाषा

हस्तप्रत क्र.	भाषा	ग्रंथनाम
०३४३	सं.	श्राद्ध विधि
०३९८	सं.	श्राद्ध विधि
०४१४	सं.	सिद्धांतमुक्तावली आदि
००१७	सं.	सुभाषित
०२९८	सं.	सुभाषित
०१०१	सं.	हरिणी छंद काव्य
डा.१/ता.०१	सं.	हेमभूषण चरित्र
००७०	सं., मा.गु.	कल्याणमंदिर स्तवन सह अवचूरि
००५९	सं., मा.गु.	नारचंद्र ज्योतिष सह टिप्पण
०२२०	सं., मा.गु.	प्रज्ञाप्रकाशषट्त्रिंशिका सह टबार्थ
०३५३	सं., मा.गु.	भक्तामर स्तोत्र सह टबार्थ
००७७	सं., मा.गु.	मनुष्यभवदुर्लभता दृष्टांत सह टबार्थ
०१९१	सं., मा.गु.	मूर्खशतक सह टबार्थ
०४३५	सं., मा.गु.	राजनीतिशास्त्र (लघु, वृद्ध) सह अर्थ
०३३४	सं., मा.गु.	लघुशांति स्तोत्र सह टबार्थ
०४४३	सं., मा.गु.	वैद्यजीवन सह टिप्पणी
डा.१/ता.०५	सं., सं.	चतुर्विंशतिजिन स्तव सह विवृत्ति
डा.४/ता.१७	सं., सं.	दृष्टांतशतक सह अवचूरि
डा.१/ता.०२	सं., सं.	सर्वसिद्धांत स्तव सह अवचूरि
डा.२/ता.०९	सं., सं.	स्याद्वादपुष्पकलिका सह कलिकाप्रकाश वृत्ति-खंड १ला
डा.२/ता.१०	सं., सं.	स्याद्वादपुष्पकलिका सह कलिकाप्रकाश वृत्ति-खंड २रा
०२२१	सं., सं., मा.गु.	सारस्वत व्याकरण सह वृत्ति सह टबार्थ-पंचसंधि

(६)

हस्तप्रत की लेखन संवत् अनुसार सूचि

हस्तप्रत क्र.	ले.वर्ष	ग्रंथनाम
०४७७	१६०६	उपासकदशांगसूत्र
०४४१	१६६८	सूत्रकृतांगसूत्र सह दीपिकाटीका-श्रुतस्कंध प्रथम
०११३	१६९३	रूपसिंह आचार्य रास
०२१२	१६९९	शीतलजिन विनति
०३०९	१७०२	शालिभद्र चरित्र
०३१५	१७०८	अंजनासुंदरी-पवनंजयकुमार संबंध
००८४	१७१६	गुणरत्नाकर छंद
०४२२	१७१८	कल्पसूत्र सह अंतर्वाच्य टबार्थ
०४३९	१७१९	नवतत्त्व प्रकरण सह टबार्थ
०२८४	१७३०	ऋषिदत्ता रास आदि
००२५	१७३७	संग्रहणीसूत्र (लघु) सह टबार्थ
०३३७	१७३८	ऋषिदत्ता रास
०४३०	१७४५	धूर्ताख्यान प्रबंध
०३२६	१७४६	विहरमानजिन गीत
०२०२	१७४६	स्थुलिभद्र सज्झाय
०३५४	१७४७	भक्तामर स्तोत्र
०१८५	१७४७	शक्रस्तव गद्य स्तोत्र आदि
०४३२	१७४९	शांतिजिन चोपाई
०३५३	१७५५	भक्तामर स्तोत्र सह टबार्थ
०४५८	१७५५	रामरक्षा स्तोत्र आदि
००५१	१७५७	शालिभद्र महामुनि सज्झाय आदि
००९४	१७५८	कठियारा सज्झाय
०३८५	१७५९	आत्मशिक्षा सज्झाय आदि
०११६	१७५९	चोतीस अतिशय विचार
०२१५	१७६२	रत्नपाल चरित्र
०१३५	१७६४	उपदेशक सज्झाय

हस्तप्रत क्र.	ले.वर्ष	ग्रंथनाम
००१८	१७६४	विक्रमसेन-लीलावती रास
०२२७	१७६६	नेमिजिन भ्रमरगीता
०३७२	१७६९	चोवीसजिन स्तुति
०१४८	१७७१	स्थुलिभद्र सज्झाय आदि
०४१६	१७८४	चौदह स्वप्न छंद आदि
०११९	१७८४	धर्म सज्झाय
०३८०	१७८४	भक्तामर स्तोत्र
०१९१	१७९०	मूर्खशतक सह टबार्थ
०३८४	१७९२ ?	पार्श्वजिन स्तवन आदि
०३९२	१७९६	चोवीसीजिन स्तवन सह टबार्थ
०३९३	१७९६	स्थुलिभद्र नवरस आदि
०१२८	१७९७	सूत्रकृतांगसूत्र-अध्ययन ६वां आदि
०४१९	१७९९	दान-शील-तप-भावना संवाद आदि
०२५३	१७९९	नवतत्त्व प्रकरण
०३८२	१८००	श्रीपाल चरित्र
०२३५	१८०१	जीवविचार प्रकरण सह टबार्थ
००६०	१८०५	आवश्यक फल गाथा
०३७३	१८०५	चोवीसजिन स्तवन आदि
०३१३	१८०९	नवस्मरण आदि
०२२३	१८१५	अंबा अष्टक
०२११	१८१७	तीर्थराज स्तवन
०३५६	१८१७	नवकार रास
०४६४	१८२२	स्थुलिभद्र नवरस
०१७५	१८३०	मानतुंग-मानवती रास
००२६	१८३८	कल्याणमंदिर स्तोत्र आदि
०३७०	१८५८	कोकसार चोपाई

हस्तप्रत क्र.	ले.वर्ष	ग्रंथनाम
०४५१	१८७१	चोवीसजिन स्तवन
०४६०	१८७१	नवपद पूजा
०१६४	१८७८	उपदेशक सज्झाय
०२९५	१८७८	पद्मावतीराणी आराधना
०००१	१८८०	गति-आगति बोल आदि
००५४	१८८०	ज्योतिष चक्र
०३४९	१८८१	अल्पबहुत्व पच्चीसद्वार
०४३५	१८८२	राजनीतिशास्त्र (लघु, वृद्ध) सह अर्थ
०२८८	१८८२	वीसविहरमान स्तवन
०२७७	१८८५	दीवालीकल्प कथा संक्षेप
०१९३	१८८५	वीसविहरमानजिन स्तवन
०३२२	१८८५	शालिभद्र चरित्र
०००७	१८८७	समकित विचार
०२९४	१८९३	चोमासी देववंदन
०२००	१८९९	इलाचीकुमार रास
००८५	१९०५	कल्पसूत्र सह टबार्थ
०४७९	१९१०	आदित्यहृदय स्तोत्र
००७४	१९११	हंसराज-वत्सराज चोपाई
०३४८	१९१७	तंदुलवैचारिक प्रकीर्णक सह बालावबोध
०४७८	१९१८	सुबोधिनी पद्धति
०३१४	१९२४	विक्रमसेन चरित्र
००३७	१९३०	चोसठ बोल सीखामण सज्झाय
००७२	१९३३	मानतुंग-मानवती रास
०२७४	१९३४ ?	विचार पत्र
०२९३	१९३६	वीसस्थानक स्तवन

हस्तप्रत क्र.	ले.वर्ष	ग्रंथनाम
०२८१	१९५१	पूजा विधि
०४७६	१९६५	शालिहोत्र
डा.१/ता.०२	२०७४	सर्वसिद्धांत स्तव सह अवचूरि
डा.१/ता.०१	२०७४	हेमभूषण चरित्र
डा.३/ता.११	२०७५	बुद्धिसागर
डा.३/ता.१२	२०७५	भवभावना सह अवचूरि-खंड १ला
डा.३/ता.१३	२०७५	भवभावना सह अवचूरि-खंड २रा
डा.३/ता.१४	२०७५	भवभावना सह अवचूरि-खंड ३रा
डा.२/ता.०६	२०७५	मनःस्थिरीकरण प्रकरण सह टीका-खंड १ला
डा.२/ता.०७	२०७५	मनःस्थिरीकरण प्रकरण सह टीका-खंड २रा
डा.२/ता.०८	२०७५	मनःस्थिरीकरण प्रकरण सह टीका-खंड ३रा
डा.१/ता.०४	२०७५	शुभाभिलाषा
डा.३/ता.१५	२०७५	स्तोत्र संग्रह-भाग १ला
डा.३/ता.१६	२०७५	स्तोत्र संग्रह-भाग २रा
डा.२/ता.०९	२०७५	स्याद्वादपुष्पकलिका सह कलिकाप्रकाश वृत्ति-खंड १ला
डा.२/ता.१०	२०७५	स्याद्वादपुष्पकलिका सह कलिकाप्रकाश वृत्ति-खंड २रा
डा.४/ता.१८	२०७६	जैनदार्शनिक प्रकरण संग्रह-खंड १ला
डा.४/ता.१९	२०७६	जैनदार्शनिक प्रकरण संग्रह-खंड २रा
डा.४/ता.२०	२०७६	जैनदार्शनिक प्रकरण संग्रह-खंड ३रा
डा.४/ता.१७	२०७६	दृष्टांतशतक सह अवचूरि
डा.४/ता.२१	२०७६	मंडलविचार प्रकरण सह वृत्ति आदि

(७)

कृति की विषय अनुसार सूचि

हस्तप्रत क्र.	विषय	ग्रंथनाम
०४७६	अश्वशास्त्र	शालिहोत्र
००८२	आ.	आर्यदेशनाम आलापक सह टबार्थ
०३२३	आ.	कल्पसूत्र टबार्थ
०१०९	आ.	कल्पसूत्र वाचना विधि सह टबार्थ
०४२२	आ.	कल्पसूत्र सह अंतर्वाच्य टबार्थ
००८५	आ.	कल्पसूत्र सह टबार्थ
०३३८	आ.	कल्पसूत्र सह टबार्थ
०३५०	आ. अंग	आचारांगसूत्र सह टबार्थ
०३९७	आ. अंग	आचारांगसूत्र सह टबार्थ-श्रुतस्कंध प्रथम
०४७७	आ. अंग	उपासकदशांगसूत्र
०२४३	आ. अंग	सूत्रकृतांगसूत्र सह दीपिकाटीका
००७३	आ. अंग	सूत्रकृतांगसूत्र सह दीपिकाटीका-श्रुतस्कंध द्वितीय
०४४१	आ. अंग	सूत्रकृतांगसूत्र सह दीपिकाटीका-श्रुतस्कंध प्रथम
०१२७	आ. अंग	सूत्रकृतांगसूत्र-अध्ययन ६वां
०१२८/पे.१	आ. अंग	सूत्रकृतांगसूत्र-अध्ययन ६वां
०३४०	आ. अंग	सूत्रकृतांगसूत्र-अध्ययन ६वां
०३४६	आ. अंग	स्थानांगसूत्र
०३६५	आ. अंग	स्थानांगसूत्र
०४४६	आ. अंग	स्थानांगसूत्र
०३५८	आ. आव.	पाक्षिकसूत्र
०२५४	आ. आव.	प्रत्याख्यानसूत्र
००९९	आ. आव.	शक्र स्तव बालावबोध
०४१५	आ. आव.	षडावश्यकसूत्र
००११	आ. आव.	संथारा विधि
०४६३	आ. आव.	संथारापोरिसीसूत्र आदि
००१९	आ. आव.	सम्यक्त्व गाथा

हस्तप्रत क्र.	विषय	ग्रंथनाम
०१०६	आ. चूलि.	वीर स्तुति
डा.१/ता.०३	आ. छेद	बृहत्कल्पसूत्र
०१००	आ. प्रकी.	आराधना प्रकरण सह टबार्थ
००२०	आ. प्रकी.	चतुःशरण प्रकीर्णक
०१७६	आ. प्रकी.	चतुःशरण प्रकीर्णक
०२९१	आ. प्रकी.	चतुःशरण प्रकीर्णक सह अवचूरि
०३८६	आ. प्रकी.	चतुःशरण प्रकीर्णक सह टबार्थ
०३४८	आ. प्रकी.	तंदुलवैचारिक प्रकीर्णक सह बालावबोध
०३३१	आ. मूल	आवश्यकसूत्र
०३३२	आ. मूल	आवश्यकसूत्र सह टबार्थ
०३३३	आ. मूल	आवश्यकसूत्र सह टबार्थ
०३३५	आ. मूल	आवश्यकसूत्र सह टबार्थ
०१११	आ. मूल	आवश्यकसूत्र सह बालावबोध
०३३९	आ. मूल	उत्तराध्ययनसूत्र
०३०२	आ. मूल	उत्तराध्ययनसूत्र सह अर्थ-अध्ययन ३-४
०३३६	आ. मूल	उत्तराध्ययनसूत्र सह टबार्थ
०३४४	आ. मूल	दशवैकालिकसूत्र
०३५९	आ. मूल	दशवैकालिकसूत्र
०३६७	आ. मूल	दशवैकालिकसूत्र
०३०५	आ. मूल	दशवैकालिकसूत्र सह टबार्थ
०१७७	आ. मूल	दशवैकालिकसूत्र-अध्ययन २रा
०३६४	आ. मूल	षडावश्यकसूत्र
००८८	आचार	चौदह नियम गाथा सह अर्थ
०००८	आचार	पाक्षिक अतिचार
०४१३	आचार	बारह व्रत अतिचार आदि
०४४८	आचार	बावीस अभक्ष्य नाम आदि

हस्तप्रत क्र.	विषय	ग्रंथनाम
०२१८	आचार	ब्रह्मचर्यव्रत आलापक
०३४३	आचार	श्राद्ध विधि
०३९८	आचार	श्राद्ध विधि
०००९	आचार	श्राविका अतिचार
००९१	आचार	साधु अतिचार
००७१	आचार	सामायिक दोष गाथा सह टबार्थ
०४००	आयु.	वैद्यकशास्त्र
०४४३	आयु.	वैद्यजीवन सह टिप्पणी
०४८१	आयु.	स्त्रीवश्यप्रतिकार आदि
००१४/पे.२	उप.	अइमुत्ता सज्झाय
००५७	उप.	अढार नातरा सज्झाय
०१४४	उप.	अढार नातरा सज्झाय आदि
०१५४	उप.	अध्यात्म पद आदि
०३९५	उप.	अनाथी मुनि सज्झाय
०४१०	उप.	अनाथी मुनि सज्झाय
०१३२	उप.	अभक्ष्य अनंतकाय सज्झाय
००९६/पे.२	उप.	अरणिक साधु सज्झाय
०१३४	उप.	अरिहंतराजा-मोहराजा लडाई सज्झाय
०३८५	उप.	आत्मशिक्षा सज्झाय आदि
००६०	उप.	आवश्यक फल गाथा
०१३०/पे.१	उप.	आशकुंवर सज्झाय
००४४	उप.	इलापुत्र सज्झाय
०१५३	उप.	इलापुत्र सज्झाय
०२२५	उप.	उनतीस पापश्रुत प्रसंग आदि
००५८	उप.	उपदेशक पद
०१५५	उप.	उपदेशक पद

हस्तप्रत क्र.	विषय	ग्रंथनाम
०२५५/पे.२	उप.	उपदेशक पद
०२६६/पे.१	उप.	उपदेशक पद
०२६६/पे.२	उप.	उपदेशक पद
००५६/पे.१	उप.	उपदेशक सज्झाय
०१३५	उप.	उपदेशक सज्झाय
०१३८/पे.२	उप.	उपदेशक सज्झाय
०१६४	उप.	उपदेशक सज्झाय
०३६३	उप.	उपदेशक सज्झाय
०४२९	उप.	उपदेशरत्नकोश सह टबार्थ
००६८	उप.	उपशम सज्झाय
०१२२	उप.	एकादशी माहात्म्य सज्झाय
००९४	उप.	कठियारा सज्झाय
०३२९	उप.	कल्पसूत्र नव व्याख्यान पद्धति
०१२५/पे.१	उप.	काया-जीव संवाद
०१५९	उप.	काया-जीव संवाद
०१२५/पे.२	उप.	काया-जीव संवाद सज्झाय
०२३६	उप.	क्षमाछत्रीसी
०१२९/पे.२	उप.	गजसुकुमाल सज्झाय
००४०	उप.	गर्भवेली सज्झाय
०१२८/पे.२	उप.	गुरुगुण गहुंली
००१०/पे.२	उप.	गौतम कुलक सह टबार्थ
०४४५	उप.	गौतमपृच्छा सह टबार्थ
००२६/पे.२	उप.	गौतमस्वामी सज्झाय
००३१/पे.२	उप.	गौतमस्वामी सज्झाय

हस्तप्रत क्र.	विषय	ग्रंथनाम
०११८	उप.	गौतमस्वामी सज्झाय
०२४५/पे.२	उप.	चार गोला दृष्टांत
००५३	उप.	चित्रसंभूति सज्झाय
००३७	उप.	चोसठ बोल सीखामण सज्झाय
०१२४	उप.	छह व्रत सज्झाय आदि
००५२/पे.१	उप.	जंबूस्वामी सज्झाय
०१२०	उप.	जिनपूजा फल सज्झाय
०२२६	उप.	जीभलडी सज्झाय आदि
००६७	उप.	तमाकु परिहार सज्झाय
०१२३	उप.	तृष्णा सज्झाय
००४६	उप.	दशार्णभद्र सज्झाय
०१७०	उप.	दान सज्झाय
०४१९	उप.	दान-शील-तप-भावना संवाद आदि
०१७९	उप.	दान-शील-तप-भावना सह अर्थ
०१३०/पे.२	उप.	दीवाली सज्झाय
डा.४/ता.१७	उप.	दृष्टांतशतक सह अवचूरि
००४८	उप.	धन्ना मुनि सज्झाय
००५०/पे.१	उप.	धन्ना सज्झाय
००५०/पे.२	उप.	धन्ना सज्झाय
००१३	उप.	धन्ना-शालिभद्र सज्झाय
०११९	उप.	धर्म सज्झाय
०१५८	उप.	धर्म सज्झाय
००४२	उप.	धर्म-अर्थ-काम अध्ययन सज्झाय आदि
००३१/पे.१	उप.	नवकार सज्झाय
०२४५/पे.१	उप.	नवकारपच्चीसी

हस्तप्रत क्र.	विषय	ग्रंथनाम
००२१/पे.२	उप.	नववाड गीत
०३१९/पे.२	उप.	नववाड सज्झाय
०१४७	उप.	नेमिजिन सज्झाय
००९८	उप.	नेमि-राजुल सज्झाय
००७८	उप.	पच्चक्खाण फल सज्झाय
००८३	उप.	पद संग्रह
००९०	उप.	पद संग्रह
०१६१	उप.	पद संग्रह
००५५	उप.	परनिंदा सज्झाय
००६९	उप.	परमानंदबत्रीसी
०१६७/पे.२	उप.	परस्त्री परिहार सज्झाय
०२७१/पे.२	उप.	परिग्रह सज्झाय
०४२४	उप.	पांडव गीता
०१४३	उप.	पाणी यतना सज्झाय
०२०५	उप.	पार्श्वजिन लावणी (मक्षी)
००१०/पे.१	उप.	पुण्य कुलक सह टबार्थ
०२२०	उप.	प्रज्ञाप्रकाशषट्त्रिंशिका सह टबार्थ
०१४६	उप.	प्रसन्नचंद्र सज्झाय
०२४२	उप.	बारह भावना
०३८९	उप.	बारह भावना आदि
०१७४	उप.	बुद्ध रास
डा.३/ता.११	उप.	बुद्धिसागर
००१४/पे.१	उप.	भरतराजेश्वर सज्झाय
डा.३/ता.१२	उप.	भवभावना सह अवचूरि-खंड १ला
डा.३/ता.१३	उप.	भवभावना सह अवचूरि-खंड २रा

हस्तप्रत क्र.	विषय	ग्रंथनाम
डा.३/ता.१४	उप.	भवभावना सह अवचूरि-खंड ३रा
०१७२	उप.	भीमसेन सज्झाय
०२०३	उप.	मन एकोनतीसी आदि
०१८७	उप.	मनक मुनि सज्झाय
००२४	उप.	मिच्छा मि दुक्कडं सज्झाय
०१९१	उप.	मूर्खशतक सह टबार्थ
००९५	उप.	मेघकुमार सज्झाय
००४७	उप.	मेतार्य ऋषि सज्झाय
०१३८/पे.१	उप.	योगी सज्झाय
०१२१	उप.	यौवनपच्चीसी
००९२	उप.	राज्यमानि सज्झाय
००४९	उप.	विजयसेठ सज्झाय आदि
००४५	उप.	विजयसेठ-विजयासेठाणी सज्झाय
००३०	उप.	वैराग्य आत्मा सज्झाय
००५१	उप.	शालिभद्र महामुनि सज्झाय आदि
००४१	उप.	शियल सज्झाय
००८७	उप.	शियलवेल सज्झाय
डा.१/ता.०४	उप.	शुभाभिलाषा
००३८	उप.	श्रावक करणी सज्झाय
००३९	उप.	श्रावक सज्झाय
०२५१	उप.	संवेगी सज्झाय आदि
००१६	उप.	सप्तबंधव सज्झाय
००२३	उप.	सप्तव्यसन सज्झाय
००६५	उप.	समकित शील रास
०३२८	उप.	समकित सज्झाय आदि
०२०४	उप.	समयसार नाटक सिद्धांत

हस्तप्रत क्र.	विषय	ग्रंथनाम
००७९	उप.	सर्वार्थसिद्ध सज्झाय
०४१२	उप.	सवैया आदि
०१२६	उप.	सात व्यसन सज्झाय आदि
००५२/पे.२	उप.	सामायिक सज्झाय
०१४८/पे.२	उप.	सिद्धचक्र सज्झाय
०१८४/पे.२	उप.	सीखामण सज्झाय
०१५१	उप.	सीता सज्झाय
००१५	उप.	सुदर्शनसेठ सज्झाय
०३१९/पे.१	उप.	सुदर्शनसेठ सज्झाय
०३७८	उप.	सोलसती सज्झाय आदि
०४०६	उप.	स्थुलिभद्र राजर्षि सज्झाय आदि
०१४८/पे.१	उप.	स्थुलिभद्र सज्झाय
०२०२	उप.	स्थुलिभद्र सज्झाय
००९७/पे.१	उप.	हीरविजयसूरि सज्झाय
०३१५	कथा	अंजनासुंदरी-पवनंजयकुमार संबंध
००२१/पे.१	कथा	अढार नातरा गीत
०३२०	कथा	अनाथी मुनि चोपाई
०४५५	कथा	अमरसेन-वज्रसेन कथा
०३७६	कथा	आषाढाभूति रास
०२००	कथा	इलाचीकुमार रास
०३३७	कथा	ऋषिदत्ता रास
०२८४	कथा	ऋषिदत्ता रास आदि
०४४४	कथा	गजसुकुमाल गीतबंध रास आदि
००८४	कथा	गुणरत्नाकर छंद
०३६९	कथा	गौतमस्वामी रास

हस्तप्रत क्र.	विषय	ग्रंथनाम
०३४५	कथा	चंद्रसेन रास
०३६६	कथा	चतुःपर्वी रास
०३११	कथा	जंबूस्वामी कथा
०३०६	कथा	जंबूस्वामी कथा सह अर्थ
०४०२	कथा	जंबूस्वामी कथा सह अर्थ
०३०७	कथा	जंबूस्वामी चरित्र
०२७७	कथा	दीवालीकल्प कथा संक्षेप
०४३०	कथा	धूर्ताख्यान प्रबंध
००६२	कथा	नमिराजा गीत
००६३	कथा	नमिराजा चोपाई
०३६८	कथा	नल-दमयंती रास
०४५०	कथा	पंचतंत्राधिकार चोपाई
०३५७	कथा	पद्मावती आख्यान
०३६२	कथा	प्रदेशीराजा चोपाई
०३१०	कथा	प्रियमेलक कथा
०३७५	कथा	भागवत ओवी
०४८९	कथा	महोदयसूरि रास
००७२	कथा	मानतुंग-मानवती रास
०१७५	कथा	मानतुंग-मानवती रास
०३७९	कथा	मानतुंग-मानवती रास
०३०८	कथा	मुनिपति चरित्र
०२१५	कथा	रत्नपाल चरित्र
०३५१	कथा	रत्नपाल रास
००८९	कथा	रत्नमणिचूड रास
०४५४	कथा	रविवार कथा ?
०३४२	कथा	रुक्मिणी चरित्र

हस्तप्रत क्र.	विषय	ग्रंथनाम
०११३	कथा	रूपसिंह आचार्य रास
०४६७	कथा	ललितांगकुमार कथा आदि
०४१७	कथा	विक्रमराजा कथा
०३१४	कथा	विक्रमसेन चरित्र
००१८	कथा	विक्रमसेन-लीलावती रास
०४०८	कथा	विक्रमसेन-लीलावती रास
०११५	कथा	वेतालपच्चीसी कथा
०३६०	कथा	शनिश्चर कथा
०४३२	कथा	शांतिजिन चोपाई
०३०९	कथा	शालिभद्र चरित्र
०३२२	कथा	शालिभद्र चरित्र
०३८२	कथा	श्रीपाल चरित्र
००३६	कथा	श्रीपाल रास
०२३४	कथा	श्रेणिकनृप कथा
००८०	कथा	सनत्कुमार चक्रवर्ती रास
०३९०	कथा	सिंहलसुत चोपाई
०३००	कथा	सूरसेन-वीरसेन चरित्र ?
००४३	कथा	स्थुलिभद्र चरित्र
०३९३/पे.१	कथा	स्थुलिभद्र नवरस
०४६४	कथा	स्थुलिभद्र नवरस
००७४	कथा	हंसराज-वत्सराज चोपाई
०१८३	कथा	हरि कथलो
०४६८	कथा	हरिबल चरित्र
डा.१/ता.०१	कथा	हेमभूषण चरित्र
०१३१	कर्म.	आठ कर्म एक सौ अट्ठावन प्रकृति विचार

हस्तप्रत क्र.	विषय	ग्रंथनाम
०४३१	कर्म.	आठ कर्म एक सौ अट्ठावन प्रकृति विचार
००८१	कर्म.	आठ कर्म एक सौ अट्ठावन प्रकृति विवरण
०२४७	कर्म.	कर्मग्रंथ-६ सह टबार्थ
०२६३	कर्म.	कर्मविपाक (लघु) टबार्थ
०४५३	कामशास्त्र	कोक चोपाई
०४०४	कामशास्त्र	कोकशास्त्र
०३७०	कामशास्त्र	कोकसार चोपाई
०४०७	काव्य	कविप्रिया
०४६२	काव्य	रसिकप्रिया
०४२०	काव्य	सुंदरशृंगार वर्णन
०१०१	काव्य	हरिणी छंद काव्य
०४३३	कोश	अभिधानचिंतामणि नाममाला-देव कांड
०४२८	गणित	गणित पाटी
०२१६	चर्चा	प्रश्नोत्तर
००८६	चर्चा	लुंपाक चोपाई
०१६०	चित्र	सादडी तोफान चित्र
डा.४/ता.१८	जैन न्याय	जैनदार्शनिक प्रकरण संग्रह-खंड १ला
डा.४/ता.१९	जैन न्याय	जैनदार्शनिक प्रकरण संग्रह-खंड २रा
डा.४/ता.२०	जैन न्याय	जैनदार्शनिक प्रकरण संग्रह-खंड ३रा
०४१४	जैने. दर्शन	सिद्धांतमुक्तावली आदि
०४७३	जैने. पुराण	भागवत पुराण
०४३८	ज्यो.	ग्रहदशा यंत्र
०१९६	ज्यो.	जन्म कुंडली
००५९	ज्यो.	नारचंद्र ज्योतिष सह टिप्पण
०४४२	ज्यो.	पंचांग यंत्र

हस्तप्रत क्र.	विषय	ग्रंथनाम
०४७२	ज्यो.	महादेवी पत्र
०४२१	ज्यो.	मुहूर्तमुक्तावली आदि
०४७८	ज्यो.	सुबोधिनी पद्धति
०२०१	तत्त्व.	अट्ठानवे बोल
०२६४/पे.२	तत्त्व.	अठारह भार वनस्पति
०३४९	तत्त्व.	अल्पबहुत्व पच्चीसद्वार
०२४१	तत्त्व.	आचारांगसूत्र बोल
०२८०	तत्त्व.	कायस्थितिद्वार
डा.४/ता.२१/पे.३	तत्त्व.	कालविचारशतक
०००१	तत्त्व.	गति-आगति बोल आदि
०१४९	तत्त्व.	गांगेय भंग
०२६७	तत्त्व.	ग्यारह गणधर यंत्र
०२६८	तत्त्व.	ग्यारह गणधर यंत्र
डा.४/ता.२१/पे.२	तत्त्व.	चंद्रसूर्यमंडल विचार
०३५५	तत्त्व.	चर्चा पत्र
०११६	तत्त्व.	चोतीस अतिशय विचार
०००६	तत्त्व.	चोवीसजिन आयुमान
०००५	तत्त्व.	चोवीसजिन कल्याणक तिथि
०००२	तत्त्व.	चोवीसजिन गर्भकालमान यंत्र
०१४५	तत्त्व.	चोवीसजिन नाम आदि
०००३	तत्त्व.	चोवीसजिन मातापितादि नाम वर्णन
०२९६	तत्त्व.	चोवीसजिन विमानादि कोष्टक
०१६८	तत्त्व.	चोवीसजिन स्तोत्र (चतुर्विंशति दंडक विचार गर्भित) सह टबार्थ
०४०९	तत्त्व.	चोवीसदंडक अल्पबहुत्व विचार
०२४०	तत्त्व.	चौदह जीव भेद आदि

हस्तप्रत क्र.	विषय	ग्रंथनाम
०४२५	तत्त्व.	जीवविचार प्रकरण
०२३५	तत्त्व.	जीवविचार प्रकरण सह टबार्थ
०२६४/पे.१	तत्त्व.	जीवविचार प्रतीक
००५४	तत्त्व.	ज्योतिष चक्र
०४७१	तत्त्व.	त्रयोविंशतियुगप्रधाननाम यंत्र
००२८	तत्त्व.	दसश्रावकनामादि विवरण
०१९९	तत्त्व.	देव संबंधी यंत्र
०२७९	तत्त्व.	द्वीपसमुद्र परिधि
०२५३	तत्त्व.	नवतत्त्व प्रकरण
०२१३	तत्त्व.	नवतत्त्व प्रकरण आदि
०२५२	तत्त्व.	नवतत्त्व प्रकरण सह टबार्थ
०४२७	तत्त्व.	नवतत्त्व प्रकरण सह टबार्थ
०४३९	तत्त्व.	नवतत्त्व प्रकरण सह टबार्थ
०४२३	तत्त्व.	नवतत्त्व प्रकरण सह बालावबोध
०४५२	तत्त्व.	नवतत्त्व बालावबोध
०३८८	तत्त्व.	नवतत्त्व बोल
०२६२	तत्त्व.	पांच सौ साठ अजीव भेद
०२१४	तत्त्व.	बोल संग्रह
०२७५	तत्त्व.	बोल संग्रह
०१५६	तत्त्व.	भगवतीसूत्र बोल
डा.४/ता.२१/पे.१	तत्त्व.	मंडलविचार प्रकरण सह वृत्ति
डा.२/ता.०६	तत्त्व.	मनःस्थिरीकरण प्रकरण सह टीका-खंड १ला
डा.२/ता.०७	तत्त्व.	मनःस्थिरीकरण प्रकरण सह टीका-खंड २रा
डा.२/ता.०८	तत्त्व.	मनःस्थिरीकरण प्रकरण सह टीका-खंड ३रा
०२७४	तत्त्व.	विचार पत्र
०२७८	तत्त्व.	विमानदेवलोक संख्या
०४४०	तत्त्व.	षड्द्रव्य व्याख्यान
०३१६	तत्त्व.	संग्रहणीसूत्र (बृहत्) टीका
००२५	तत्त्व.	संग्रहणीसूत्र (लघु) सह टबार्थ
०४४७	तत्त्व.	संग्रहणीसूत्र सह बालावबोध
०००७	तत्त्व.	समकित विचार
०४०१/पे.२	तत्त्व.	सातसमुद्घात
००१२	तत्त्व.	सिद्ध पंचदश भेद आदि
डा.२/ता.०९	तत्त्व.	स्याद्वादपुष्पकलिका सह कलिकाप्रकाश वृत्ति-खंड १ला
डा.२/ता.१०	तत्त्व.	स्याद्वादपुष्पकलिका सह कलिकाप्रकाश वृत्ति-खंड २रा
०४९०	दर्शन	योगसूत्र प्रवेशिका
०४३४	नीति	राजनीतिशास्त्र (लघु)
०४३५	नीति	राजनीतिशास्त्र (लघु, वृद्ध) सह अर्थ
०२३८	न्याय	उद्देश ग्रंथ विचार
०३२५	पुराण	भविष्योत्तर पुराण-उत्तर खंड
०३०३	रमल	अरबी शकुनावली
०३०४	रमल	जनावर शकुनावली
०४८२	विधि	अष्टोत्तरीस्नात्र विधि
०३३०	विधि	पल्यविधान रास
०२८१	विधि	पूजा विधि
०१७१	विधि	प्रतिक्रमण विधि
००२७	विधि	मौनएकादशी एक सौ पच्चास कल्याणक टिप
००२९	विधि	मौनएकादशी गणणुं
०२९०	विधि	योग विधि आदि
०२३९	व्या.	बाराक्षरी

हस्तप्रत क्र.	विषय	ग्रंथनाम
०२२१	व्या.	सारस्वत व्याकरण सह वृत्ति सह टबार्थ-पंचसंधि
०२१७	सुभा.	विद्वद्गोष्ठी
००१७	सुभा.	सुभाषित
०२९८	सुभा.	सुभाषित
०३१७	सुभा.	सुभाषित संग्रह
०३०१	सुभा.	सूक्तमाला
०२५९/पे.१	स्तवन	अजितजिन स्तवन
०२५९/पे.२	स्तवन	अजितजिन स्तवन
०२५०	स्तवन	अजितजिन स्तवन आदि
००९७/पे.२	स्तवन	अजितजिन स्तुति
०२६९/पे.१	स्तवन	अनंतजिन स्तवन
०२७१/पे.१	स्तवन	अभिनंदनजिन स्तवन
००३२/पे.१	स्तवन	अष्टमी स्तुति
०२६५	स्तवन	आत्म गीत
०१८४/पे.१	स्तवन	आदिजिन प्रभाती
०१९८	स्तवन	आदिजिन भास आदि
०१९२/पे.१	स्तवन	आदिजिन विनति
०२४४/पे.१	स्तवन	आदिजिन स्तवन
०१५०	स्तवन	आदिजिन स्तवन (शत्रुंजय मंडन)
०१३६	स्तवन	उपदेशक पद आदि
०२७६/पे.२	स्तवन	ऋषभजिन बारमास
०३२१	स्तवन	ऋषभजिन विवाहलो
०३५२	स्तवन	ऋषभजिन विवाहलो
०२३०/पे.१	स्तवन	ऋषभजिन स्तवन

हस्तप्रत क्र.	विषय	ग्रंथनाम
०१८८	स्तवन	ऋषभजिन हमची
०११०/पे.१	स्तवन	केशवजी भास
०११०/पे.२	स्तवन	केशवजी भास
००७५	स्तवन	गहुंली
०३९३/पे.२	स्तवन	गुणमाला स्तवन
०१९७	स्तवन	गौतमस्वामी छंद
०३८७	स्तवन	गौतमस्वामी रास
०२७०	स्तवन	चंद्रप्रभजिन पद आदि
०४३६	स्तवन	चार मंगल
०२९४	स्तवन	चोमासी देववंदन
०२९९	स्तवन	चोवीसजिन आंतरा
०१९५	स्तवन	चोवीसजिन चैत्यवंदन
०२२९	स्तवन	चोवीसजिन स्तवन
०४०३	स्तवन	चोवीसजिन स्तवन
०४५१	स्तवन	चोवीसजिन स्तवन
०३७३	स्तवन	चोवीसजिन स्तवन आदि
०३९१	स्तवन	चोवीसजिन स्तवन आदि
०३७२	स्तवन	चोवीसजिन स्तुति
०२२८	स्तवन	चोवीसजिन स्तुति आदि
०३९६	स्तवन	चोवीसीजिन स्तवन रागमाला आदि
०३९२	स्तवन	चोवीसीजिन स्तवन सह टबार्थ
०४१६	स्तवन	चौदह स्वप्न छंद आदि
०२१०	स्तवन	चौदह स्वप्न स्तवन
०१८०	स्तवन	जसवंत भास
०२५८	स्तवन	जिन स्तवन
०१०३	स्तवन	जिनराज विनति

हस्तप्रत क्र.	विषय	ग्रंथनाम
०४५६	स्तवन	जिनवाणी पद आदि
०४३७/पे.१	स्तवन	जिनसमता स्तवन
०२४८	स्तवन	दीवाली स्तवन
०१६३/पे.२	स्तवन	द्वितीया स्तुति
०२०९/पे.२	स्तवन	धर्मजिन स्तवन
०२५७	स्तवन	धर्मजिन स्तवन आदि
००६४	स्तवन	नव अंग पूजा दुहा
०११२	स्तवन	नव अंग पूजा दुहा
०३५६	स्तवन	नवकार रास
०४६०	स्तवन	नवपद पूजा
०१८६/पे.२	स्तवन	नेमजिन बारमास
०२७६/पे.१	स्तवन	नेमिजिन पद
०२२७	स्तवन	नेमिजिन भ्रमरगीता
०२६१/पे.१	स्तवन	नेमिजिन स्तव
०१५२	स्तवन	नेमिजिन स्तवन
०४११	स्तवन	नेमिजिन स्तवन आदि
०२५५/पे.१	स्तवन	पंचपरमेष्ठि आरति
०४५७	स्तवन	पद संग्रह
०२३२	स्तवन	पद्मप्रभजिन स्तवन
०२९५	स्तवन	पद्मावतीराणी आराधना
०१९२/पे.२	स्तवन	पद्मिनी स्तवन
००३३/पे.२	स्तवन	पर्युषणा स्तुति
०४६५	स्तवन	पार्श्वजिन छंद आदि
००६६	स्तवन	पार्श्वजिन निशानी

हस्तप्रत क्र.	विषय	ग्रंथनाम
०२५६	स्तवन	पार्श्वजिन निशानी
०१८९	स्तवन	पार्श्वजिन विनति (चिंतामणि)
००३४	स्तवन	पार्श्वजिन स्तवन
०१०४	स्तवन	पार्श्वजिन स्तवन
०२३०/पे.२	स्तवन	पार्श्वजिन स्तवन
०२३१	स्तवन	पार्श्वजिन स्तवन
०२३३	स्तवन	पार्श्वजिन स्तवन
०२६९/पे.२	स्तवन	पार्श्वजिन स्तवन
०१०५	स्तवन	पार्श्वजिन स्तवन (अंतरीक्ष)
०१४२	स्तवन	पार्श्वजिन स्तवन (अंतरीक्ष)
०४७४	स्तवन	पार्श्वजिन स्तवन (गोडी)
०२७२	स्तवन	पार्श्वजिन स्तवन (शंखेश्वर मंडन)
०१०२	स्तवन	पार्श्वजिन स्तवन (शंखेश्वर)
०२४६	स्तवन	पार्श्वजिन स्तवन आदि
०२६०	स्तवन	पार्श्वजिन स्तवन आदि
०३८४	स्तवन	पार्श्वजिन स्तवन आदि
०१७८	स्तवन	पार्श्वजिन स्तुति
०४४९	स्तवन	भजन संग्रह
०१३७	स्तवन	मल्लिजिन स्तवन
०४३७/पे.२	स्तवन	महावीरजिन निर्वाण स्तवन (गौतमविलाप गर्भित)
००९६/पे.१	स्तवन	महावीरजिन विनति
०२४४/पे.२	स्तवन	महावीरजिन स्तवन
०२४९	स्तवन	महावीरजिन स्तवन
०२८२	स्तवन	महावीरजिन स्तुति आदि
०२१९/पे.१	स्तवन	मुनिसुव्रतजिन स्तवन

हस्तप्रत क्र.	विषय	ग्रंथनाम
०२०९/पे.१	स्तवन	वासुपूज्य स्तवन
०१९०	स्तवन	विमलजिन स्तवन
०३२६	स्तवन	विहरमानजिन गीत
००६१	स्तवन	विहरमानजिन स्तवन
०१५७	स्तवन	वीरजिन स्तवन
००३५	स्तवन	वीरजिन स्तुति
०२८६	स्तवन	वीसविहरमान गीत
०४६९	स्तवन	वीसविहरमान गीत
०२८७	स्तवन	वीसविहरमान स्तवन
०२८८	स्तवन	वीसविहरमान स्तवन
०२८९	स्तवन	वीसविहरमान स्तवन
०४७०	स्तवन	वीसविहरमान स्तवन
०१९३	स्तवन	वीसविहरमानजिन स्तवन
०२०६	स्तवन	वीसविहरमानजिन स्तवन
०२२२	स्तवन	वीसविहरमानजिन स्तवन
०२९३	स्तवन	वीसस्थानक स्तवन
००५६/पे.२	स्तवन	शांतिजिन भास
०२०८	स्तवन	शांतिजिन स्तवन
०२६१/पे.२	स्तवन	शांतिजिन स्तवन
०२०७	स्तवन	शांतिजिन स्तवन (हस्तिनापुर मंडन)
०२१२	स्तवन	शीतलजिन विनति
०२१९/पे.२	स्तवन	शीतलजिन स्तवन
०१२९/पे.१	स्तवन	संगीत स्तुति
०२८३	स्तवन	सत्रहभेदी पूजा
००३३/पे.१	स्तवन	साधारणजिन चैत्यवंदन

हस्तप्रत क्र.	विषय	ग्रंथनाम
०१६३/पे.१	स्तवन	साधारणजिन स्तवन
०२७३	स्तवन	साधारणजिन स्तवन
०४०१/पे.१	स्तवन	साधारणजिन स्तवन
०३७७	स्तवन	साधुवंदना
०३८३	स्तवन	साधुवंदना
०१४१	स्तवन	सिद्धचक्र स्तुति
०२२४	स्तवन	सिद्धाचल स्तवन
०१८२	स्तवन	सीमंधरजिन विनति
०३२७	स्तवन	सीमंधरजिन स्तवन आदि
०११७	स्तवन	सुमतिजिन स्तवन (चोतीस अतिशय विचार गर्भित)
०२३७	स्तवन	स्तवन संग्रह
०२८५	स्तवन	स्तवनचोवीसी
०१३३	स्तवन	होरी गीत संग्रह
०१६५	स्तवन	होरी पद आदि
०११४	स्तवन	होरी पद संग्रह
००७६	स्तवन	होरी संग्रह
०२२३	स्तोत्र	अंबा अष्टक
०४७९	स्तोत्र	आदित्यहृदय स्तोत्र
०१३९	स्तोत्र	आर्या स्तुति
००७०	स्तोत्र	कल्याणमंदिर स्तवन सह अवचूरि
००२२	स्तोत्र	कल्याणमंदिर स्तोत्र
००२६/पे.१	स्तोत्र	कल्याणमंदिर स्तोत्र
०१६२	स्तोत्र	गंगा अष्टक
०३४७	स्तोत्र	गौतमस्वामी स्तोत्र आदि
०००४	स्तोत्र	चतुर्विंशतिजिन नमस्कार

हस्तप्रत क्र.	विषय	ग्रंथनाम
डा.१/ता.०५	स्तोत्र	चतुर्विंशतिजिन स्तव सह विवृत्ति
०२११	स्तोत्र	तीर्थराज स्तवन
०१८६/पे.१	स्तोत्र	नवग्रह स्तोत्र
०३१३	स्तोत्र	नवस्मरण आदि
०१६६	स्तोत्र	निरंजन अष्टक
०१६७/पे.१	स्तोत्र	निरंजन अष्टक
०१८५/पे.२	स्तोत्र	निरंजन अष्टक
००३२/पे.२	स्तोत्र	पंचमी स्तुति
०१४०	स्तोत्र	पार्श्वजिन स्तवन सह टबार्थ
०१८१	स्तोत्र	पार्श्वजिन स्तोत्र (चिंतामणि)
०३८१	स्तोत्र	बृहत्शांति स्तोत्र
०१७३	स्तोत्र	भक्तामर स्तोत्र
०३५४	स्तोत्र	भक्तामर स्तोत्र
०३८०	स्तोत्र	भक्तामर स्तोत्र
०४१८	स्तोत्र	भक्तामर स्तोत्र आदि
०३२४	स्तोत्र	भक्तामर स्तोत्र पर्याय
०३५३	स्तोत्र	भक्तामर स्तोत्र सह टबार्थ
०४८०	स्तोत्र	भवानी कवच
००७७	स्तोत्र	मनुष्यभवदुर्लभता दृष्टांत सह टबार्थ
००९३	स्तोत्र	महावीरजिन स्तवन सह टबार्थ
०२९२	स्तोत्र	मौनएकादशी स्तुति
०१९४	स्तोत्र	रामरक्षा स्तोत्र
०४५८	स्तोत्र	रामरक्षा स्तोत्र आदि
०१०८	स्तोत्र	लघुशांति
०३३४	स्तोत्र	लघुशांति स्तोत्र सह टबार्थ

हस्तप्रत क्र.	विषय	ग्रंथनाम
०१८५/पे.१	स्तोत्र	शक्रस्तव गद्य स्तोत्र
०१०७	स्तोत्र	शांतिकर स्तोत्र
०१६९	स्तोत्र	शांतिजिन स्तोत्र (कमलबद्ध)
०३६१	स्तोत्र	शाश्वत-अशाश्वतजिन स्तोत्र
०३१२	स्तोत्र	सप्तस्मरण
डा.१/ता.०२	स्तोत्र	सर्वसिद्धांत स्तव सह अवचूरि
डा.३/ता.१५	स्तोत्र	स्तोत्र संग्रह-भाग १ला
डा.३/ता.१६	स्तोत्र	स्तोत्र संग्रह-भाग २रा

(८)

कृतिनाम-अपरनाम अनुसार सूचि

(९)

अपरनाम-कृतिनाम अनुसार सूचि

हस्तप्रत क्र.	ग्रंथनाम	अपरनाम
०१००	आराधना प्रकरण सह टबार्थ	पर्यंत आराधना
०१६८	चोवीसजिन स्तोत्र (चतुर्विंशति दंडक विचार गर्भित) सह टबार्थ	दंडक प्रकरण
०१२४	छह व्रत सज्झाय आदि	पंच महाव्रत सज्झाय
०१८०	जसवंत भास	सीमंधरजिन विनति
०४३७/पे.१	जिनसमता स्तवन	ऋषभजिन स्तवन
०१४०	पार्श्वजिन स्तवन सह टबार्थ	उपसर्गहर स्तवन
०२४९	महावीरजिन स्तवन	पुण्यप्रकाश स्तवन
००९२	राज्यमानि सज्झाय	हीरसूरि सज्झाय
०१२९/पे.१	संगीत स्तुति	महावीरजिन स्तुति (संगीतबद्ध)
०२७३	साधारणजिन स्तवन	रत्नाकरपंचविंशतिका

हस्तप्रत क्र.	अपरनाम	ग्रंथनाम
०१४०	उपसर्गहर स्तवन	पार्श्वजिन स्तवन सह टबार्थ
०४३७/पे.१	ऋषभजिन स्तवन	जिनसमता स्तवन
०१६८	दंडक प्रकरण	चोवीसजिन स्तोत्र (चतुर्विंशति दंडक विचार गर्भित) सह टबार्थ
०१२४	पंच महाव्रत सज्झाय	छह व्रत सज्झाय आदि
०१००	पर्यंत आराधना	आराधना प्रकरण सह टबार्थ
०२४९	पुण्यप्रकाश स्तवन	महावीरजिन स्तवन
०१२९/पे.१	महावीरजिन स्तुति (संगीतबद्ध)	संगीत स्तुति
०२७३	रत्नाकरपंचविंशतिका	साधारणजिन स्तवन
०१८०	सीमंधरजिन विनति	जसवंत भास
००९२	हीरसूरि सज्झाय	राज्यमानि सज्झाय

(१०)

आलेख

मूल-टीका कृति आलेख

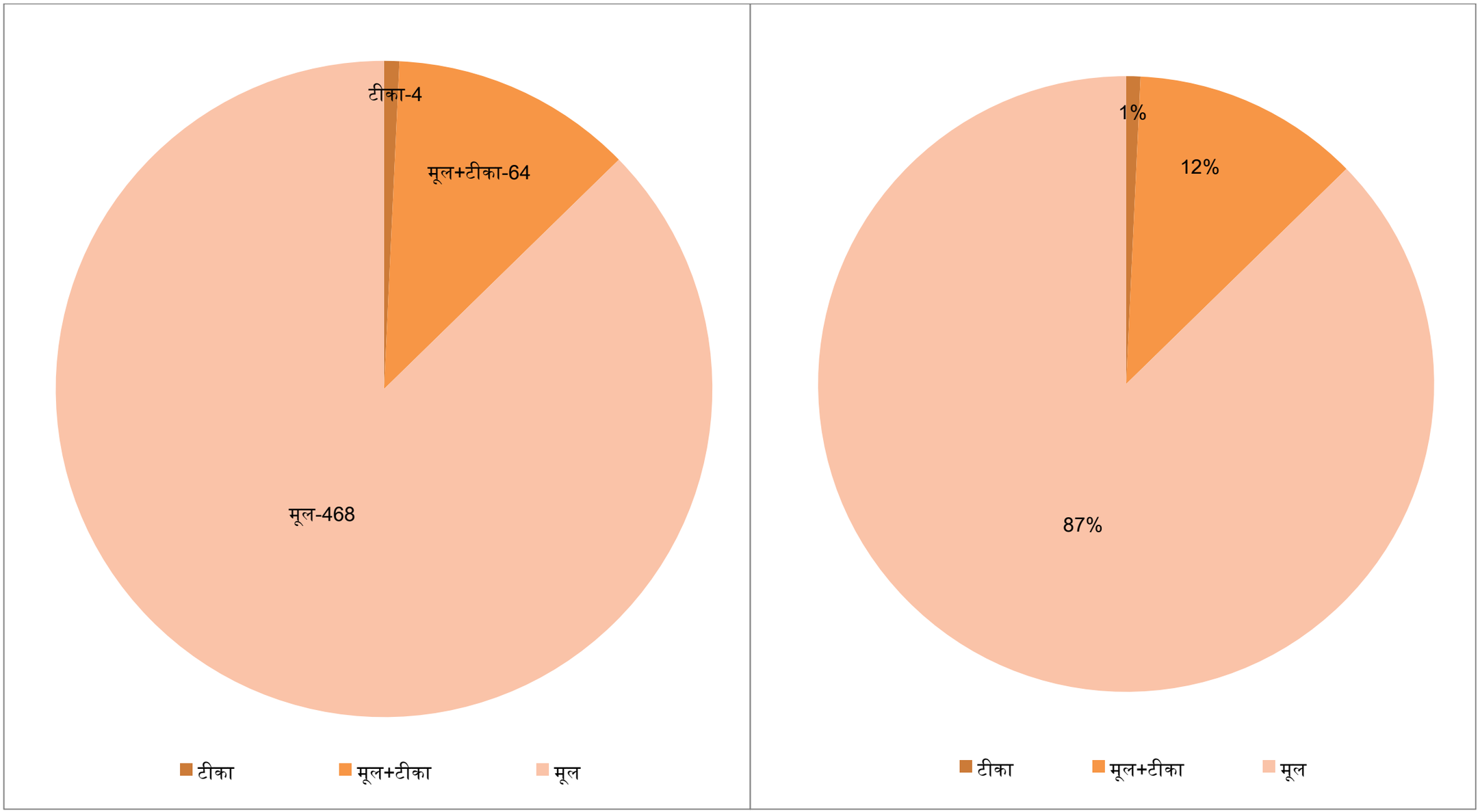

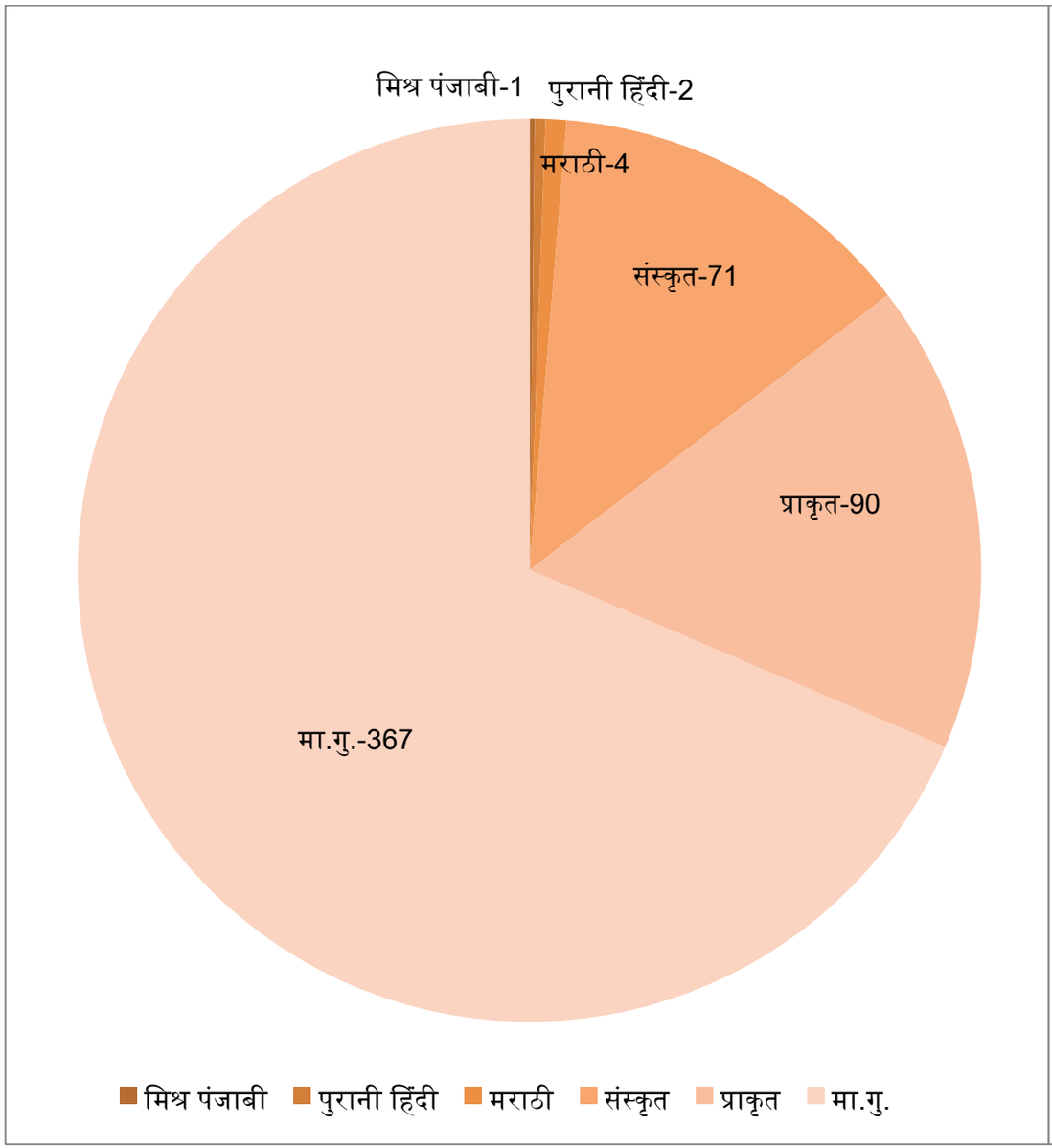
मिश्र पंजाबी-1
पुरानी हिंदी-2
मराठी-4
संस्कृत-71
प्राकृत-90
मा.गु.-367
मिश्र पंजाबी
पुरानी हिंदी
मराठी
संस्कृत
प्राकृत
मा.गु.

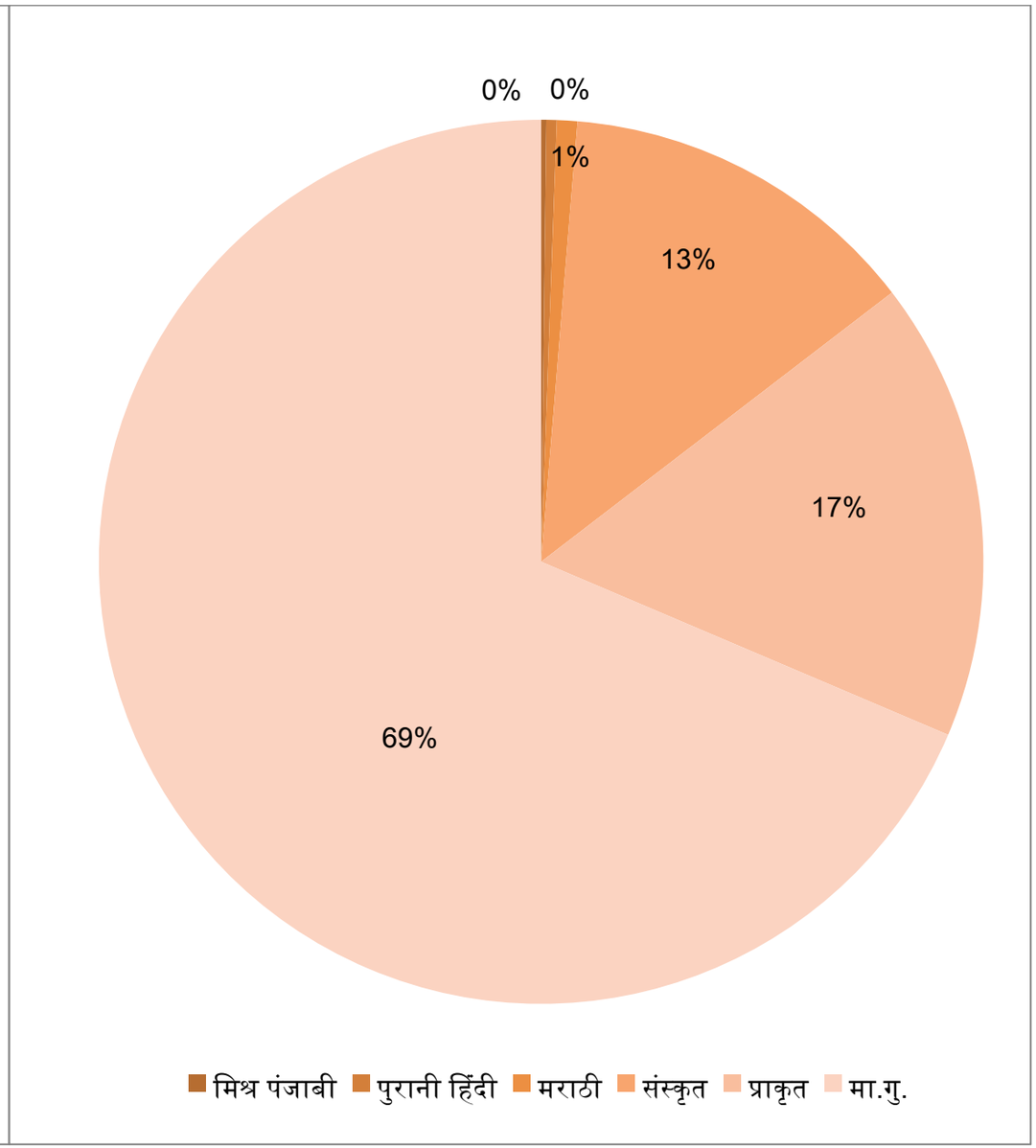
0%
0%
1%
13%
17%
69%
मिश्र पंजाबी
पुरानी हिंदी
मराठी
संस्कृत
प्राकृत
मा.गु.

पूर्णता आलेख

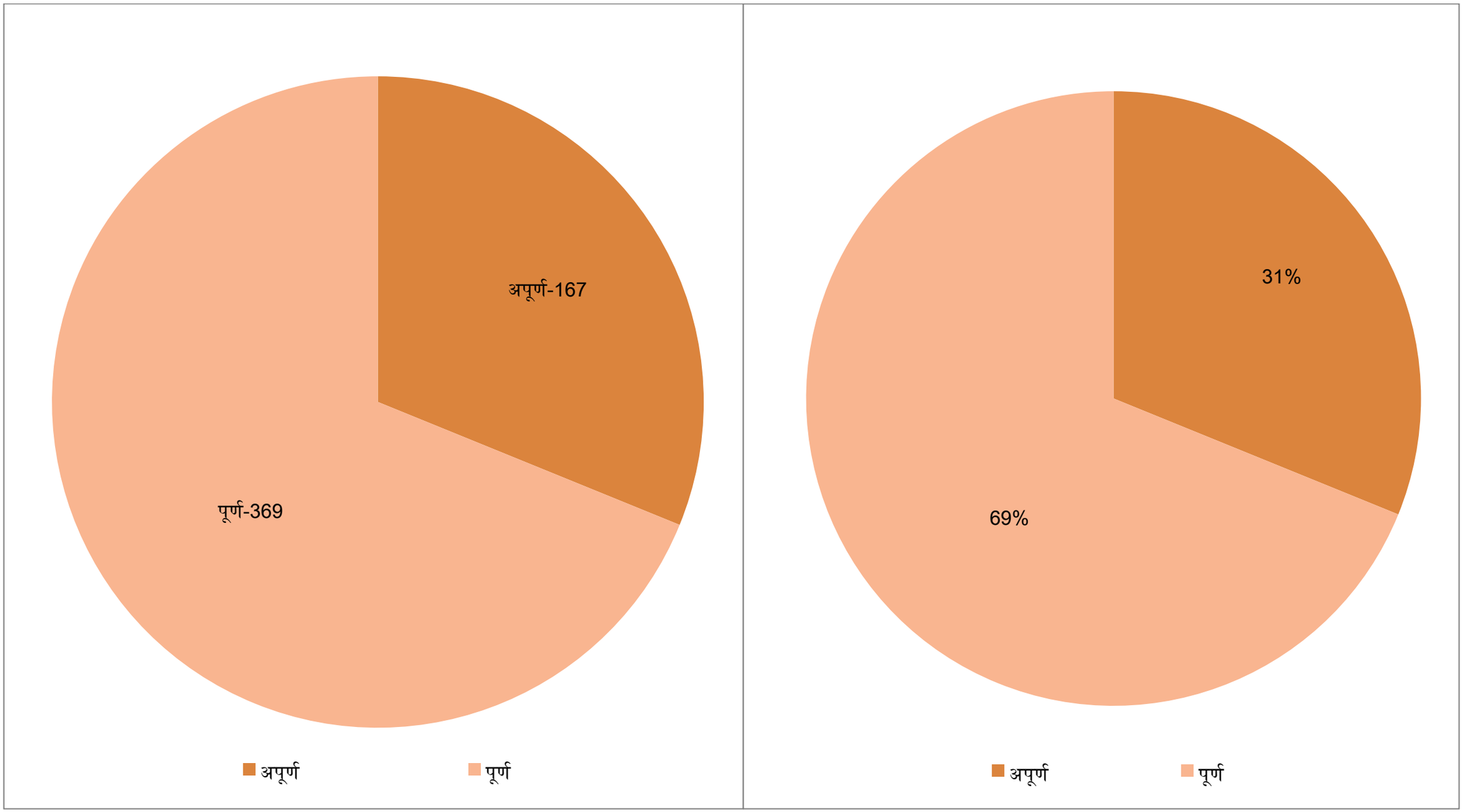

लेखन संवत् आलेख

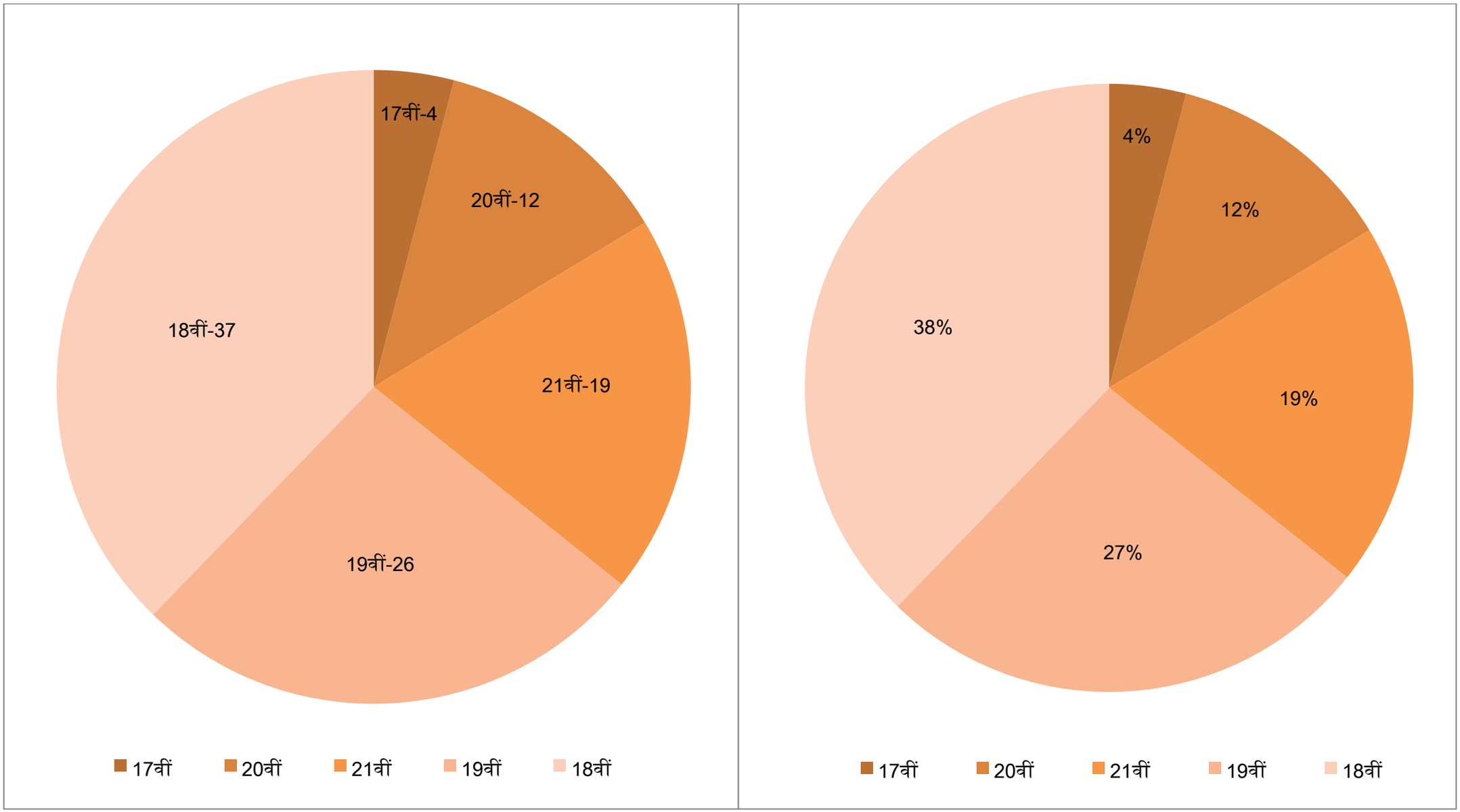
17वीं-4
20वीं-12
21वीं-19
19वीं-26
18वीं-37
17वीं
20वीं
21वीं
19वीं
18वीं
4%
12%
19%
27%
38%
17वीं
20वीं
21वीं
19वीं
18वीं

विषय आलेख

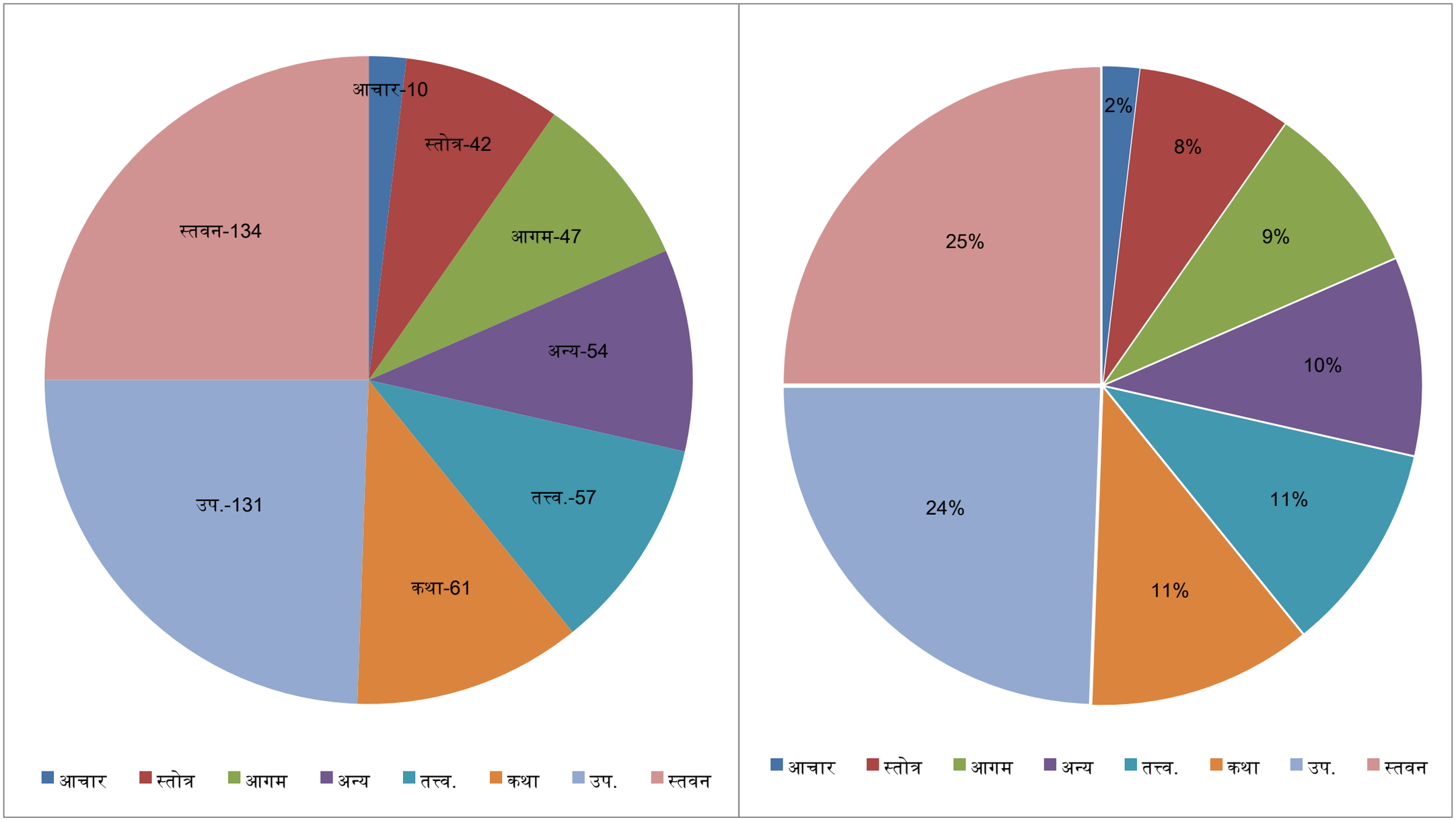
आचार-10
स्तोत्र-42
आगम-47
अन्य-54
तत्त्व.-57
कथा-61
उप.-131
स्तवन-134
आचार
स्तोत्र
आगम
अन्य
तत्त्व.
कथा
उप.
स्तवन
2%
8%
9%
10%
11%
11%
24%
25%
आचार
स्तोत्र
आगम
अन्य
तत्त्व.
कथा
उप.
स्तवन

प्राचीन श्रुतसंपदा के समुद्धार के लिए
समुदार सहयोग देनेवाले महानुभावों की नामावली

श्रुतसमुद्धारक

श्रीमती चंद्रकलाबेन सुंदरलाल शेठ परिवार (मांगरोळ हाल- पुणे)

श्री माणेकचंद नेमचंद शेठ चॅरिटेबल ट्रस्ट (मुंबई)

श्रुतरत्न

श्री भाईश्री (इंटरनेशनल जैन फाउंडेशन, मुंबई)

श्रुतसंरक्षक

श्री हसमुखभाई दीपचंदभाई गार्डी (दुबई)

श्री भवानीपुर जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक संघ (कोलकाता)

श्री दीपकभाई विनोदकुमार शहा (तळेगाव दाभाडे, पुणे)

पूज्य सा.श्री **जिनरत्नाश्रीजी** म. की प्रेरणा से श्री अंकलेश्वर श्वे.मू. जैन संघ (अंकलेश्वर)

श्रीमती ज्योतिबेन नलिनभाई जीवतलाल दलाल परिवार

श्री अभयजी श्रीश्रीमाळ जैन (अभुषा फाउंडेशन, चेन्नई)

सुजय गार्डन जैन संघ (मुकुंदनगर, पुणे)

श्रुतस्तंभ

पू.सा.श्री **हर्षरेखाश्रीजी** म.की प्रेरणा से श्रीमती वसंतप्रभाबेन कांतिलाल शाह (पुणे)

पू.आ.श्री **विश्वकल्याणसू**.म.की प्रेरणा से श्री पद्ममणि जैन श्वे.मू. ट्रस्ट

पू.आ.श्री **राजरत्नसू**.म.की प्रेरणा से श्री जवाहरनगर श्वेतांबर मूर्तिपूजक जैन संघ (गोरेगाव, मुंबई)

हितेन नलिनभाई दलाल

श्री पार्श्वनाथ जैन श्वेतांबर मंदिर ट्रस्ट (भवानी पेठ, पुणे)

पू. आ. श्री **हेमप्रभसूरिजी** म.सा. और पू. पं श्री **वज्रसेनविजयजी** म.सा. की प्रेरणा से श्री हालारी विशा ओसवाल आदिजिन सेवा ट्रस्ट, श्री आदिनाथ जैन मंदिर (पालिताणा)

श्रुतभक्त

पू. आ. श्री **योगतिलकसू**. म. की प्रेरणा से श्री शांतिकनक श्रमणोपासक ट्रस्ट (सुरत)

श्री हसमुखलाल चुनिलाल मोदी चॅरिटेबल ट्रस्ट (तारदेव, मुंबई)

श्री पार्श्वनाथ श्वेतांबर मूर्तिपूजक जैन संघ (मुंबई)

श्री ऋषभ अपार्टमेंट महिला मंडल (प्रार्थना समाज, मुंबई)

वर्धमानपुरा जैन संघ (पुणे)

जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक संघ (दहाणुकरवाडी, कांदीवली, मुंबई)

श्री रविकांत चौधरी (वेपेरी, चेन्नई)

पूज्य मु.श्री **प्रशमरतिविजयजी** म. की प्रेरणा से श्री सुमतिनाथस्वामी जैन श्वे.मू.संघ (रामदास पेठ, नागपुर)

पू. सा.श्री **तत्त्वरक्षिताश्रीजी** म.सा. की प्रेरणा से श्री सीमंधर शांतिसूरि श्राविका संघ, व्ही.व्ही.पुरम्, बेंगलोर।

पू.पं.श्री **मोक्षरति-तत्त्वदर्शनवि.ग.** की प्रेरणा से श्री अलकापुरी जैन श्वेतांबर मुर्तिपूजक संघ (वडोदरा)

श्रीम. कल्पनाबेन एवं सुधीरभाई एस. कापडिया परिवार (मुंबई)

श्री मरचंट सोसायटी जैन संघ (अहमदाबाद)

श्री सुमतिनाथस्वामी जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक संघ (नागपूर)

श्री पार्श्वनाथ जैन श्वेतांबर मंदिर ट्रस्ट (संगमनेर)

श्री जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक तपागच्छ संघ (इतवारी, नागपुर)

सौ इलाबेन महेंद्रभाई शाह (पुणे)

श्री हरेनभाई शाह (पुणे)

श्री कालंद्री जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक संघ ट्रस्ट (कालंद्री)

श्री पार्श्वनाथ श्वेतांबर मूर्तिपूजक जैन संघ (मुंबई)
श्री आर्यनभाई बी. शाह

श्रुतप्रेमी

श्री गोडीजी टेम्पल ट्रस्ट (पुणे)
श्री गोडीजी टेम्पल ट्रस्ट (पायधुनी, मुंबई)
श्री रतनचंदजी ताराचंदजी परमार (पुणे)
श्री मोहनलालजी गुलाबचंदजी बांठीया (पुणे)
श्री नगराजजी चंदनमलजी गुंदेचा (पुणे)
श्री नेमीचंदजी कचरमलजी जैन (पुणे)
श्री भरतभाई के. शाह (सुयोग ग्रुप, पुणे)
श्री सोहनलालजी टेकचंदजी गुंदेचा (पुणे)
श्री सुखीमलजी भीमराजजी छाजेड (पुणे)
श्री जैन आशापुरी ग्रुप (पुणे)
श्री महेंद्र पुनातर (मुंबई)
श्री सुधीरभाई चंदुलाल कापडिया (मुंबई)
श्री संजयभाई महेंद्रजी पुनातर (मुंबई)
प्रो.श्रीमती विमल बाफना (पुणे)
पू.सा.श्री **नंदीयशाश्रीजी** म.की प्रेरणा से श्री आंबावाडी जैन संघ (अहमदाबाद)
श्री गोवालिया टेंक जैन संघ (मुंबई)
श्री मोतीशा लालबाग रिलीजीयस चेरिटेबल ट्रस्ट (भायखला, मुंबई)
पू.आ.श्री **तीर्थभद्रसू**.म.की प्रेरणा से जे. सी. कोठारी देरासर जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक संघ (मलाड, मुंबई)
श्री अशोक कालिदास कोटेचा (अहमदाबाद)
श्री विमलनाथस्वामी जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक जैन संघ (बिबवेवाडी, पुणे)
श्री मुनिसुव्रतस्वामी श्वेतांबर मूर्तिपूजक जैन संघ (लेकटाउन सो., पुणे)
श्री श्वेतांबर मूर्तिपूजक जैन संघ (सोलापुर बजार, पुणे)
पू. मुनिराज श्री **निर्मलयशविजयजी** म.सा. की प्रेरणा से, श्री जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक गुजराती पंच (मालेगाव)
सायन जैन संघ (मुंबई)
श्रुतोपासिका सा. **चंदनबालाश्रीजी** की शुभ प्रेरणा से मातुश्री सरस्वतीबहेन कानजी वोरा (दादर, मुंबई)
पू.आ.श्री **विश्वकल्याणसू**.म. की प्रेरणा से श्री आदिनाथ जिन मंडळ (कर्वे रोड, पुणे)
पू.सा.श्री **सूर्यमालाश्रीजी** म. की प्रेरणा से श्री सम्यक् साधना रत्नत्रय आराधक ट्रस्ट (अहमदाबाद)
श्री नाकोडा भैरव राजस्थानी जैन टेम्पल तथा जैन फिलॉसॉफी रिसर्च ट्रस्ट (आळंदी)
श्री आदेश्वर महाराज जैन टेम्पल ट्रस्ट (गोटीवाला धडा, पुणे)
श्री ओमप्रकाशजी नगराजजी रांका (रांका ज्वेलर्स, पुणे)
श्री सिद्धशिला ग्रुप श्री विलासजी राठोड (पुणे)
डॉ. सुमतिलाल साकळचंद गुजराथी (हस्ते - कल्याणी मेडिकल, पुणे)
श्री जैन श्वेतांबर दादावाडी टेम्पल ट्रस्ट (पुणे)
व्ही.एल. जैन (पुणे)
वीरविभु के ७९ वे पट्टधर गच्छाधिपति पू. आ. श्री **हेमभूषणसूरिजी** म.सा. की पुण्यस्मृति में संघवी वीरचंद हुकमाजी आयोजित चातुर्मास समिति, पालीताणा।
गच्छाधिपति पू. आ. श्री **महोदयसूरिजी** म.सा. के अनन्य पट्टधर गच्छाधिपति पू. आ. श्री **हेमभूषणसूरिजी** म.सा. की पुण्यस्मृति में संघवी वीरचंद हुकमाजी परिवार आयोजित चातुर्मास समिति (पालीताणा)
श्री मरिन ड्राईव जैन आराधक ट्रस्ट (मुंबई)
श्री जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक संघ (सायन, मुंबई)
श्री जवाहरनगर जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक संघ (गोरेगाव, मुंबई)
पू. सा. श्री **उद्योतदर्शनाश्रीजी** की प्रेरणा से गिरनार टावर, श्राविका संघ (चेन्नई)

पू. आ. श्री **यशोविजयसू.** म.सा. व पू. आ. श्री **मुनिचंद्रसू.** म.सा की प्रेरणा से श्री परमजिन भद्रशांति श्वे. मू. जैन संघ (पाल, सुरत)

श्रीमती दीप्तिबेन अमरचंदजी मेहता (नागपूर)

श्री श्वेताबंर मूर्तिपूजक जैन संघ (जुना नागरदास रोड, अंधेरी)

श्री मोहनभाई मूळजी (मुंबई)

प.पू. आचार्य श्री विजय **यशोवर्मसूरीश्वरजी** म.सा. की प्रेरणा से श्री हरहरवाला बिल्डिंग श्वेतांबर मूर्तिपूजक जैन संघ (मुंबई)

पू. आ. श्री **चंद्रगुप्तसू.** म.सा. के प्रेरणा से एक सद्गृहस्थ

पू. आ.श्री **तीर्थभद्रसू.** म.सा. के प्रेरणा से श्री आदिनाथ जैन संघ (चेन्नई)

वीरविभु के ८० वें पट्टधर गच्छाधिपति पू. आ. **पुण्यपालसू.** म.सा. के संयमजीवन की अनुमोदनार्थ संघवी वीरचंद हुकमाजी परिवार आयोजित सामुहिक चातुर्मास प्रसंगे

सौ. कविताबेन रितेशभाई कोठारी

श्रुतोपासक

श्री अर्थप्राईड जैन संघ (मुंबई)

पू.आ.श्री **कलाप्रभसागरसू.**म.की प्रेरणा से श्री मुलुंड श्वेतांबर मूर्तिपूजक जैन संघ (मुंबई)

पू.मु.श्री **जिनरत्नवि.**म.की प्रेरणा से श्री आदिनाथ सोसायटी जैन संघ (पुणे)

पू. उपा. श्री **जितेंद्रमुनिजी** म.की प्रेरणा से श्रीमती सीमा जैन (होशियारपुर, पंजाब)

श्री वर्धमानस्वामी जैन चेरिटेबल ट्रस्ट (सदाशिव पेठ, पुणे)

पू.आ.श्री **तीर्थभद्रसू.**म.की प्रेरणा से मातुश्री कमळाबेन गिरधरलाल वोरा परिवार (खाखरेची, मुंबई) आयोजित उपधान तप समिति

पू.आ.श्री **तीर्थभद्रसू.**म.की प्रेरणा से मातुश्री मानुबेन माडण गुणसी गडा परिवार (थोरीयारी- मुंबई) आयोजित उपधान तप समिति

प्रताप बी. शाह (वडोदरा)

पूज्य आ.श्री **देवचंद्रसागरजी** म. की प्रेरणा से श्री आगमोद्धारक देवर्धि जैन आगम मंदिर ट्रस्ट (पुणे)

श्री गोवालिया टैंक जैन संघ, मुंबई।

श्री मरीन ड्राईव्ह जैन आराधक ट्रस्ट, मुंबई।

पू. मु. श्री **शुक्लध्यानविजयजी** म.सा. की प्रेरणा से श्री रिद्धि सिद्धि आदर्श श्वेतांबर मूर्तिपूजक जैन संघ (मलाड, मुंबई)

पू. आ.श्री **यशप्रेमसूरिजी** म.सा. की प्रेरणा से भाववर्धक श्री सुपार्श्वनाथ स्वामी श्वेतांबर मूर्तिपूजक जैन संघ (अहमदाबाद)

पू.मु.श्री **पुण्यरक्षितविजयजी** म.सा.की प्रेरणा से श्री धन्ना शालिभद्र तपागच्छ श्वेतांबर मूर्तिपूजक जैन संघ (मलाड, मुंबई)

श्री वर्धमान स्वामी जैन चेरिटेबल ट्रस्ट (सदाशिव पेठ, पुणे)

पू. उपा.श्री **भुवनचंद्रविजयजी** म.सा. की प्रेरणा से श्री कच्छ दुर्गापूर विशा ओसवाल मूर्तिपूजक जैन महाजन (मुंबई)

श्री मुनिसुव्रत स्वामी जैन श्वेतांबर मंदिर ट्रस्ट (कोल्हापूर)

ऋत्वा वैभवकुमार दलाल (अहमदाबाद)

श्री वर्धमान सेवा समिती (विटा)

श्री मयणा-श्रीपाळ श्वेतांबर मूर्तिपूजक संघ (पाल, सुरत)

श्री जुहू स्कीम जैन संघ (व्हीलेपार्ले, मुंबई)

श्री स्थानकवासी छ कोटी लिंबडी अजरामर संप्रदाय (मुंबई)

श्री अशोकभाई अचलचंदजी हिंगड (जैन) (पुणे)

Tiam Cosmetics, Mumbai

श्री हसमुखभाई शाह (मुंबई)

श्रुतानुरागी

श्री मुनिसुव्रतस्वामी श्वेतांबर मूर्तिपूजक जैन संघ (फातिमानगर, पुणे)

श्री जैन आत्मानंद सभा (फरिदाबाद, पंजाब)

पू.मु.श्री **जिनरत्नवि.**म.की प्रेरणा से श्री जिनरत्न आनंद ट्रस्ट

अक्षरश्रुतम्

(ताडपत्रीय शास्त्रांकन परियोजना)

समुदार सहयोग देनेवाले महानुभावों की नामावली

श्रीमती ज्योतिबेन नलिनभाई जीवतलाल दलाल परिवार

श्री शंखेश्वर पार्श्वनाथ जैन टेम्पल ट्रस्ट, शा. मानाजी कसनाजी धडा (भवानी पेठ, पुणे)

शा. रमणलालजी धर्माजी ओसवाल (पुणे)

भावेशभाई जे. शाह (पुणे)

श्री संभवनाथ भगवान जैन श्वेतांबर जिनालय ट्रस्ट (पुणे)

श्री कांतीलालजी फत्तेचंदजी छाजेड परिवार (पुणे)

श्री वासुपूज्य स्वामी मीरा-आनंद जैन संघ (शंकरशेठ रोड, पुणे)

श्री वर्धमान स्वामी जैन चॅरिटेबल ट्रस्ट (सदाशिव पेठ, पुणे)

सौ. सोनालीबेन भूपेंद्रकुमार भिकमचंदजी खिंवसरा (दापोली)

जैन सोश्यल ग्रुप, नारी संघटना (पुणे)

भारती मोतिलाल जैन (सातारा)

श्री सुधीरभाई सुंदरलाल कापडिया (मुंबई)

श्री वासुपूज्यस्वामी श्वैतांबर मूर्तिपूजक जैन संघ (मुराद सोसायटी, पुणे)

सौ रेखाबेन अशोकभाई कोठारी (मुंबई)

श्री विलासकुमारजी पुनमचंदजी नानेशा (सातारा)

सौ अदितिबेन सागरभाई शाह (पुणे)

श्री मुळराजजी व्ही. संघवी (मुंबई)

श्री अश्विनभाई अमृतलाल संघवी (पुणे)

श्री निरवभाई प्रतापभाई शाह (मुंबई)

हितेश स्टील कार्पोरेशन (दीपकभाई) (मुंबई)

श्री सुपार्श्वनाथ जैन संघ (मार्केट यार्ड, पुणे)

गोत्रीरोड श्वेतांबर मूर्तिपूजक जैन संघ (वडोदरा)

श्री श्वेतांबर मूर्तिपूजक जैन संघ (गोरेगाव, मुंबई)

श्री मुनिसुव्रतस्वामी जिनालय (मलाड, मुंबई)

मातोश्री श्रीमती लीलाबाई अचलचंदजी जैन हस्ते - अशोक जैन (हिंगड)

चि. सांची सागर चोरडीया हस्ते - सौ सुनंदा संजय चोरडीया (जैन जागृति, पुणे)

अरिहंत वासुपूज्य स्वामी जैन श्वेतांबर ट्रस्ट (सुरत)

श्री अर्हम् रामचंद्र जैन चॅरिटेबल ट्रस्ट (पालिताणा)

अमृतबेन चंपकभाई गाला, श्री जतीनभाई चंपकलाल गाला (मुंबई)

श्री वैभव प्रकाशजी धोका (पुणे)

श्री सागर जैन उपाश्रय (पाटण)

महोदय धाम स्मारक ट्रस्ट (पालडी, अहमदाबाद)

पू. आ. श्री **चंद्रगुप्तसू**. म.सा. की प्रेरणा से एक सद्गृहस्थ

महोदय धाम स्मारक ट्रस्ट (पालडी, अहमदाबाद)

स्व. हंसाबेन विनुभाई पोपटलाल शाह (अहमदाबाद)

आरटेक्स ऍपरेल्स परिवार (अहमदाबाद)

श्री जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक संघ (श्राविका) (गुलटेकडी, पुणे)

श्री मुनिसुपार्श्वशांति जैन संघ (श्राविका) (ईशा पॅलेस, पुणे)

डॉ. ज्योतिबेन नीतिनभाई महेता (मोरबी-पुणे)

प्रेमिलाबेन बुधालाल शाह की पुत्रवधू सरयूबेन के आत्मश्रेयार्थ

पू. आ. श्री **भव्यरत्नसू**. म.सा. की प्रेरणा से दिनेश रसिकलाल गांधी (पुणे)

शा. संघवी जिवराज फत्ताजी मेडतिया हस्ते - रतनभाई

शा. बाबुलालजी उतमचंदजी बोकडीया हस्ते - प्रकाशभाई

शा. तेजराजजी उतमचंदजी बोकडीया हस्ते - मनोजभाई

शा. सोहनलालजी ताराचंदजी घीवाला

शा. खुमचंदजी लुबचंदजी मेरी

शा. रूपाजी नगाजी ओसवाल

शा. घनश्यामजी मणिलालजी रामसीणा

श्री शंखेश्वर महिला मंडळ (भवानी पेठ, पुणे)

ऋतुराज सोसायटी संघ, महिला मंडळ

सौ मंजुबेन अशोकुमारजी भट्टड (लेकटाऊन, पुणे)

श्री शत्रुंजय दर्शन जैन संघ (एकबोटे कॉलनी, पुणे)

पुष्पाबेन पोपटलाल शाह (कराड)

राजकुंवरबेन कोठारी (लेकटाऊन, पुणे)

हस्तलिखित ग्रंथ सूचिपत्र श्रेणि - १

-: वर्धमान जिनरत्नकोश प्रकल्प लाभार्थी :-

मांगरोळ निवासी मातुश्री चंद्रकलाबेन सुंदरलाल शेठ परिवार

॥ सुयं मे आउसं ॥

श्रुतदीप रिसर्च फाउंडेशन संचालित

श्रुतभवन संशोधन केंद्र, ४७/४८, अचल फार्म, सच्चाई माता मंदिर के पास,

जैन आगम मंदिर के आगे, कात्रज, पुणे-४११०४६

मो. ०७७४४००५७२८ Email: shrutbhavan@gmail.com